● वर्ष-3
● अंक-13
रायपुर, गुरुवार
24 अगस्त 2023
● पृष्ठ-8
● मूल्य-3 रु.
samacharpacheesa@gmail.com

।। संगच्छध्वम् संवदध्वम् ।।

समाचार पचीसा

राजनीति का जनपक्षकार

मुख्यमंत्री के करीबियों पर ईडी का छापा

ऑनलाइन सट्टेबाजी के संबंध में रायपुर और दुर्ग में कई स्थानों पर तलाशी ली

रायपुर। ईडी छत्तीसगढ़ में कथित कोयला घोटाला, शराब घोटाला, जिला खनिज फाउंडेशन फंड में अनियमितता और एक ऑनलाइन सट्टेबाजी ऐप से संबंधित विभिन्न मामलों की जांच कर रहा है। सूत्रों ने बताया कि ईडी ने पिछले दो दिनों में ऑनलाइन सट्टेबाजी के संबंध में रायपुर और दुर्ग में कई स्थानों पर तलाशी ली थी। ईडी ने पिछले साल दिसंबर में कथित कोयला लेवी घोटाले से जुड़े मामले की जांच के सिलसिले में राज्य कैडर की आईएएस अधिकारी सौम्या चौरसिया को गिरफ्तार किया था। चौरसिया मुख्यमंत्री कार्यालय में उप सचिव के पद पर तैनात थीं। कोयला लेवी मामले में गिरफ्तार किए गए अन्य लोगों में दो आईएएस अधिकारी समीर विश्नोई और रानू साहू भी शामिल हैं। इसके अलावा ईडी राज्य में कथित शराब घोटाले से जुड़े मामले की भी जांच कर रही है जिसमें कुछ लोगों को गिरफ्तार किया गया है।

प्रवर्तन निदेशालय की टीम ने छत्तीसगढ़ में मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के राजनीतिक सलाहकार विनोद वर्मा, मुख्यमंत्री के दो ओएसडी और कारोबारी के यहां छापे की कार्रवाई की है। सूत्रों ने बुधवार को यह जानकारी दी। हालांकि सूत्रों के माध्यम से अभी तक यह पुष्टि नहीं हो पाई है कि ईडी ने किस मामले में यह कार्रवाई की है। मुख्यमंत्री बघेल ने ईडी की इस कार्रवाई को अपने जन्मदिन का तोहफा बताते हुए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और गृहमंत्री अमित शाह को धन्यवाद दिया। प्रांतीय राजधानी रायपुर के देवेन्द्र नगर में स्थित ऑफिसर्स कॉलोनी में विनोद वर्मा के आवास पर और दुर्ग जिले के पुरानी भिलाई इलाके में स्थित ओएसडी आशीष वर्मा और मनीष बंछोर के मकानों पर अर्धसैनिक बल के कुछ जवानों को देखा गया। विनोद वर्मा पहले पत्रकार रहे हैं तथा कई बड़े संस्थानों में काम कर चुके हैं। वह मुख्यमंत्री बघेल के करीबी हैं।

इसी तरह दुर्ग जिले के भिलाई शहर के नेहरूनगर इलाके में कारोबारी विजय भाटिया के घर के बाहर भी सुरक्षाकर्मी नजर आए। बताया जा रहा है कि ईडी की कार्रवाई के बाद आशीष वर्मा और मनीष बंछोर के समर्थक उनके आवासों के बाहर एकत्र हुए और भाजपा नीत केन्द्र सरकार के खिलाफ नारे लगाए। दोनों के समर्थकों ने भाजपा पर राजनीतिक विरोधियों के खिलाफ केंद्रीय एजेंसियों का दुरुपयोग करने का आरोप लगाया। बंछोर भिलाई इस्पात संयंत्र में कर्मचारी हैं तथा प्रतिनियुक्ति पर मुख्यमंत्री के ओएसडी के रूप में तैनात हैं। अपने राजनीतिक सलाहकार और अन्य लोगों के यहां ईडी के छापे पर मुख्यमंत्री बघेल ने इसे अपने जन्मदिन पर अमूल्य उपहार बताया। मुख्यमंत्री ने ट्वीट कर कहा है, आदरणीय प्रधानमंत्री जी एवं श्री अमित शाह जी! मेरे जन्मदिन के दिन आज आपने मेरे राजनीतिक सलाहकार एवं मेरे ओएसडी सहित करीबियों के यहां ईडी भेजकर जो अमूल्य तोहफा दिया है, इसके लिए बहुत आभार।''

मुख्यमंत्री बघेल का जन्मदिन 23 अगस्त को होता है। इस अवसर पर उनके गृह जिले दुर्ग और अन्य स्थानों पर कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। ईडी छत्तीसगढ़ में कथित कोयला घोटाला, शराब घोटाला, जिला खनिज फाउंडेशन फंड में अनियमितता और एक ऑनलाइन सट्टेबाजी ऐप से संबंधित विभिन्न मामलों की जांच कर रहा है। सूत्रों ने बताया कि ईडी ने पिछले दो दिनों में ऑनलाइन सट्टेबाजी के संबंध में रायपुर और दुर्ग में कई स्थानों पर तलाशी ली थी। ईडी ने पिछले साल दिसंबर में कथित कोयला लेवी घोटाले से जुड़े मामले की जांच के सिलसिले में राज्य कैडर की आईएएस अधिकारी सौम्या चौरसिया को गिरफ्तार किया था। चौरसिया मुख्यमंत्री कार्यालय में उप सचिव के पद पर तैनात थीं। कोयला लेवी मामले में गिरफ्तार किए गए अन्य लोगों में दो आईएएस अधिकारी समीर विश्नोई और रानू साहू भी शामिल हैं। इसके अलावा ईडी राज्य में कथित शराब घोटाले से जुड़े मामले की भी जांच कर रही है जिसमें कुछ लोगों को गिरफ्तार किया गया है।

'राजनीतिक प्रतिशोध' के तहत छापे मारेः कांग्रेस

कांग्रेस ने झारखंड के एक मंत्री के बेटे और कुछ अन्य लोगों से संबंधित परिसरों पर प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की छापेमारी को बुधवार को, 2024 के लोकसभा चुनाव से पहले विपक्षी दलों के गठबंधन 'इंडिया' (इंडियन नेशनल डेवलपमेंटल इन्क्लूसिव अलायंस) की छवि खराब करने के इरादे से केंद्र की भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) सरकार की शह पर की गई 'राजनीतिक प्रतिशोध' की कार्रवाई बताया। कांग्रेस झारखंड में सत्तारूढ़ झारखंड मुक्ति मोर्चा (जेएमएम) के नेतृत्व वाले गठबंधन की घटक है। राज्य में कथित शराब घोटाले से संबंधित धन शोधन की जांच के तहत ईडी ने कांग्रेस के वरिष्ठ नेता एवं वित्त मंत्री रामेश्वर ओरांव के बेटे रोहित ओरांव के विभिन्न परिसरों पर छापेमारी की। कांग्रेस की झारखंड इकाई के अध्यक्ष राजेश ठाकुर ने पीटीआई-से कहा, ''ईडी की छापेमारी केंद्र में सत्तारूढ़ भाजपा की शह पर की गई राजनीतिक प्रतिशोध की कार्रवाई है क्योंकि वह (भाजपा) 2024 के संसदीय चुनाव से पहले 'इंडिया' गठबंधन की छवि खराब करना चाहती है।'' उन्होंने मांग की कि ईडी को सबसे पहले अपना रुख स्पष्ट करना चाहिए। कांग्रेस नेता ने पूछा, ''क्या ईडी पूरे देश में इसी तरह की छापेमारी कर रही है या फिर शराब केवल झारखंड, दिल्ली और छत्तीसगढ़ में बेची जाती है?'' केंद्र पर निशाना साधते हुए ठाकुर ने जानना चाहा कि क्या भाजपा शासित राज्यों में कोई घोटाला नहीं हुआ है।

इन दिनों

✍ देव कश्यप

जीवाश्म ईंधन पर भारत दिखा रहा सख्ती

जी-20 देशों ने यूक्रेन युद्ध के कारण ईंधन की बढ़ती कीमतों का मुकाबला करने और ऊर्जा भंडार को मजबूत करने के उद्देश्य से 2022 में जीवाश्म ईंधन का समर्थन करने के लिए अपने कोष से 1.4 ट्रिलियन अमेरिकी डॉलर (करीब 116 लाख करोड़ रुपये) का पब्लिक फंड आवंटित किए हैं। एक नए अध्ययन में यह जानकारी सामने आई है। विन्निपेग (कनाडा) के स्वतंत्र थिंक टैंक %इंटरनेशनल इंस्टीट्यूट फॉर सस्टेनेबल डेवलपमेंट% (आईआईएसडी) और साझेदारों द्वारा किया गया यह अध्ययन ऐसे समय में सामने आया है जब जी-20 नेता नई दिल्ली में नौ से 10 सितंबर को होने वाले शिखर सम्मेलन की तैयारी कर रहे हैं। वर्तमान में जी-20 अध्यक्ष भारत ने स्वच्छ ऊर्जा के लिए समर्थन बढ़ाते हुए 2014 से 2022 के बीच जीवाश्म ईंधन रियायत में 76 प्रतिशत की कटौती की। अध्ययन में कहा गया है कि यह भारत को इस मुद्दे पर नेतृत्व करने के लिए मजबूत स्थिति में रखता है। अध्ययन के अनुसार, 14 सौ अरब अमेरिकी डॉलर की अप्रत्याशित राशि में जीवाश्म ईंधन सब्सिडी (एक हजार अरब अमेरिकी डॉलर), देश के स्वामित्व वाले उद्यम निवेश (322 अरब अमेरिकी डॉलर) और सार्वजनिक वित्तीय संस्थानों द्वारा उधार दिया गया धन (50 अरब अमेरिकी डॉलर) शामिल हैं। इसमें कहा गया है कि यह कुल राशि 2019 में कोविड-19 महामारी और ऊर्जा संकट से पहले की स्थिति की तुलना में दोगुनी से भी अधिक है। जीवाश्म ईंधन के लिए वित्तीय सहायता अत्यधिक गर्मी की स्थिति, जंगल की आग और भारी बारिश जैसे मानव निर्मित जलवायु संकट और इसके कठोर प्रभावों को और बढ़ा सकते हैं। रिपोर्ट में इस बात को रेखांकित किया गया है कि जीवाश्म ईंधन की कीमतों को कम करने के लिए सब्सिडी देना एक समस्या है क्योंकि यह इन हानिकारक ऊर्जा स्त्रोतों के अधिक उपयोग को प्रोत्साहित करती है। अध्ययन में जीवाश्म ईंधन सब्सिडी से छुटकारा पाने के लिए एक बेहतर योजना का भी सुझाव दिया गया है। इसमें कहा गया है कि विकसित देशों को इसे 2025 तक बंद कर देना चाहिए और उभरती अर्थव्यवस्थाओं को इसे 2030 तक समाप्त करना चाहिए। इसे लेकर शोधकर्ताओं ने एक समाधान का प्रस्ताव दिया है। प्रस्ताव के मुताबिक, जी-20 देशों की आय के आधार पर प्रति मीट्रिक टन ष्टह्र2 समकक्ष पर 25 अमेरिकी डॉलर से लेकर 75 अमेरिकी डॉलर तक न्यूनतम कार्बन कर निर्धारित करके हर साल अतिरिक्त एक ट्रिलियन अमेरिकी डॉलर प्राप्त कर सकते हैं। जी-20 में जीवाश्म ईंधन पर वर्तमान कर बहुत कम हैं, जो ष्टह्र2 समकक्ष के प्रति मीट्रिक टन औसतन केवल 3.2 अमेरिकी डॉलर है। रिपोर्ट के मुताबिक, यह चिंताजनक है क्योंकि जीवाश्म ईंधन कंपनियों ने पिछले साल ऊर्जा संकट के दौरान भारी मुनाफा कमाया था।

चांद की मिट्टी चूमने शान से उतरा चंद्रयान, इसरो ने दिखाया जलवा

नईदिल्ली। 140 करोड़ भारतीयों को गौरवांवित करने का वो क्षण आखिर आ ही गया, जिसका हरेक हिन्दुस्तानी को इंतजार था। पिछली असफलता को पीछे छोड़ भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन यानी इसरो ने इस बार चांद को मुट्ठी में करने की अपनी कसम को पूरी कर ली। चांद की मिट्टी को चूमने के लिए चंद्रयान 3 शान से उतर गया है। कड़ी उड़ान रिहर्सल के बाद 14 जुलाई को चंद्रमा पर चंद्रयान श्रृंखला का तीसरा मिशन इसरो ने लॉन्च किया था। अब 40 दिन के सफर के बाद चंद्रयान 3 ने चांद के साउथ पोल यानी दक्षिणी ध्रुव पर सॉफ्ट लैंडिंग कर ली है।

कैसे शुरू हुई भारत की चांद यात्रा

चंद्रमा पर जाने की भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) की अपनी तरह की अनूठी परियोजना अक्टूबर 2008 में

लॉन्च की गई थी। जिसमें एक चंद्र ऑर्बिटर और एक इम्पैक्टर शामिल था। चंद्रमा की कक्षा में पहुंचने के बाद, मून इम्पैक्ट प्रोब (एमआईबी) ने चंद्रमा के दक्षिणी ध्रुव के शेकलटन क्रेटर के पास जानबूझकर क्रैश लैंडिंग की। प्रभाव स्थल का नाम जवाहर पॉइंट रखा गया। 386 करोड़ रुपये की अनुमानित लागत के साथ परियोजना के लिए कुछ उपकरणों की आपूर्ति नासा (नेशनल एरोनॉटिक्स एंड स्पेस एडमिनिस्ट्रेशन) और ईएसए जैसी अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष एजेंसियों द्वारा की गई थी। चंद्रयान-2 से मिले सबक को सीखकर इसरो ने चंद्रयान-3 के साथ आगे अपने कदम बढ़ाए। चंद्रयान-3 मिशन के लिए प्रणोदन मॉड्यूल लैंडर और रोवर कॉन्फ़िगरेशन को तब तक ले जाएगा जब तक कि अंतरिक्ष यान 100 किमी चंद्र कक्षा में न हो जाए। उसके बाद, लैंडर अलग हो गया और मंज़िनस क्रेटर के पास सॉफ्ट लैंडिंग का लक्ष्य रखा। खतरों का पता लगाकर मशीनरी को सुरक्षित रखने में मदद करने के साथ ही चंद्रयान-3 को कई उन्नत तकनीकों के साथ डिजाइन किया गया। लैंडिंग पैरों को और मजबूत किया गया है, जिससे सॉफ्ट लैंडिंग का प्रयास आसान हो जाए।

14 दिनों तक रिसर्च करेगा प्रज्ञान

लैंडर विक्रम ने चंद्रमा के साउथ पोल पर लैंडिग की है। अब रोवर प्रज्ञान बाहर निकलकर 14 दिनों तक रिसर्च करेगा। लैंडर के अंदर से रोवर 1 सेंटीमीटर/सेकेंड की रफ्तार से लैंडर से बाहर निकलेगा। इसे निकलने में 4 घंटे लगेंगे। बाहर आने के बाद ये चांद की सतह पर 500 मीटर तक चलेगा। ये चंद्रमा पर 1 दिन (पृथ्वी के 14 दिन) काम करेगा। चंद्रयान-3 चंद्रमा के दक्षिणी ध्रुव पर सॉफ्ट लैंडिंग कर चुका है, जिससे भारत चंद्रमा के दक्षिणी ध्रुव पर सॉफ्ट लैंडिंग करने वाला पहला देश बन गया है। चंद्रयान-3 23 अगस्त, 2023 को शाम 6ः04 बजे ढ्ढस्ञ्ज चंद्रमा पर उतरा। इसके बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने वैज्ञानिकों के साथ-साथ पूरे देश को बधाई दी है। उन्होंने कहा कि जब हम ऐसे ऐतिहासिक क्षण देखते हैं तो हमें बहुत गर्व होता है। उन्होंने कहा कि यह नए भारत की सुबह है।

मुख्यमंत्रीभूपेश बघेल को आज उनके जन्मदिवस के अवसर पर शासन के वरिष्ठ अधिकारियों ने मुख्यमंत्री निवास में बधाई और शुभकामनाएं दी।

प्रमुख समाचार

एक इकाई संघ के संविधान से ऊपर कैसे,कोर्ट का सवाल

नई दिल्ली। सीजेआई डीवाई चंद्रचूड़ की अध्यक्षता वाली पांच न्यायाधीशों की पीठ ने नौवें दिन अनुच्छेद 370 को निरस्त करने को चुनौती देने वाली याचिकाओं पर सुनवाई की। इस दौरान पीठ ने कहा कि भारतीय संविधान के अनुच्छेद 370 में स्पष्ट रूप से आत्म-सीमित चरित्र (सेल्फ लिमिटिंग कैरेक्टर) है। यह राष्ट्रपति को एक निश्चित प्रक्रिया के माध्यम से इसे निरस्त करने का अधिकार देता है। साथ ही शीर्ष कोर्ट ने यह सवाल भी किया कि भले ही जम्मू-कश्मीर के संविधान ने भारत संघ के साथ अपने रिश्ते को तय किया था, लेकिन अगर वे उस रिश्ते को भारतीय संविधान के मुताबिक नहीं मानते हैं तो 1957 के बाद से अब तक कैसे वे चल सकते हैं। पीठ ने कहा कि एक संघीय इकाई का संविधान, संघ के संविधान से कैसे ऊपर हो सकता है? सुनवाई के दौरान याचिकाकर्ताओं में से एक सोयब कुरैशी की ओर से पेश वरिष्ठ अधिवक्ता गोपाल शंकरनारायणन ने इस बात पर दबाव डाला कि जम्मू-कश्मीर संविधान सभा ने जम्मू-कश्मीर की विशेष स्थिति को बरकरार रखने के लिए एक सचेत निर्णय लिया था। सोयब कुरैशी ने भी इस संवैधानिक प्रावधान को निरस्त करने के केंद्र के 5 अगस्त, 2019 के फैसले को चुनौती दी है।

हिमाचलःभारी बारिश के बाद हुए भूस्खलन में चार लोगों की मौत

नईदिल्ली। हिमाचल प्रदेश में बीती रात हुई भारी बारिश के बाद भूस्खलन की घटनाओं में चार लोगों की मौत हो गई और कुछ मकानों के क्षतिग्रस्त होने के अलावा 200 से अधिक सड़कें अवरूद्ध हो गईं। अधिकारियों ने बुधवार को यह जानकारी दी।

मौसम विभाग ने अगले 24 घंटों के दौरान राज्य के 12 में से चार जिलों में भारी से बहुत भारी बारिश और कुछ स्थानों पर अत्यधिक भारी बारिश होने का अनुमान जताते हुए बुधवार को 'रेड अलर्ट' जारी किया। बलदेयां इलाके में एक कच्चे मकान में झालो नामक प्रवासी और उनकी पत्नी राजकुमारी का शव मिला। पुलिस अधिकारी ने लोगों से अनावश्यक यात्रा नहीं करने का अनुरोध किया। मंडी जिले के सेराज के दगोल गांव में भूस्खलन में दो लोगों की मौत हो गई, जिनकी पहचान गांव के निवासी परमानंद (62) और उनके पोते गोपी (14) के रूप में हुई है। मौसम विभाग ने कांगड़ा, कुल्लू, मंडी और शिमला जिलों के कुछ हिस्सों के लिए दोपहर में रेड अलर्ट जारी किया और 24 अगस्त को भारी से बहुत भारी बारिश का अनुमान जताते हुए ऑरेंज अलर्ट जारी किया है।

साल में 2 बार होगी बोर्ड परीक्षा, पसंद के विषय पढ़ेंगे

नईदिल्ली। शिक्षा मंत्रालय ने स्कूली शिक्षा का नया राष्ट्रीय पाठ्यचर्या ढांचा (एनसीएफ) तैयार किया है जिसके तहत अब बोर्ड परीक्षाएं साल में दो बार होंगी और छात्र-छात्राओं को इसमें सर्वश्रेष्ठ अंक बरकरार रखने का विकल्प होगा। इसके साथ ही कक्षा 11वीं और 12वीं के छात्र-छात्राओं को दो भाषाओं का अध्ययन करना होगा और इनमें से कम से कम एक भाषा भारतीय होनी चाहिए। नये पाठ्यचर्या ढांचे के अनुसार, स्कूल बोर्ड उचित समय में 'मांग के अनुसार परीक्षा की पेशकश करने की क्षमता विकसित करेंगे। मंत्रालय के अधिकारियों के अनुसार, नयी शिक्षा नीति के अनुसार नया पाठ्यचर्या ढांचा तैयार है और इसके आधार पर 2024 के शैक्षणिक सत्र के लिए पाठ्य पुस्तकें तैयार की जाएंगी। इसमें कहा गया है कि कला एवं विज्ञान, पाठ्यक्रम संबंधी या पाठ्येत्तर गतिविधियों तथा व्यवसायिक एवं अकादमिक विषयों के बीच कोई सख्त विभाजन रेखा नहीं होनी चाहिए। स्कूली स्तर पर 'राष्ट्रीय पाठ्यचर्या ढांचे' के दस्तावेज के अनुसार, कक्षा 11वीं और 12वीं में विषयों का चयन कला, विज्ञान, वाणिज्य स्ट्रीम तक सीमित नहीं रहेगा बल्कि छात्र-छात्राओं को अपनी पसंद का विषय चुनने की आजादी मिलेगी।

पूर्वोत्तर राज्यों के लिए विशेष प्रावधानों को नहीं छूएंगा केंद्र

नईदिल्ली। केंद्र ने सुप्रीम कोर्ट से कहा कि पूर्वोत्तर राज्यों पर लागू विशेष प्रावधानों में हस्तक्षेप करने का उसका कोई इरादा नहीं है। सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने पांच सदस्यीय संविधान पीठ को सूचित करते हुए कहा कि मेरे पास यह बताने

के निर्देश हैं। हमें अस्थायी प्रावधान, अनुच्छेद 370 और उत्तर पूर्व से संबंधित विशेष प्रावधानों के बीच अंतर करना चाहिए। केंद्र सरकार का किसी को भी छूने का कोई इरादा नहीं है। वह भाग जो उत्तर पूर्व और अन्य क्षेत्रों को विशेष प्रावधान देता है। मेहता की दलील वरिष्ठ वकील मनीष तिवारी के बाद आई, जो संविधान के अनुच्छेद 370 को निरस्त करने को चुनौती देने वाले एक मामले में पीठ के समक्ष दलीलें पेश कर रहे थे और अरुणाचल प्रदेश के एक राजनेता का प्रतिनिधित्व कर रहे थे।भारत का संविधान, एक राजनीतिक होने के अलावा - सामाजिक समझौता, हमेशा से एक राष्ट्रीय सुरक्षा दस्तावेज़ रहा है। यह केवल राज्य की कठोर शक्ति के उपयोग के बारे में नहीं है। मेरे उत्तर पूर्व में आने से पहले भारत की परिधि में थोड़ी सी भी आशंका महत्वपूर्ण प्रभाव डाल सकती है।

हवा से हवा में मार करने वाली तेजस मिसाइल का परीक्षण

नईदिल्ली। लाइट कॉम्बैट एयरक्राफ्ट (एलसीए) तेजस ने बुधवार को गोवा तट से विजुअल रेंज से परे हवा से हवा में मार करने वाली स्वदेशी एस्ट्रा मिसाइल का सफलतापूर्वक परीक्षण किया। जानकारी के मुताबिक, यह परीक्षण तेजस लिमिटेड सीरीज प्रोडक्शन-7 (एलएसपी-7) विमान का इस्तेमाल कर किया गया। लगभग 20,000 फीट की ऊंचाई पर विमान से मिसाइल प्रक्षेपण सफलतापूर्वक किया गया। रक्षा मंत्रालय द्वारा दी गई जानकारी के मुताबिक हल्के लड़ाकू विमान तेजस एलएसपी-7 ने 23 अगस्त को गोवा के तट पर हवा से हवा में मार करने वाली बियॉन्ड विजुअल रेंज मिसाइल 'अस्त्र' का परीक्षण किया। मंत्रालय ने कहा कि परीक्षण के सभी उद्देश्य पूरे हो गए हैं। प्रक्षेपण की निगरानी वैमानिकी विकास एजेंसी, रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन , हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड के परीक्षण निदेशक और वैज्ञानिकों और सेंटर फॉर मिलिट्री एयरवर्थनेस एंड सर्टिफिकेशन और एयरोनॉटिकल क्वालिटी एश्योरेंस महानिदेशालय के अधिकारियों ने की। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने तेजस-एलसीए से मिसाइल के सफल परीक्षण के लिए एडीए, डीआरडीओ, सीईएमआईएलएसी, डीजी-एक्यूए को बधाई दी।

चांद पर क्रेडिट की लड़ाई

नेहरू-इंदिरा के समय से शुरू हुई यात्रा, मोदी सरकार में हुए नीतिगत बदलाव

नईदिल्ली। चांद को मुट्ठी में करने सपनों की उड़ान अपने अंजाम तक पहुंच चुकी है। 14 जुलाई 2023 की तारीख देश के लिए एक खास बना तो 23 अगस्त ने तो इसे ऐतिहासिक बना दिया। 14 जुलाई को दोपहर के 2ः30 मिनट पर भारत का चंद्रयान-3 चांद की ओर रवाना होने वाले चंद्रयान 3 ने 23 अगस्त को शाम 6ः03 मिनट पर सफलतापूर्वक लैंडिंग कर ली है। चांद को छूना औरों की तरह हमारा भी सपना रहा है। लेकिन भारत के मून मिशन के दौरान ही इसको लेकर क्रेडिट की लड़ाई भी देखने को मिली।

इसरो की स्थापना

डॉक्टर विक्रम साराभाई और डॉक्टर रामानाथन ने 16 फरवरी 1962 को की स्थापना की गई। जो आगे चलकर 15 अगस्त 1969 को इसरो बन गया। बहुत सारे लोगों ने यह सवाल उठाया है कि जब इसरो की स्थापना से पहले ही नेहरू का देहांत हो गया था, तो वो इस संस्थान की स्थापना कैसे कर सकते हैं? इसरो की आधिकारिक वेबसाइट पर भी अंतरिक्ष रिसर्च एजेंसी की स्थापना में नेहरू और डॉक्टर साराभाई के योगदान का जिक्र है। वेबसाइट पर लिखा है कि भारत ने अंतरिक्ष में जाने का फैसला तब किया था जब भारत सरकार ने साल 1962 में इंडियन नेशनल कमेटी फॉर स्पेस रिसर्च की स्थापना की थी।

मंगलयान और चंद्रयान

भारत का चंद्रमा पर पहला मिशन, 2008 में लॉन्च किया गया। चंद्रयान-1 ने 10 महीने

तक चंद्रमा की परिक्रमा की और पानी की बर्फ की उपस्थिति सहित चंद्रमा की सतह के बारे में महत्वपूर्ण खोजें कीं। भारत का पहला अंतरग्रहीय मिशन, 2013 में लॉन्च किया गया। दोनों ही दौर में केंद्र में यूपीए की सरकार थी।

मोदी सरकार में क्या बदला?

नेतृत्व की नीति और इच्छाशक्ति को भी देखना जरूरी है। 2014 तक साइंस एंड टेक्नोलॉजी का बजट 5 हजार 400 करोड़ रुपए थे। भारत के विज्ञान को हम इससे किस दिशा में ले जा सकते हैं। कहा तो ये भी जाता है कि सारे पैसे वेतन और लैबोरेट्री के मेंटेनेंस में ही चले जाते थे। लेकिन 2022 में 14 हजार 217 करोड़ हो गया है। यानी 2014 से लेकर 2022 तक इसके बजट में तीन गुणा इजाफा हुआ है। इसके अलावा पीएम मोदी की सरकार में साइंस टेक्नोलॉजी एंड इनोवेशन पॉलिसी को लाकर एक नई क्रांति को जन्म दिया।

अब चांद पर अशोक स्तंभ के निशान

चंद्रयान-3 मिशन भारत की अंतरिक्ष यात्रा में एक महत्वपूर्ण प्रगति लेकर आया है। इसके केंद्र में प्रज्ञान है, जो राष्ट्रीय गौरव का प्रतीक बनने के लिए तैयार है। सावधानीपूर्वक तैयार किया गया यह रोवर भारत के सार से मेल खाने वाली छाप छोड़ने की महत्वपूर्ण जिम्मेदारी निभाता है। जैसे ही यह अपने चंद्र अभियान पर निकलेगा इसे चंद्रमा की सतह पर भारत के प्रतीक और इसरो के लोगो को उकेरने का सौभाग्य प्राप्त होगा। इस अधिनियम का गहरा महत्व है। यह वैज्ञानिक उन्नति और अंतरिक्ष अन्वेषण के प्रति भारत की अटूट प्रतिबद्धता का प्रतीक है। यह राष्ट्र की सरलता और तकनीकी कौशल की याद दिलाता है। विक्रम लैंडर से रैम्प की मदद से 6 व्हील वाले प्रज्ञान रोवर को चांद पर उतारा जाएगा। धीरे-धीरे यह बाहर आएगा। इसरो इसे कमांड देगा और यह अपने पहियों के जरिए ही चांद की जमीन पर भारत का राष्ट्रीय चिन्ह अशोक स्तम्भ को बनाएगा। इस तरह इसरो चांद पर भारत की छाप छोड़ेगा।

लैंडर विक्रम ने चंद्रमा के साउथ पोल पर लैंडिग की है। अब रोवर प्रज्ञान बाहर निकलकर 14 दिनों तक रिसर्च करेगा। लैंडर के अंदर से रोवर 1 सेंटीमीटर/सेकेंड की रफ्तार से लैंडर से बाहर निकलेगा। इसे निकलने में 4 घंटे लगेंगे। बाहर आने के बाद ये चांद की सतह पर 500 मीटर तक चलेगा। ये चंद्रमा पर 1 दिन (पृथ्वी के 14 दिन) काम करेगा।

नारायणपुर में कच्ची सड़क को पक्की बनाने की मांग, गाड़ियों में भरकर ग्रामीण पहुंचे कलेक्टोरेट

नारायणपुर। ग्राम पंचायत भरंडा के ग्रामीणों ने कलेक्टर दफ्तर में जाकर सड़क बनाने की गुहार लगाई है।ग्रामीण निजी वाहनों से अपने परिवार के सदस्यों के साथ कलेक्टर ऑफिस पहुंचे थे। इस दौरान ग्रामीण महिलाओं ने अपने छोटे बच्चों को भी अपने साथ में रखा था।ग्रामीणों की माने तो जिला मुख्यालय से उनके गांव की दूरी 12 किलोमीटर है। बावजूद इसके उनके गांव में पक्की सड़क नहीं बनी। इन ग्रामीणों में सभी खेती किसानी और मजदूरी करने वाले थे।इसमें अधिकांश महिलाएं अनपढ़ थीं। जिसे हिंदी बोलना भी नहीं आता था। सभी अपनी क्षेत्रीय भाषा गोंडी छत्तीसगढ़ी में अपना दुखड़ा बता रहे थे।ग्रामीणों के मुताबिक उन्हें अपने बच्चों के भविष्य की चिंता है।

रोड नहीं होने से बच्चों की पढ़ाई का नुकसान

ग्रामीण महिला फूलबति दुग्गा ने बताया कि हम लोग रोड के लिए कलेक्ट्रोरेट आएं हैं। कच्ची रोड में बहुत तकलीफ हो रहा है। मैं अनपढ़ हूं लेकिन बच्चों को पढ़ना चाहती हूं। ताकि मेरे जैसे अनपढ़ कोई बच्चा ना रहे।अभी गांव में रोड खराब होने के कारण कोचिंग बस गांव तक नहीं पहुंच रहा है। जिससे गांव में बच्चों की पढ़ाई नहीं हो पा रही है।

फूलबति दुग्गा ग्रामीण महिला ने कहा मैं चाहती हूं कि मेरे बच्चे नाती पोते और गांव के सभी बच्चे अच्छे से पढ़ें। सभी गांव के बच्चे आगे बढ़े। ऐसा सोच है। रामकृष्ण मिशन विवेकानंद से एजुकेशन के लिए बस की सुविधा पहले गांव को मिलती थी। यहां से बच्चे कोचिंग पढ़ने के लिए नारायणपुर जाते थे।खराब रोड के कारण बस सेवा बंद है। बस सेवा की मांग के लिए हमने रामकृष्ण मिशन आश्रम नारायणपुर के महाराज के पास गए तो खराब रोड का हवाला देते हुए बस भेजने के लिए साफ मना कर दिए।

कई बार सड़क को लेकर की जा चुकी है मांग

अंतागढ़ मुख्य मार्ग से भरंडा तक लगभग 3 किलोमीटर कच्ची रोड है। इस रोड को डामरीकृत बनाने की मांग कई वर्षों से ग्रामीण करते आ रहे हैं। लेकिन आज तक ग्रामीणों की मांग पूरी नहीं हो सकी है। गांव की सरपंच की माने तो गांव से मुख्य मार्ग तक तीन किलोमीटर सड़क बनाने की मांग की गई है। कई बार प्रस्ताव बनाकर भेजा गया है। लेकिन समस्या का समाधान नहीं हुआ।

तिजाय कुमेटी, सरपंच भरंडा ने कहा गांव के कई बच्चे नारायणपुर पढ़ने के लिए जाते हैं। पर उन्हें आने-जाने में खराब रोड के कारण असुविधा होती है। रोड पर दुर्घटनाएं हो रही हैं।खराब रोड के कारण एंबुलेंस 108 भी सही समय पर गांव में नहीं पहुंचती। जिससे मरीज की जान भी जा चुकी है।

गांव वालों ने अपनी मांगों के लेकर कलेक्टर से एक बार फिर गुहार लगाई है।ताकि तीन किलोमीटर के सड़क को बनाया जा सके।लेकिन एक बार फिर जिला प्रशासन ने ग्रामीणों को आश्वासन दिया है। इस पर कलेक्टर अजीत वसंत ने ग्रामीणों से कहा कि है सड़क बनवाना उनके बस की बात नहीं है। आवेदन को आगे तक बढ़ा सकते हैं,जो भी फैसला होगा वो ग्रामीणों को बता दिया जाएगा।

घोषणा पत्र के लिए छत्तीसगढ़िया के मन की बात जानने भाजपा निकालेगी यात्रा

■ कोर ग्रुप की बैठक मे हुई विभिन्न विषयों पर चर्चा

धमतरी। भाजपा धमतरी विधानसभा की कोर ग्रुप की बैठक मंगलवार को जिला भाजपा कार्यालय मे संपन्न हुई । बैठक मे पार्टी के प्रमुख पदाधिकारियों ने विभिन्न विषयों पर विस्तार से चर्चा की । जिला अध्यक्ष ठाकुर शशि पवार ने बताया कि प्रदेश नेतृत्व के निर्देशानुसार पार्टी प्रत्येक विधानसभा मे गाँव-गाँव यात्रा निकालेगी और घर-घर जाकर लोगों से सुझाव मांगेगी ताकि छत्तीसगढ़िया के मन की बात को घोषणा पत्र मे शामिल किया जा सके । इसके अतिरिक्त शक्ति केंद्र स्तर पर चल रहे लाभार्थी सम्मेलन की भी समीक्षा की गयी । लाभार्थी सम्मेलन के माध्यम से केंद्र सरकार की योजनाओं से लाभांवित आम लोगों का भरपूर आशीर्वाद पार्टी को मिल रहा है और जिन शक्ति केंद्रों मे सम्मेलन नही हो पाया वहाँ नये सिरे से प्रभारी बनाकर आवश्यक रूप से कार्यक्रम संपन्न कराने हेतु रूपरेखा बनाई गयी।

कोर ग्रुप मे मछुआ समुदाय की समस्याओं को लेकर आंदोलन की तैयारी एवं जर्जर सड़कों, बढ़ते अपराध, निगम मे व्याप्त भ्रष्टाचार इत्यादि विषय को लेकर हर सप्ताह एक आंदोलन करने की भी योजना बनाई गयी । बैठक मे मुख्य रूप से जिला भारतीय जनता पार्टी अध्यक्ष ठाकुर शशि पवार, प्रदेश मंत्री रामू रोहरा, विधानसभा प्रभारी राजीव पांडे, प्रदेश विशेष आमंत्रित सदस्य प्रीतेश गांधी, पूर्व विधायक इंदर चोपड़ा अरविंदर सिंह मुंडी, श्रीमती चंद्रकला पटेल, उमेश कुमार साहू, रोहिताश मिश्रा, कैलाश सोनकर, जय हिंदुजा, प्रीतम साहू, मुरारी यदु, राजेश गोलछा, विजय साहू, हेमंत चंद्राकर, रेशमा शेख, डॉक्टर वीथिका विश्वास, श्रीमती श्यामा देवी साहू , मिश्रीलाल पटेल, बशीर अहमद, अखिलेश सोनकर, नीलेश लुनिया, प्रेम लाल, सोमेश यादव, चेतन प्रकाश हिंदूजा, ,भगत यादव ,हेमंत चंद्राकर, खुबलाल ध्रुव, पवन गजपाल एवं विनोद पांडे उपस्थित रहे ।

बच्चों को लेने जा रही स्कूल बस को हाईवा ने मारी टक्कर, चालक घायल

कोरबा। सिविल लाइन थाना क्षेत्र के रिसदी चौक के पास बुधवार को सरस्वती उच्चतर माध्यमिक विद्यालस की बस में हाईवा ने टक्कर मार दी। टक्कर से बस के सामने का हिस्सा बुरी तरह से क्षतिग्रस्त हो गया। दुर्घटना में बस के चालक और परिचालक दोनों घायल हो गए हैं, जिन्हें इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है। बताया जा रहा है कि बस में तीन बच्चे सवार थे, जो सकुशल हैं। हाईवा का स्टेयरिंग लॉक होने के कारण हदसा होने की बात कही जा रही है। दुर्घटना के बाद मौके पर वाहनों की लंबी कतार लग गई।

हाईवा चालक ने बताया कि वह वाहन लेकर मड़वारानी से एनटीपीसी जा रहा था। इसी दौरान रास्ते में वाहन ने एयर ले लिया, जिसके कारण वाहन बंद होने के साथ ही स्टीयरिंग लॉक हो गई और यह हादसा हो गया। हाईवा चालक स्वराज अली ने बताया कि किसी तरह वहां से टकराने के बाद हाईवा रुक गया, नहीं तो बड़ा हादसा हो सकता था।

हादसे के बाद स्थानी लोगों ने चक्का जाम कर दिया। इसके बाद सिविल लाइन थाना पुलिस मौके पर पहुंची और लोगों को समझाइए दी। लोगों का आरोप है कि इस जगह पर बार-बार हादसे हो रहा है। कई बार लोगों की जान तक गई है, लेकिन उसके बाद भी जिला प्रशासन ध्यान नहीं दे रहा है। दुर्घटना में परिचालक लक्ष्मी राम साहू के सिर पर गंभीर चोट लगी है, जबकि चालक राजू सोनी के पैर में चोट लगी है। दोनों को इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

बस के दुर्घटनाग्रस्त होने की जानकारी मिलते ही प्राचार्य समेत अन्य स्टाफ मौके पर पहुंचा और स्थिती की जानकारी ली। हादसे के दौरान बस में करीब तीन बच्चे सवार थे, जो सही सलामत हैं। बस रिसदी, नकटीखार सहित अन्य ग्रामीण क्षेत्र के बच्चों को लेने निकली हुई थी, लेकिन रास्ते में ही हादसे का शिकार हो गई। सिविल लाइन थाना प्रभारी मृत्युंजय पांडेय ने बताया कि घटना की सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची और घटनाक्रम की जानकारी लेते हुए लोगों को समझाइए देखकर चक्का जाम से समाप्त किया गया।

मां ने लड़कर बचाई जान, हाथ से बच्ची को छीनकर भाग रहा था शख्स

कोरबा। कोरबा के सीतामढ़ी इलाके में मां के हाथ से बच्ची को छीनकर भाग रहे एक शख्स की लोगों ने पिटाई कर दी। पिटाई करने के बाद उसे पुलिस के हवाले कर दिया। लोगों का कहना है कि संबंधित व्यक्ति पागलपन का प्रदर्शन कर रहा था, लेकिन उसके इरादे बिल्कुल बच्चा चोरी करने वाले गिरोह जैसे थे। दूसरी ओर कोतवाली पुलिस का दावा है कि जिसे चोर बताया जा रहा है, उसकी मानसिक स्थिति बेहतर नहीं है। इसलिए पुलिस उसे समझाइश दे रही है।

पूरा मामला कोतवाली पुलिस थाना क्षेत्र में आने वाले सीतामढ़ी सरकारी अतिथि गृह के पास का है। यहां देवकुमारी महंत अपनी ढाई साल की बेटी श्रेया को लेकर मां के घर जा रही थी। वे दोनों पैदल थे। इसी दौरान रास्ते से एक व्यक्ति उनके बेहद करीब पहुंचा और श्रेया को छीनने की कोशिश करने लगा। उसका रवैया बच्चा चोरी करने वाले गैंग के जैसा था। किसी तरह देव कुमारी ने अपने बच्चे की रक्षा की और उस युवक के हाथों से बच्चे को लिया। चीख-पुकार सुनकर मौके पर पहुंचे लोगों ने युवक की पिटाई कर दी। इसके बाद इसकी सूचना डायल 112 को दी।

प्रीतम चौहान की सूचना पर डायल 112 की टीम यहां पहुंची और संबंधित व्यक्ति को लेकर थाने चली गई। प्रीतम ने बताया कि यह व्यक्ति कभी खुद को झारखंड तो कभी बिहार का निवासी बता रहा था। उसके पास से जो सामान मिले हैं, उसे लेकर हम सभी को काफी संदेह हो रहा है। इस घटना से इलाके में डर बना हुआ है।

थाना प्रभारी रूपक शर्मा ने बताया कि वह मानसिक रूप से विक्षिप्त है, उसका मुलायजा कर आगे की कार्यवाही की जा रही है। गौरतलब है कि पांच दिन पहले ही कोरबा के मेडिकल कॉलेज हॉस्पिटल के महिला वार्ड से चार महीने के बच्चे की चोरी हो गई थी। इस मामले में खोजबीन के साथ पौड़ी विकासखंड के लाद गांव से एक महिला के कब्जे से बच्चे को बरामद कर लिया गया।

नक्सलियों ने की थी गला घोटने की कोशिश

भाजयुमो नेता की हालत गंभीर एयर एंबुलेंस से दिल्ली रेफर

बीजापुर। बीजापुर जिले फरसेगढ़ के पूर्व सरपंच व भाजपा युवा मोर्चा के जिला प्रचारक महेश गोटा की गंभीर स्थिति को देखते हुए उन्हें एयर एंबुलेंस से दिल्ली रेफर किया गया हैं। बताया गया है कि नक्सलियों ने महेश गोटा को रस्सी से गला घोंटकर जान से मारने की कोशिश की थी। गोटा को सांस लेने में तकलीफ हो रही थी। जगदलपुर स्थित मेडिकल कॉलेज डिमरापाल में उनका इलाज चल रहा था। लेकिन स्थिति की गंभीरता को देखते हुए उन्हें दिल्ली रेफर कर दिया गया है।

एयर एंबुलेंस मंगलवार को ही जगदलपुर पहुंच गई थी। लेकिन मौसम की खराबी के चलते उड़ान नहीं भर सकी। बुधवार की सुबह उन्हें दिल्ली भेज दिया गया हैं। बता दें कि पूर्व सरपंच व भाजयुमो नेता महेश गोटा का नक्सलियों ने उस वक्त अपहरण कर लिया था जब हर साल की तरह इस साल भी वे ग्रामीणों के साथ दामाराम के चिकटराज पहाड़ी में पूजा करने गए थे।

यहां से नक्सलियों ने 50 से ज्यादा ग्रामीणों का अपहरण कर लिया था। जिन्हें पूछताछ के बाद छोड़ दिया गया। लेकिन महेश गोटा को नक्सली बंधक बनाकर अपने साथ ले गए। नक्सलियों ने सोमवार की रात गोटा को सोमनपल्ली के पास गंभीर रूप से घायल कर छोड़ गए थे। परिजनों ने उन्हें बीजापुर अस्पताल पहुंचाया। यहां से उन्हें जगदलपुर लाया गया। लेकिन उनकी हालत को देखते हुए उन्हें बुधवार को एयर एंबुलेंस से दिल्ली रेफर कर दिया गया हैं।

छत्तीसगढ़ प्रमुख समाचार

सुर्खियों में हैं भानुप्रतापपुर सीट से दावेदार बल्दुराम नरेटी

कांकेर। छत्तीसगढ़ में चुनावी शंखनाद हो चुका है। दावेदार अपनी दावेदारी के लिए पार्टी में आवेदन कर रहे है। कांग्रेस पार्टी ने दावेदारों को ब्लॉक अध्यक्षों को अपनी दावेदारी के लिए आवेदन करने के लिए बोला है। इन दावेदारों में कांकेर जिले की भानुप्रतापपुर विधानसभा सीट से एक दावेदार की खूब चर्चा हो रही है। जिसका कद इतना कम है कि अगर पार्टी उसे अपना उम्मीदवार बनाती है तो वह संभवत: प्रदेश के सबसे छोटे कद के उम्मीदवार होंगे। प्रदेश में विधानसभा के चुनाव होने है उम्मीदवार अपनी उमीदवारी प्रस्तुत कर रहे है। सत्ता में काबिज कांग्रेस पार्टी से जिले की तीनों विधानसभा सीटों में दावेदारों की सूची काफी लंबी है। कांग्रेस पार्टी से मंगलवार को दावेदारी प्रस्तुत करने का अंतिम दिन था। जिले की तीनों विधानसभा से कुल 58 आवेदन प्राप्त हुए है। जिसमें भानुप्रतापपुर विधानसभा सीट से 25 दावेदारों ने उम्मीदवार बनाने आवेदन किया है। इनमें एक नाम भानुप्रतापपुर विकासखंड के जलिनकसा निवासी बल्दु राम नरेटी का भी है। जिसकी इन दिन खूब चर्चा है।

कोल साइडिंग बंद कराने की मांग, कंवर ने खोला मोर्चा

कोरबा। ग्राम सरगबुंदिया में रेलवे स्टेशन के निकट संचालित हो रहे कोयला साइडिंग को बंद करने व भारी वाहनों का परिचालन रोकने की मांग को लेकर विधायक ननकी कंवर ने मोर्चा खोल दिया। स्टेशन जाकर समर्थकों के साथ धरना पर बैठ गए। सूचना मिलते ही पुलिस व प्रशासन हरकत में आ गया। बताया जा रहा है कि सरगबुदिंया स्टेशन के पास कोयला साइडिंग का संचालन लंबे अरसे से किया जा रहा है। साइडिंग में कोयला अनलोड करने काफी संख्या में रोजाना ट्रेलर व हाइवा आ रहे हैं। इससे मार्ग में भारी वाहनों का लोड बढ़ गया है। घटना को लेकर क्षेत्रवासियों में नाराजगी व्याप्त है। मंगलवार की शाम चार बजे एकाएक पूर्व गृहमंत्री व विधायक ननकीराम कंवर कोल साइडिंग सरगबुंदिया स्टेशन पहुंचे और धरने में बैठ गए। उन्होंने कहा कि जब तक साइडिंग बंद नहीं किया जाएगा, वह यहां से नहीं उठेंगे। कंवर के धरना में बैठते ही कोयला परिवहन के कार्य में लगे लोग भागने लगे। इस दौरान वाहनों को लेकर भाग रहे कुछ चालक को समर्थकों ने पकड़ा और मौके पर वाहन खड़ा करा दिया।

विद्युत ठेका कर्मी समायोजन नहीं करने पर करेंगे काम बंद

कोरबा। विद्युत कंपनी में कार्यरत ठेका कर्मचारियों ने विभाग में समायोजन को लेकर 25 अगस्त को काम बंद हड़ताल की चेतावनी दी है। कर्मियों ने कहा है कि समस्या का निदान नहीं किया जाता है तो उग्र आंदोलन कर पूरी तरह काम बंद किया जाएगा। विद्युत कंपनी के अंतर्गत वितरण, उत्पादन व पारेषण ट्रांसमिशन में कई कार्य ठेका पद्धति से संचालित किए जा रहे हैं। इन ठेकेदारों के अधीन के काफी संख्या में कर्मचारी कार्यरत हैं। जो संयंत्र के अंदर, सहायक सब स्टेशन आपरेटर, फ्यूज आफ काल, एई मेंटनेंस, कंप्यूटर आपरेटर, ड्राइवर, गार्ड व चपरासी जैसे पद पर कार्यरत हैं। इन कर्मियों का कहना है कि पहले भी धरना प्रदर्शन और एक दिवसीय कामबंद हड़ताल के माध्यम से अपनी एक सूत्रीय मांग विभाग में समायोजन को लेकर ज्ञापन सौंपा था। इसके बाद ऊर्जा विभाग के मंत्री से भी चर्चा हुई, बावजूद अभी तक कोई सकारात्मक पहल नहीं हुई। इसकी वजह से सभी कर्मचारी अनिश्चितकालीन काम बंद हड़ताल के लिए विवश है।

इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीन सचल वाहन के माध्यम से मतदाताओं को जागरूक करेंगे

कांकेर। इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीनों से मतदान की प्रक्रिया के संबंध में मतदाताओं को जागरूक करने के लिए जिला निर्वाचन कार्यालय कांकेर द्वारा शेड्यूल जारी किया गया है। जिले के तीनों विधानसभा क्षेत्र भानुप्रतापपुर, कांकेर, अंतागढ़ में 07 सचल वाहनों के माध्यम से प्रचार-प्रसार किया जा रहा है, अब तक जिले के 727 मतदान केन्द्रों में से 382 मतदान केन्द्रों तक सचल वाहन पहुंचकर 45 हजार 242 मतदाताओं से मॉक पोल कराया गया है एवं 46 हजार 126 मतदाताओं के समक्ष इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मषीनों का प्रदर्षन किया जा चुका है। सचल वाहनों के माध्यम से गांव-गांव तथा बड़े हाट-बाजारों और स्कूल, कॉलेजों में इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मषीन से मतदान करने के संबंध में मतदाताओं को जागरूक किया जा रहा है। इसके साथ ही इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मषीन से निष्पक्ष एवं कुशलता पूर्वक मतदान संपन्न होने के बारे में भी सचल वाहन के माध्यम से लोगों को जानकारी दी जा रही है।

विधायक ने विकासखंड स्तरीय छत्तीसगढिया ओलंपिक का शुभारंभ किया

नगरी। सिहावा विधायक डॉ लक्ष्मी ध्रुव ने विकासखंड स्तरीय छत्तीसगढिया ओलंपिक छिपली में पहुंच कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। जहां से विधायक विधानसभा के ग्रामों का दौरा कर कई जगह विकास कार्यों का भूमिपूजन कर ग्रामीणों को सौगात दी इस अवसर पर बड़ी संख्या मे ग्रामीण व कांग्रेसी कार्यकर्ता उपस्थित थे। छत्तीसगढिया ओलंपिक कार्यक्रम को संचालन करते हुए विधायक ने कहा की आज हमारे छत्तीसगढ की परंपरा विलुप्त हो रही थी जिसे हमारे मुखिया भूपेश बघेल ने छत्तीसगढ खेलो को प्राथमिकता देते खेल को फिर से चालू कराया जहा आज हर गांव गांव मे वापस अपने खेल के प्रारंभ होते ही ग्रामीण भी इस खेल मे हिस्सा लेकर इस खेल से जुड रहे व आज नये युवा परंपरा को भूल रहे थे जिसे अब अपने जीवन मे छत्तीसगढ़ी खेल को अपने जीवन का हिस्सा बना रहे जहा आज खेल से युवाओं का स्वास्थ्य व शरीर भी मजबूत हो रहा।

मुख्य न्यायाधीश ने रायगढ़ और सक्ती न्यायालय का किया निरीक्षण

रायगढ़। छत्तीसगढ़ उच्च न्यायालय, बिलासपुर के मुख्य न्यायाधीश श्री रमेश सिन्हा हाईकोर्ट के मामलों की सुनवाई पश्चात् मंगलवार को औचक निरीक्षण हेतु रायगढ़ पहुंचे। रायगढ़ जाते समय उनके द्वारा सक्ती न्यायालय का भी निरीक्षण किया गया।

उल्लेखनीय है कि सक्ती में अतिरिक्त जिला एवं सत्र न्यायाधीश व व्यवहार न्यायाधीशों के न्यायालय हैं। निरीक्षण के समय न्यायालयों में प्रकरणों की सुनवाई चल रही थी तथा कर्मचारी कार्य कर रहे थे। सक्ती न्यायालय में पार्किंग व्यवस्था अत्यन्त खराब पायी गयी। अधिवक्ताओं के बैठने हेतु कोई उचित व्यवस्था नहीं थी। न्यायालय के बरामदे में फर्नीचर जीर्ण-शीर्ण हालत में व अस्त-व्यस्त रखे हुये थे। बरामदे में बिजली के तार भी खुली हालत में अव्यवस्थित तरीके से दिखाई दे रहे थे।

न्यायालय में साफ-सफाई भी नही थी। बरामदे में रखी कियोस्क मशीन बंद थी तथा उसमें धूल लगी हुयी थी। न्यायालय की अधोसंरचना न्यायालय की गरिमा के अनुरूप नहीं थी। उक्त अव्यवस्था को देखकर मुख्य न्यायाधीश ने नाराजगी जाहिर की तथा सुधार हेतु आवश्यक दिशा-निर्देश दिये। मुख्य न्यायाधीश ने अधिवक्ताओं से भी मुलाकात की तथा उनसे उनकी समस्याएं जानी।

इसके उपरांत मुख्य न्यायाधीश द्वारा जिला न्यायालय रायगढ़ का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के समय न्यायिक अधिकारी न्यायालयों में पीठासीन थे तथा प्रकरणों की सुनवाई चल रही थी। उन्होंने जिला न्यायालय के लगभग समस्त कक्षों का निरीक्षण किया। रिकार्ड रूम में प्रकरणों को उचित व्यवस्थित रूप से रखने हेतु जिला एवं सत्र न्यायाधीश, रायगढ़ को निर्देशित किया गया। वाटर फिल्टर व उसके आस-पास सफाई हेतु भी निर्देशित किया गया। इसके उपरांत वह अधिवक्ताओं से मिले। अधिवक्ताओं ने फूल-माला से उनका सम्मान किया। अधिवक्ताओं ने मुख्य न्यायाधीश से उद्बोधन हेतु आग्रह किया जिस पर उन्होंने उपस्थित अधिवक्ताओं के समक्ष उद्बोधन दिया। तदुपरांत उन्होंने न्यायिक अधिकारियों के साथ बैठक भी ली तथा आवश्यक निर्देश दिये।

रायगढ़ से वापसी के समय बाराद्वार रेस्ट हाउस में सक्ती की कलेक्टर सुश्री नुपूर राशि पन्ना तथा एसपी श्री एम.आर. अहिरे ने मुख्य न्यायाधीश से मुलाकात की। मुख्य न्यायाधीश द्वारा उन्हें सक्ती न्यायालय की अधोसरंचना को न्यायालय की गरिमा के अनुरूप बनाये जाने हेतु निर्देशित किया गया। औचक निरीक्षण में मुख्य न्यायाधीश के साथ रजिस्ट्रार जनरल श्री अरविन्द कुमार वर्मा तथा एडिशनल रजिस्ट्रार कम पीपीएस श्री एम.वी.एल.एन सुब्रहमन्यम भी उपस्थित रहे।

अमित जोगी ने सरकार पर बोला हमला, कहा- कांग्रेस सरकार धोखा देने वाली सरकार है

गौरेला पेंड्रा मरवाही। छत्तीसगढ़ जनता कांग्रेस (जोगी) के प्रदेश अध्यक्ष अमित जोगी के नेतृत्व में पार्टी के कार्यकर्ताओं ने मरवाही में जंगी प्रदर्शन करते हुए प्रशासन के खिलाफ धरना प्रदर्शन करते हुए एसडीएम कार्यालय का घेराव किया। उन्होंने स्थानीय प्रशासन को राज्यपाल के नाम ज्ञापन सौंपा है।

जन विरोधी सरकार की नीतियों और मरवाही में व्याप्त भ्रष्टाचार के खिलाफ जेसीसी पार्टी ने एक दिवसीय धरना प्रदर्शन व एसडीएम कार्यालय का घेराव किया। इसमें जेसीसीजे पार्टी के प्रदेशाध्यक्ष अमित जोगी सहित भारी संख्या में कार्यकर्ता शामिल हुए। मरवाही के दुर्गा पांडाल में आयोजित विशाल सभा को संबोधित करते हुए अमित जोगी ने प्रदेश की कांग्रेस सरकार पर जमकर हमला बोला और कांग्रेस सरकार को धोखा देने वाली सरकार बताया।

वहीं, सभा के बाद अमित जोगी अपने सैकड़ों कार्यकर्ताओं के साथ शांतिपूर्ण ढंग से मरवाही थाना परिसर पहुंचे और मरवाही तहसीलदार को ज्ञापन सौंपा। मरवाही विधानसभा क्षेत्र से जेसीसीजे पार्टी के उम्मीदवार को लेकर कहा कि अभी पार्टी भाजपा और कांग्रेस पार्टी के द्वारा किन-किन लोगों को टिकट देती है, उसको देखने के बाद जेसीसीजे से पार्टी अपना प्रत्याशी मैदान में उतारेंगे।

राष्ट्रीय/अंतरराष्ट्रीय
प्रमुख समाचार

बसपा 2024 लोकसभा चुनाव में अकेले उतरेगी : मायावती

लखनऊ। उत्तर प्रदेश की पूर्व मुख्यमंत्री मायावती के नेतृत्व वाली बहुजन समाज पार्टी ने अगले साल अपने दम पर लोकसभा चुनाव लड़ने का फैसला किया है। यह घोषणा इस साल के अंत में विभिन्न राज्यों में होने वाले विधानसभा चुनाव लड़ने के निर्णय के एक महीने बाद आई। एक बयान में, बसपा ने कहा, आगामी लोकसभा आम चुनाव अकेले लड़ने के लिए, बसपा हर गांव में अपने कैडर को मजबूत करेगी और समाज में जन संपर्क बढ़ाएगी। पार्टी के वरिष्ठ सदस्यों के साथ बैठक में, मायावती ने प्रगति की समीक्षा की। पार्टी कार्यकर्ताओं को पिछले निर्देशों पर लोकसभा चुनाव के लिए उम्मीदवारों का सावधानीपूर्वक चयन करने के निर्देश भी जारी किए गए थे। पिछले गठबंधनों के बारे में बोलते हुए, पार्टी ने कहा कि उसके वोट उसके सहयोगियों को स्थानांतरित हो गए लेकिन उसके सहयोगियों के पास बसपा के लिए ऐसा करने का इरादा या क्षमता नहीं थी।

असम के मुख्यमंत्री ने कांग्रेस मुक्त भारत बनाने पर दिया जोर

नई दिल्ली। असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और पार्टी अध्यक्ष जेपी नड्डा ने यह स्पष्ट कर दिया है कि पुराना और नया जैसा कुछ भी नहीं है। पार्टी में कोई भी शामिल हो सकता है। उन्होंने कहा कि अगर भारत को कांग्रेस-मुक्त करना चाहते हो तो सिर्फ मिस्ड कॉल दीजिए। उन्होंने मंगलवार को असम में भाजपा के कुछ पुराने नेताओं और हाल के दिनों में पार्टी में शामिल हुए लोगों के बीच खींचतान के बीच यह टिप्पणी की। सरमा ने दावा किया कि वह खुद, उनके पूर्ववर्ती सर्बानंद सोनोवाल, मणिपुर के मुख्यमंत्री एन बीरेन सिंह, अरुणाचल प्रदेश के मुख्यमंत्री पेमा खांडू, पश्चिम बंगाल विधानसभा में विपक्ष के नेता सुवेंदु अधिकारी और कर्नाटक के पूर्व मुख्यमंत्री बसवराज बोम्मई तथाकथित नई भाजपा के लोग हैं। अगर भाजपा पुरानी या नई भाजपा की तर्ज पर विश्वास करती तो बीरेन सिंह, पेमा खांडू या बसवराज बोम्मई मुख्यमंत्री नहीं बन पाते, या सुवेंदु अधिकारी विपक्ष के नेता नहीं बन पाते।

नफरती भाषण मामले में आजम खां को राहत

नयी दिल्ली। उच्चतम न्यायालय ने निचली अदालत के उस आदेश पर बुधवार को अंतरिम रोक लगा दी, जिसके तहत समाजवादी पार्टी (सपा) के नेता आजम खां को 2007 में बसपा की अध्यक्ष मायावती के खिलाफ कथित तौर पर नफरत भरा भाषण देने और अपमानजनक भाषा का इस्तेमाल करने के मामले में आवाज का नमूना देने का निर्देश दिया गया था। आजम की आवाज का नमूना 2007 में रामपुर के टांडा इलाके में एक जनसभा में उनके द्वारा दिए गए भाषण से मिलान के लिए मांगा गया था। इस भाषण को एक सीडी में रिकॉर्ड किया गया था। न्यायमूर्ति ए एस बोपन्ना और न्यायमूर्ति पी के मिश्रा की पीठ ने इस मामले में आजम की ओर से दायर याचिका पर उत्तर प्रदेश सरकार और शिकायतकर्ता को नोटिस जारी किया। इस बीच, निचली अदालत के 29 अक्टूबर 2022 के उस आदेश पर अंतरिम रोक रहेगी, जिसे उच्च न्यायालय ने 25 जुलाई 2023 को बरकरार रखा था।

जी20 सम्मेलन: दिल्ली में 8 से 10 सितंबर तक अवकाश

नईदिल्ली। दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने जी20 शिखर सम्मेलन के मद्देनजर दिल्ली में 8 से 10 सितंबर तक सार्वजनिक अवकाश घोषित करने के प्रस्ताव को मंजूरी दे दी है। इन तारीखों पर एमसीडी कार्यालयों सहित सभी स्कूल, सरकारी कार्यालय बंद रहेंगे। सभी स्कूल, शहर सरकार और दिल्ली नगर निगम के कार्यालय और निजी कार्यालय अब तीन दिनों के दौरान बंद रहेंगे। मुख्यमंत्री द्वारा अनुमोदित प्रस्ताव के अनुसार, नई दिल्ली पुलिस जिले के अधिकार क्षेत्र में स्थित बैंकों और वित्तीय संस्थानों सहित सभी वाणिज्यिक और व्यावसायिक प्रतिष्ठान भी 8 से 10 सितंबर तक बंद रहेंगे। एक अधिकारी ने बताया, पुलिस प्रस्ताव पर फाइल मुख्य सचिव नरेश कुमार ने मंजूरी के लिए दिल्ली के मुख्यमंत्री के पास भेज दी है। मुख्यमंत्री की मंजूरी के बाद इसे एलजी की मंजूरी के लिए भेजा जाएगा। पुलिस सूत्रों ने बताया कि सुरक्षा कारणों से सुप्रीम कोर्ट और केंद्रीय सचिवालय समेत कुछ मेट्रो स्टेशन भी बंद किए जाने की संभावना है।

भाजपा के खिलाफ विपक्ष को मजबूत करने में जुटा सीपीएम

अगरतला। त्रिपुरा के सिपाहीजला जिले के दो विधानसभा क्षेत्रों में पांच सितंबर को होने वाले उपचुनाव से पहले सीपीआई(एम) के राज्य सचिव जितेंद्र चौधरी भाजपा विरोधी वोटों को मजबूत करने की कोशिश में जुट चुके हैं। उन्होंने मुख्य विपक्षी दल टिपरा मोथा और कांग्रेस के साथ एक और बैठक की। माकपा के एक वरिष्ठ ने इस बात की जानकारी दी है। मंगलवार रात को हुए इस बैठक का कोई ठोस नतीजा सामने नहीं आ पाया है, क्योंकि अभी तक टिपरा मोथा और कांग्रेस ने बोक्सानगर और धनपुर में माकपा समर्थकों के लिए अपने समर्थन की पुष्टि नहीं की है। पार्टी के वरिष्ठ नेता ने कहा, मैंने भाजपा विरोधी मतों के विभाजन को रोकने के लिए विपक्ष के नेता अनिमेष देबबर्मा और कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष आशीष कुमार साहा के साथ बैठक की। उन्होंने हमें मदद करने का आश्वासन दिया है, लेकिन अंतिम निर्णय अगले 48 घंटों के भीतर किया जाएगा।

जी20 और ब्रिक्स जैसे सम्मेलनों का चुनावों में कितना होगा असर

नईदिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ब्रिक्स सम्मेलन में भाग लेने के लिए दक्षिण अफ्रीका के दौरे पर हैं। तो वहीं भारत जी-20 की अध्यक्षता कर रहा है और सितंबर में 20 आर्थिक शक्ति वाले देश के प्रमुख नेता इस महासम्मेलन में शामिल होने के लिए नई दिल्ली पहुंचेंगे। कहीं ना कहीं देश की सत्तारूढ़ भाजपा आगामी 2024 लोकसभा चुनाव के हिसाब से इन सम्मेलनों को भुनाने में जुटी हुई है। भाजपा की ओर से इसे विश्व में बढ़ते भारत के कद के रूप में वर्णित किया जा रहा है। भगवा पार्टी का दावा है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के कुशल नेतृत्व में भारत की विदेश नीति मजबूत हुई है और जो भारत पहले दूसरे देशों की बात सुनता था, आज उसी भारत की बात को बड़े-बड़े देश ध्यान से सुनते हैं।

भाजपा की ओर से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को विश्व गुरु के तौर पर पेश किया जा रहा है। दावा किया जा रहा है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के ही कुशल नेतृत्व में भारत को जी-20 की मेजबानी मिली। यह कहीं ना कहीं भारत के बढ़ते कद को दिखाता है। वैश्विक स्तर पर भारत की रणनीतिक जीत हुई है। भारत जी20 में अमेरिका, चीन, रूस, फ्रांस, जर्मनी और ब्रिटेन जैसे देशों की मेजबानी करेगा। इससे वैश्विक स्तर पर भारत की छवि बदलेगी और यह सभी चीजें प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में हुई हैं। पिछले दिनों खबर आई थी कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भाजपा नेताओं से सुनिश्चित करने का आग्रह किया है कि जी-20 शिखर सम्मेलन के लिए भारत की अध्यक्षता पर एक समावेशी कार्यक्रम बनाया जाए क्योंकि यह देश की संस्कृति और विविधता को प्रदर्शित करने का एक बड़ा अवसर है। भाजपा इस पूरे मौके को इस तरीके से बनाने में जुटी है ताकि उसे आगामी चुनाव में फायदा मिल सके।

भारत की मेजबानी में हो रहे जी-20 सम्मेलन को भाजपा एक उपलब्धि के तौर पर पेश कर रही है। जब जी-20 के लिए लोगो जारी किया गया था तब भी बवाल हुआ था क्योंकि इसमें कमल का आकार दिया गया। कमल भाजपा का चुनाव चिन्ह है। वर्तमान में देखे जाएं तो जी-20 की बैठक देश के कई शहरों में आयोजित की गईं।

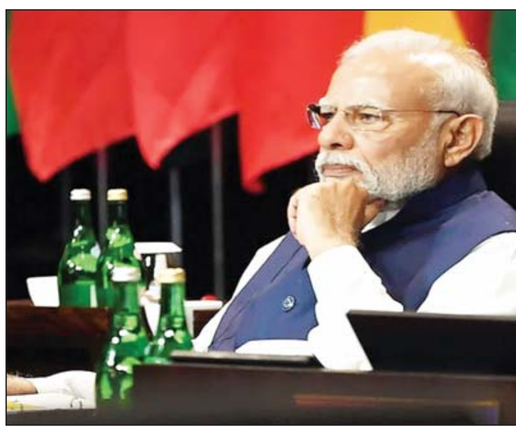

इसके जरिए भारत की संस्कृति का प्रदर्शन भी हुआ। वैश्विक नेताओं की ओर से भारत की सराहना भी की गई। भाजपा इसे मोदी सरकार की उपलब्धि के तौर पर पेश करेगी। जी-20 की बैठकों में भारत ने लगातार ग्लोबल साउथ की बात की है। भारत ने उन देशों का मुद्दा उठाया है जिनकी कोई नहीं सुनता। ऐसे में भाजपा इसे मोदी सरकार की रणनीति जीत के तौर पर पेश करेगी।

वहीं, अगर बात ब्रिक्स की करें तो कहीं ना कहीं इसमें भी भारत का बढ़ता हुआ कद दिखाई देता है। ब्रिक्स में चीन, रूस, दक्षिण अफ्रीका, ब्राजील और भारत सदस्य हैं। वर्तमान में देखें तो वैश्विक स्तर पर भारत का दबदबा देखने को मिला है। ब्रिक्स को भाजपा की ओर से ऐसे मंच के रूप में पेश किया जाएगा जिससे कि लोगों को लगे कि वाकई में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर मजबूती मिली है। इसके जरिए भाजपा विभिन्न वर्गों को अपने पक्ष में करने की कोशिश करेगी।

कांग्रेस का विरोध

कांग्रेस लगातार भाजपा पर जी20 और ब्रिक्स जैसी अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलनों के जरिए चुनावी लाभ उठाने का आरोप लगाती रहती है। कांग्रेस की ओर से इसे साफ तौर पर प्रचार बताया जाता है। कांग्रेस ने आरोप लगाया कि जनता का ध्यान भटकाने के लिए प्रधानमंत्री इवेंट मैनेजमेंट ही कर रहे हैं। इसको लेकर कांग्रेस के वरिष्ठ नेता और पार्टी महासचिव जयराम रमेश ने लंबा-चौड़ा ट्वीट किया है। अपने ट्वीट में जयराम रमेश ने लिखा कि त्र20 का गठन 1999 में हुआ था। 19 देश और यूरोपीयन यूनियन इसके सदस्य हैं। इसके गठन से लेकर अब तक बारी-बारी से 17 देशों में त्र20 शिखर सम्मेलन आयोजित हुआ है। अब भारत का नंबर है। उन्होंने कहा कि यहां इसे लेकर जिस तरह का चुनावी कैंपेन चलाया जा रहा है और माहौल बनाने की कोशिश की जा रही है, वैसा किसी भी दूसरे देश में नहीं हुआ। वास्तव में ऐसा इसलिए किया जा रहा है ताकि लोगों के ज़रूरी मुद्दों से ध्यान भटकाया जा सके। उन्होंने कहा कि हमें याद रखना चाहिए कि इसी नई दिल्ली में 1983 में 100 से अधिक देशों का गुटनिरपेक्ष शिखर सम्मेलन और उसके बाद कॉमनवेल्थ देशों का शिखर सम्मेलन सफलतापूर्वक आयोजित हो चुका है। लेकिन तब की सरकार ने चुनावी फ़ायदे के लिए उन मौकों का इस्तेमाल नहीं किया। जयराम रमेश ने कहा कि फिर मुझे लालकृष्ण आडवाणी की वह बात याद आ रही है। 5 अप्रैल 2014 को उन्होंने नरेंद्र मोदी को एक शानदार इवेंट मैनेजर बताया था। उन्होंने आरोप लगाया कि जनता का ध्यान भटकाने के लिए प्रधानमंत्री इवेंट मैनेजमेंट ही कर रहे हैं।

कुल मिलाकर देखें तो जी20 जैसे सम्मेलन अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भारत की बढ़ती ताकत का प्रतीक है। लेकिन इसमें हर एक भारतीय का योगदान है। ऐसे मसले पर राजनीति ना हो तो ठीक है। किसी की ओर से चाहे जो भी मुद्दा बनाया जाए, लेकिन जनता सब कुछ देख कर और सोच समझ कर ही अपना फैसला लेती है। जनता को भी सब कुछ पता रहता है कि कब क्या हुआ और किसके जरिए किस मौके पर किसने चुनावी लाभ उठाया। यही तो प्रजातंत्र है।

केंद्र पर 18 राज्यों, केंद्र शासित प्रदेशों का मनरेगा मजदूरी का करोड़ों बकाया : कांग्रेस

नई दिल्ली। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने बुधवार को एक बार फिर मोदी सरकार पर निशाना साधा। बुधवार को दावा किया कि बजट में एक तिहाई कटौती के बाद भी मोदी सरकार पर अभी भी देश के 18 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में मनरेगा मजदूरी का 6,366 करोड़ रुपये बकाया है।

18 साल पहले की थी शुरुआत

उन्होंने 18 साल पहले कांग्रेस द्वारा शुरू किए गए प्रमुख ग्रामीण रोजगार गारंटी कार्यक्रम मनरेगा की भी सराहना की। कहा कि साल 2005 में आज के दिन हमारी कांग्रेस-यूपीए सरकार ने करोड़ों लोगों को काम का अधिकार सुनिश्चित करने के लिए मनरेगा लागू किया था।

सरकार लगातार कर रही कटौती

खरगे ने सोशल मीडिया पर कहा कि मोदी सरकार द्वारा इस साल मनरेगा के बजट में 33 फीसदी की कटौती की गई है। साथ ही वर्तमान सरकार पर 18 राज्यों व केंद्र शासित प्रदेशों पर मनरेगा मजदूरी का 6,366 करोड़ रुपये बकाया है। फिर भी कांग्रेस द्वारा शुरू की गई यह योजना करीब

14.42 करोड़ मजदूरों के लिए महत्वपूर्ण है। इनमें से आधे से अधिक महिलाएं हैं।

महामारी में बनी जीवनरक्षक

कांग्रेस अध्यक्ष ने कहा कि कोरोना महामारी के कारण जब लॉकडाउन लगा था, तब मनरेगा श्रमिकों के लिए जीवनरक्षक बना। मनरेगा ने महामारी के दौरान 80 प्रतिशत आय हानि की भरपाई की और लोगों को कठिन समय में अपनी आजीविका बनाए रखने में मदद करने में सकारात्मक भूमिका निभाई। उन्होंने कहा कि आज के ही दिन मनमोहन सिंह के नेतृत्व में मनरेगा पारित किया गया था।

28 राज्यों और केन्द्र शासित प्रदेश में राकांपा भेजेगी पर्यवेक्षक

मुंबई। एनसीपी के राष्ट्रीय प्रवक्ता और सचिव ब्रजमोहन श्रीवास्तव ने कहा कि राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी देश के 28 राज्यों और 9 केन्द्र शासित राज्यों में पार्टी के पर्यवेक्षकों को भेजने का फ़ैसला लिया है। उन्होंने बताया कि पार्टी के नई दिल्ली स्थित राष्ट्रीय केन्द्रीय कार्यालय में कार्यकारी अध्यक्ष प्रफुल्ल पटेल को पार्टी के स्थाई सचिव एसआर कोहली ने प्रथम चरण में हरियाणा व बिहार से मिली जानकारी से अवगत कराया। कुछ माह पहले ही बिहार व हरियाणा में राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी के प्रदेशाध्यक्षों की नियुक्ति की थी। लेकिन स्थानीय पार्टी कार्यकर्ताओं के अनुरोध पर आम सहमति होने तक इस फैसले को रोका दिया गया था। सभी लोगों की सहमति प्राप्त होने के बाद की गई नियुक्तियों को तत्काल प्रभाव से लागू करने का फ़ैसला लिया गया है। श्रीवास्तव ने बताया कि बिहार में राहत क़ादरी व हरियाणा में विजय पाल प्रदेश अध्यक्षों के रूप में काम करेंगे। राकांपा के कार्यकारी अध्यक्ष प्रफुल्ल पटेल ने पार्टी को मज़बूत बनाने के लिये नव नियुक्त अध्यक्षों के साथ- साथ कार्यकर्ताओं को एकजुट हो कर पार्टी संगठन को मज़बूत करने के लिये काम करने को कहा है। उन्होंने आगे कहा कि आज हम सब की ज़िम्मेदारी है कि हम अजीत पवार की अध्यक्षता में पार्टी को राष्ट्रीय दर्जा दिलाने के लिये पूरी शक्ति से जुट जाये मगर यह तब ही सम्भव होगा। जब राकांपा से जुड़ा प्रत्येक व्यक्ति एकजुट होकर काम करें और पार्टी के उम्मीदवारों को विजयी बनाये। श्रीवास्तव ने जानकारी देते हुये बताया कि पार्टी नेतृत्व को एनडीए के सहयोगी दल में शामिल होने के बाद से पूरे देश से लगातार पदाधिकारियों व कार्यकर्ताओं का समर्थन मिल रहा है।

खेल
प्रमुख समाचार

अमेरिका की शाकेरी ने रिकॉर्ड के साथ जीती 100 मीटर की रेस

बुडापेस्ट। अमेरिका की 23 साल की शाकेरी रिचर्ड्सन ने विश्व एथलेटिक्स चैंपियनशिप में महिलाओं की 100 मीटर की रेस अपने नाम की। रिचर्ड्सन ने 10.65 सेकंड के चैंपियनशिप रिकॉर्ड के साथ जमैका की शेरिका जैक्सन (10.72) को पछाड़ा। वहीं, 36 साल की उम्र में फर्राटा रेस का छठा खिताब जीतने की दावेदार गत चैंपियन जमैका की शैली एन फ्रेजर प्रायस (10.77) को कांस्य पदक से संतोष करना पड़ा। नौवीं लेन में दौड़ीं शाकेरी ने शैली एन फ्रेजर के रिकॉर्ड को 0.02 सेकंड के साथ सुधारा। वह 80 मीटर तक पिछड़ रही थी लेकिन अंतिम 20 मीटर में जैक्सन और शैली को पछाड़ दिया।

जमैका की शैली एन फ्रेजर प्रायस विश्व चैंपियनशिप में 100 मीटर के अपने खिताब की रक्षा तो नहीं कर पाईं लेकिन उन्होंने सर्वाधिक पदक जीतने में फर्राटा किंग उसेन बोल्ट का रिकॉर्ड जरूर तोड़ दिया। फ्रेजर प्रयास ने कांस्य पदक के साथ विश्व चैंपियनशिप में अपना 15वां पदक जीता। बोल्ट के नाम 14 पदक हैं जिसमें 11 स्वर्ण पदक हैं। 36 साल की प्रायस के खाते में दस स्वर्ण पदक हैं जिसमें 100 मीटर में पांच स्वर्ण और चार रजत पदक हैं। विश्व चैंपियनशिप में पहली बार उन्हें कांस्य पदक मिला है। सर्वाधिक पदक अमेरिका के दिग्गज एलिसन फेलिक्स (20) के नाम हैं। अगर प्रायस चार गुणा 100 मीटर रिले में जमैका की नुमाइंदगी करती हैं तो उनके पास इस विश्व चैंपियनशिप में एक और पदक जीतने का मौका है। शाकेरी रिचर्ड्सन अपनी सफलता का श्रेय परिवार को देती हैं। उन्होंने 2017 में जूनियर चैंपियनशिप में यूएसए ट्रैक एंड फील्ड चैंपियनशिप जीती और उसके बाद अंडर-20 पैन अमेरिकन खेलों में रिले में जीते स्वर्ण में भागीदारी की। 2019 में एनसीएए में अंडर-20 में तीस वर्ष पुराने 100 मीटर के रिकॉर्ड को तोड़ा।

आर्थिक/वाणिज्य/विज्ञान/
प्रमुख समाचार

शेयर बाजार में तीसरे दिन भी तेजी, सेंसेक्स 213 अंक चढ़ा

नईदिल्ली। घरेलू शेयर बाजारों में बुधवार को लगातार तीसरे कारोबारी सत्र में तेजी का सिलसिला जारी रहा। बैंक शेयरों में लिवाली और यूरोपीय शेयर बाजारों में शुरुआती बढ़त से बीएसई सेंसेक्स 213 अंक चढ़ गया, जबकि एनएसई निफ्टी 19,400 अंक के पार पहुंच गया। तीस शेयरों पर आधारित बीएसई सेंसेक्स 213.27 अंक यानी 0.33 प्रतिशत की तेजी के साथ 65,433.30 अंक पर बंद हुआ। कारोबार के दौरान एक समय यह 284.68 अंक तक चढ़ गया था। नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी भी 47.55 अंक यानी 0.25 प्रतिशत के लाभ के साथ 19,444 अंक पर बंद हुआ। सेंसेक्स के शेयरों में आईसीआईसीआई बैंक, भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई), लार्सन एंड टुब्रो, मारुति, टाटा स्टील, कोटक महिंद्रा बैंक, बजाज फाइनेंस, नेस्ले, पावर ग्रिड और एचडीएफसी बैंक प्रमुख रूप से लाभ में रहे।

अदाणी समूह का पहली तिमाही में बेहतर प्रदर्शन

नईदिल्ली। गौतम अदाणी समूह का चालू वित्त वर्ष की पहली (अप्रैल-जून) तिमाही का कर-पूर्व लाभ सालाना आधार पर 42 प्रतिशत बढ़ा है। समूह ने बुधवार को यह जानकारी देते हुए कहा कि उसके हवाई अड्डे से लेकर बिजली और समुद्री बंदरगाह क्षेत्रों ने इस दौरान उल्लेखनीय वृद्धि दर्ज की है। अदाणी समूह ने बयान में कहा कि अप्रैल-जून तिमाही में उसने 23,532 करोड़ रुपये का कर-पूर्व लाभ दर्ज किया। यह वित्त वर्ष 2018-19 में दर्ज 24,780 करोड़ रुपये के कर-पूर्व लाभ के लगभग बराबर है। समूह की 10 कंपनियां शेयर बाजारों में सूचीबद्ध हैं। इनमें अदाणी एंटरप्राइजेज लि., अदाणी पोर्ट्स एंड एसईजेड लि., अदाणी ग्रीन एनर्जी, अदाणी पावर लि., अदाणी एनर्जी सॉल्यूशंस और अदाणी टोटाल गैस शामिल हैं।

टीवीएस सप्लाई चेन बाजार में 5% के प्रीमियम पर हुआ लिस्ट

नईदिल्ली। टीवीएस सप्लाई चेन सॉल्यूशंस के शेयर बुधवार यानी 23 अगस्त को शेयर बाजार में लिस्ट हो गए। कंपनी के शेयर बीएसई पर 206.3 रुपये पर सूचीबद्ध हुए, जो कि इसके आईपीओ के प्राइज रेंज के अपर एन्ड से 9.3 रुपये या 4.7 प्रतिशत ज्यादा है। नेशनल स्टॉक एक्सचेंज के एनएसई पर टीवीएस सप्लाई चेन का स्टॉक 10.1 रुपये या 5.1 प्रतिशत के प्रीमियम के साथ 207.1 रुपये पर सूचीबद्ध हुआ। बता दें कि टीवीएस सप्लाई चेन सॉल्यूशन्स का इनिशियल पब्लिक ऑफर 10 अगस्त, 2023 को सब्सक्रिप्शन के लिए खुला था। आईपीओ को कुल मिलाकर 2.85 गुना सब्सक्राइब किया गया था। हालांकि, यह प्रतिक्रिया हाल में कुछ आईपीओ को मिली सब्सक्रिप्शन की तुलना में कम थी। वहीं, आज का कारोबार शुरू होने से पहले ग्रे मार्केट में टीवीएस सप्लाई चेन का शेयर 4 रुपये के प्रीमियम पर उपलब्ध था जबकि कंपनी का शेयर 4.7 प्रतिशत के प्रीमियम पर लिस्ट हुआ है।

जियो फाइनेंशियल सर्विसेज के शेयरों में 5 फीसदी का लगा लोअर सर्किट

नईदिल्ली। रिलायंस इंडस्ट्रीज से अलग हुई वित्तीय सेवा इकाई जियो फाइनेंशियल सर्विसेज लि. (जेएफएसएल) का शेयर बुधवार को लगातार तीसरे कारोबारी सत्र में अपने निचले सर्किट स्तर को छू गया। बीएसई पर कंपनी का शेयर पांच प्रतिशत के नुकसान से 227.25 रुपये पर आ गया। नेशनल स्टॉक एक्सचेंज पर कंपनी का शेयर पांच प्रतिशत के नुकसान से 224.65 रुपये पर कारोबार कर रहा था। लगातार तीसरे दिन एनएसई पर भी कंपनी के शेयर ने अपने निचले सर्किट को छुआ। जियो फाइनेंशियल सर्विसेज के शेयर सोमवार को शेयर बाजारों में सूचीबद्ध हुए थे। सोमवार और मंगलवार को भी कंपनी का शेयर पांच प्रतिशत टूटा था। जियो फाइनेंशियल सर्विसेज लि. पिछले महीने रिलायंस इंडस्ट्रीज से अलग हुई थी।

दुनिया को मुश्किल में डालेगी चीन की सुस्ती, घट रहा आयात-निर्यात

नीलकंठ मिश्र

चीन डिफ्लेशन में फंस गया है। लोग खर्च घटाने लगे हैं, इन्वेस्टमेंट कम होता जा रहा है और बेरोजगारी बढ़ रही है। हाल यह हो गया है कि चीन ने अब बेरोजगारी के आंकड़े देने बंद कर दिए हैं। डिमांड बढ़ाने के लिए चीन के केंद्रीय बैंक पीपल्स बैंक ऑफ चाइना ब्याज दर घटा रहा है। लेकिन इससे बात बनने की कोई उम्मीद नहीं दिख रही। यह दुनिया की अर्थव्यवस्था के लिए भी चिंता की बात है।

चीन में जुलाई के दौरान बैंक लोन ग्रोथ घटकर 14 साल के निचले स्तर पर चली गई। चीन का एक बड़ा प्रॉपर्टी डिवेलपर डिफॉल्ट के कगार पर पहुंच चुका है और एक लाख करोड़ युआन यानी 138 अरब डॉलर के एसेट अंडर मैनेजमेंट वाला वित्तीय संस्थान झोंग्झी एंटरप्राइज ग्रुप कंपनी अपने कई इन्वेस्टमेंट प्रोडक्ट्स पर पेमेंट नहीं कर पाया। इससे चीन की बैंकिंग इंडस्ट्री के गहरे संकट में फंसने का संकेत मिल रहा है। कई बैंकों ने चीन की इकनॉमिक ग्रोथ के अनुमान घटा दिए हैं। चीन ने इस साल 5 प्रतिशत ग्रोथ का टारगेट रखा है, लेकिन जेपी मॉर्गन चेज एंड कंपनी का कहना है कि 2023 में चीन 4.8 प्रतिशत ग्रोथ दर्ज करेगा, वहीं बार्कलेज ने ग्रोथ एस्टिमेट घटाकर 4.5 प्रतिशत कर दिया है।

यह पहला मौका नहीं है, जब चीन को इस तरह की गंभीर चुनौतियों का सामना करना पड़ रहा है। कई लोगों को लग सकता है कि पिछले 45 वर्षों में चीन ने लगातार तेज ग्रोथ दर्ज की है, लेकिन ऐसा है नहीं। लगभग हर दशक में ऐसा हुआ है कि पिछले रिफॉर्म्स का या तो असर घटने लगा या फिर उनकी वजह से ही दिक्कत आने लगी। तब पॉलिसी में बदलाव किए गए। 1978 में जो आर्थिक

सुधार किए गए, वे कल्चरल रिवॉल्यूशन से हुए आर्थिक नुकसान से उबरने के लिए किए गए। तब उद्यमों को बढ़ावा दिया गया। कृषि उपज भी बढ़ी, लेकिन प्राइस डीकंट्रोल के चलते इंफ्लेशन को हवा मिली।

साफ है कि समय-समय पर मुश्किलें उभरती रहीं और उनके मद्देनजर चीन अपनी पॉलिसी बदलता रहा। इकॉनमी की खराब हालत को देखते हुए आज भी मांग उठ रही है कि चीन पहले की तरह बड़े पैमाने पर सरकारी खजाने से राहत दे और केंद्रीय बैंक भी इसमें हाथ बंटाए। इससे परंपरागत तौर पर कर्ज के जरिए इन्फ्रास्ट्रक्चर और प्रॉपर्टी में होने वाली ग्रोथ रफ्तार पर आएगी। लेकिन शी चिनफिंग 'स्ट्रैटेजिक फोकस' पर टिके दिख रहे हैं। इस पॉलिसी का मतलब यह है कि चिनफिंग कर्ज से दबे प्रॉपर्टी सेक्टर में कर्ज घटाने के साथ एडवांस्ड टेक्नॉलजी के मामले में ग्लोबल लीडरशिप हासिल करने पर जोर दे रहे हैं। लेकिन जब ग्रोथ के इंजन सुस्त पड़ रहे हों, तो चीन इस पॉलिसी पर कितनी देर तक टिका रह सकेगा? एक बड़ी दिक्कत यह है कि उसका हाउसिंग मार्केट सुस्त होता जा रहा है, विदेशी मैन्युफैक्चरिंग कंपनियां चीन के अलावा दूसरे ठिकाने तलाश रही हैं। इंफ्रास्ट्रक्चर के नाम पर अनाप-शनाप कर्ज लेने के चलते प्रांतीय सरकारों पर बोझ बढ़ गया है। आबादी का बड़ा हिस्सा बुढ़ा रहा है। इसके चलते भी कंजम्पशन घट रहा है। हाउसिंग मार्केट का हाल खराब होने से इसमें निवेश करने वाले आम लोगों को बड़ा झटका लगा है।

हो सकता है चीन सरकार एक बार फिर पॉलिसी बदले, लेकिन ऐसा लगता नहीं कि समस्या आसानी से सुलझेगी। चीन में ग्रोथ रिबाउंड होने का चांस फिलहाल बहुत कम है। यह ग्लोबल इकॉनमी के लिए भी बुरी खबर है, खासतौर से चीन की अहमियत को देखते हुए। पिछले 10 वर्षों में ग्लोबल जीडीपी में 25 ट्रिलियन डॉलर का इजाफा हुआ। इसमें चीन का योगदान 40 प्रतिशत यानी 10 ट्रिलियन डॉलर का था। चीन दुनिया की सबसे बड़ी मैन्युफैक्चरिंग इकॉनमी है। वह गुड्स का सबसे बड़ा एक्सपोर्टर भी है। इसके साथ ही वह मेटल्स सहित कई कमोडिटी का सबसे बड़ा कंस्यूमर भी है। दुनिया में मेटल्स की जितनी खपत होती है, उसका लगभग आधा हिस्सा चीन कंज्यूम करता है। लिहाजा चीन में आर्थिक परेशानी दुनिया में डिमांड सप्लाई का संतुलन हिला सकती है।

भारत के पड़ोसी के साथ अमेरिका की नीति

अभिनय आकाश

जब कभी भी तीसरे विश्व युद्ध की बात होती है और कहा जाता है कि जब कभी भी वर्ल्ड वॉर 3 हुआ तो ये अमेरिका और चीन के बीच होगा। ये कोई चौंकाने वाली बात भी नहीं है। अमेरिका और चीन की प्रतिद्ववंदिता जग जाहिर है। हालांकि शीत युद्ध के दौर में दोनों देशों को राजनयिक संबंध बने तो वो काफी अच्छा शुरुआत के साथ हुए। इसके अलावा यूएनएससी में ताइवान से उसकी परमानेंट सीट वापस लेकर चीन को सौंप दी गई। अमेरिका चीन की अर्थव्यवस्था के फलने-फूलने और आगे बढ़ने में लगातार अपनी भूमिका निभाता रहा। धीरे-धीरे चीन ने खुद को वैश्विक अर्थव्यवस्था में तब्दील किया। वो देखते ही देखते दुनिया की दूसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन गया। इससे चीन की राजनीतिक मंशा और आर्थिक पात्रता आसमान छूने लगे। यही से चीन ने अमेरिका को डिप्लोमैटिक और सैन्य मानकों के जरिए चुनौती देना शुरू कर दिया। ये सब उस दौर में हो रहा था जब ग्लोबल फाइनेंशियल क्राइस अपने चरम पर थी। अमेरिका के अफगानिस्तान और इराक के युद्ध की वजह से दुनिया एकध्रुवीय आधिपत्य पर सवाल उठा रही थी। ऊपर से शी जिनपिंग के दौर में चीन की आक्रमकता और भी ज्यादा बढ़ी। वैश्विक पटल पर खुद को एक सुपरपावर के रूप में प्रजेंट करने का उसका सपना साफ नजर आने लगा। अब दोनों एक दूसरे को सबसे बड़ा प्रतिद्ववंदी मानने लगे हैं। वहीं तेजी से बदलते जियो पॉलिटिक्स के वर्तमान दौर में भारत और अमेरिका अहम रणनीतिक पार्टनर बन गए हैं। चीन की दादागिरी के खिलाफ हिंद प्रशांत क्षेत्र में दोनों देश कंधे से कंधा मिलाकर चल रहे हैं। अमेरिका और भारत दोनों ने ही खुद को दुनिया में सबसे करीबी पार्टनर घोषित किया है। पीएम मोदी की अमेरिका यात्रा के दौरान दोनों देशों ने ये ऐलान किया था। इस दौरान बाइडेन और पीएम मोदी दोनों ने समुद्री नौवहन में आ रही चुनौतियों को अंतरराष्ट्रीय कानून के मुताबिक दूर करने पर बल दिया था। चीन लगातार ताइवान पर हमले की धमकी दे रहा है जिसे अमेरिका से कानूनी सुरक्षा हासिल है। यही वजह है कि अमेरिका भारत का साथ चाहता है। भारत और अमेरिका की दोस्ती के बीच एशिया में तनाव के बादल नजर आ रहे हैं। दोनों देशों के बीच विवाद की वजह बना है भारत का पड़ोसी देश बांग्लादेश। बांग्लादेश में चुनाव होने वाले हैं और उसको लेकर अमेरिका की भूमिका पर भारत ने नाराजगी जताई है। भारत से साफ कहा है कि अमेरिका ने बांग्लादेश में शेख हसीना सरकार को अस्थिर करने के लिए जो भी कदम उठाएं हैं वो भारत की सुरक्षा के लिए हितकारी नहीं है। बांग्लादेश को अमेरिका द्वारा थोपे गए राजनीतिक संकट से उबारने के लिए भारत पर दबाव बढ़ रहा है। मीडिया रिपोर्ट में कहा जा रहा है कि शेख हसीना के राजनीतिक विरोधियों, विशेष रूप से इस्लामी कट्टरपंथी संगठनों को प्रोत्साहित किया जा रहा है। जनवरी 2024 में संसदीय चुनाव निर्धारित हैं। भारत विरोधी भावनाओं और बदलती वफादारी से भरे पड़ोस में शेख हसीना सरकार शायद भारत की सबसे करीबी और एकमात्र विश्वसनीय भागीदार है। हालाँकि भारत पारंपरिक रूप से दक्षिण एशिया में बड़ी शक्ति रहा है, हाल के वर्षों में चीन ने उस स्थिति को गंभीर रूप से चुनौती दी है, जिसकी क्षेत्र में रुचि और पदचिह्न हर गुजरते दिन के साथ बढ़ रहे हैं। इस बीच, अमेरिका में जो बाइडेन प्रशासन ने बांग्लादेश की लोकतांत्रिक वापसी को रोकने और संसदीय चुनाव स्वतंत्र और निष्पक्ष सुनिश्चित करने के लिए कई दंडात्मक उपायों की घोषणा की है।

चीन से बातचीत चलती रहे

अशोक मधुप

भारत और चीन के बीच दौलत बेग ओल्डी और चुशुल में ख्ट (वास्तविक नियंत्रण रेखा) पर मेजर जनरल लेवल की हाल में बैठक हुई। इस दौरान दोनों देशों के बीच जारी सीमा विवाद पर डिटेल में चर्चा की गई। मेजर जनरल पीके मिश्रा और मेजर जनरल हरिहरन ने भारत का प्रतिनिधित्व किया। बैठक में देपसांग प्लेन और सीएनएन जंक्शन के मुद्दे का समाधान निकालने पर चर्चा हुई। ये बैठक भारत-चीन के बीच 14 अगस्त को हुई 19वीं कमांडर लेवल की बैठक के बाद की गई है, जिसमें दोनों देश विवादों को बातचीत और समझौतों के जरिए सुलझाने पर राजी हुए थे। दौलत बेग ओल्डी देपसांग के पास है। जहां चीनी सैनिक लगातार भारतीय सैनिकों की पैट्रोलिंग में रुकावटें पैदा करते रहते हैं। वहीं चुशुल पैंगोंग सो झील के दक्षिणी किनारे पर है। जहां भारतीय सैनिकों ने 2020 में एक ऑपरेशन के तहत कई ऊंची जगहों पर कब्जा कर लिया था। रिपोर्ट के मुताबिक मेजर जनरल लेवल की बैठक में दोनों देशों की सेनाओं के लिए पैट्रोलिंग से जुड़े ग्राउंड रूल्स बनाए गए हैं, ताकि आगे किसी भी तरह के संघर्ष से बचा जा सके। साथ ही तय हुआ कि दोनों देशों के सैनिकों के बीच भरोसा बढ़ाने के लिए कदम उठाए जाएंगे। मेजर जनरल लेवल की बैठक के बाद दोनों देशों के बीच ब्रिगेड कमांडर और कमांडिंग ऑफिसर लेवल की भी बैठक होगी। 19वें दौर की वार्ता से राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोभाल ने चीन के विदेश मंत्री वांग यी के साथ व्यापक वार्ता की थी और उसके बाद चार महीने के अंतराल के बाद कोर कमांडर वार्ता का केवल 19वां दौर ही हुआ था। ये सब चल रहा है, ऐसे में साउथ अफ्रीका में 22 से 24 अगस्त को ब्रिक्स समिट होने वाला है। इसमें प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग की मुलाकात हो सकती है। इससे पहले दोनों नेता पिछले साल बाली में जी-20 समिट के दौरान मिले थे। प्रधानमंत्री मोदी और चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग के बीच मुलाकात हुई थी। डिनर के दौरान मोदी और जिनपिंग ने द्विपक्षीय संबंधों को स्थिर करने पर चर्चा की थी। दोनों ने भारत-चीन के बॉर्डर विवाद को भी डिस्कस किया था।

भारत और चीन के बीच पूर्वी लद्दाख की गलवान घाटी पर करीब तीन साल पहले 2020 में हिंसक झड़प हुई थी। इसमें भारत के 20 जवान शहीद हो गए थे, जबकि 38 चीनी सैनिक मारे गए थे। हालांकि, चीन इसे लगातार छिपाता रहा। गलवान घाटी पर दोनों देशों के बीच 40 साल बाद ऐसी स्थिति पैदा हुई थी। गलवान पर हुई झड़प के पीछे की वजह यह थी कि गलवान नदी के एक सिरे पर भारतीय सैनिकों ने अस्थाई पुल बनाने का फैसला लिया था। चीन ने इस क्षेत्र में अवैध रूप से बुनियादी ढांचे का निर्माण करना शुरू कर दिया था। साथ ही, इस क्षेत्र में अपने सैनिकों की संख्या बढ़ा रहा था।

दोनों की सेना आमने-सामने होने पर किसी सैनिक की जरा-सी खुराफात बड़े युद्ध का रूप ले सकती है। चीन के रवैये को देखते हुए भारत किसी भी स्थिति के लिए तैयार है, इसके बावजूद होना ये चाहिए कि युद्ध न हो। युद्ध से बचा जाए। युद्ध लड़ने वाले दोनों देशों की अर्थव्यवस्था का बुरी तरह खत्म कर देता है। युद्ध देश के विकास को बहुत पीछे धकेल देता है। इसलिए युद्ध अंतिम विकल्प होना चाहिए।

हाल के घटनाक्रमों ने दोनों देशों के बीच भविष्य में संघर्ष की संभावना के बारे में चिंताओं की वृद्धि की है। आ रही सूचनाएं बताती हैं कि चीन युद्ध की तैयारी कर रहा है। चीन का नेतृत्व बार-बार सेना को युद्ध के लिए तैयार करने का आदेश दे रहा है। भारत और चीन के तनावपूर्ण संबंधों को हाल के चीनी उकसावों से बढ़ावा मिला है। इसमें अरुणाचल प्रदेश में स्थानों के लिये नामों का आवंटन, भारतीय मीडियाकर्मियों को वीजा देने से इंकार करना और युद्ध की तैयारी पर राष्ट्रपति के वक्तव्य आदि शामिल हैं। इन घटनाओं ने चीन के इरादों के बारे में चिंता उत्पन्न की है और भारत को किसी भी स्थिति के लिये तैयार रहने की आवश्यकता है। हालांकि भारत इनसे अनजान नहीं है। भारत की रक्षा तैयारियों की समीक्षा की जा रही है। आधुनिक शस्त्र, मिसाइल, ड्रोन और अन्य आधुनिक युद्धास्त्र भारत खरीदने में जुटा है। साथ ही उसकी कोशिश है कि अपनी जरूरत का सभी सैन्य सामान देश में ही बने। भारत अपनी सेना को मजबूत और आधुनिक युद्ध के लिए तैयार करने में लगा हुआ है। सीमा पर सड़कों का नेटवर्क बनाया जा रहा है। वह चीन और पाकिस्तान से लगी सीमा तक सड़कें विकसित कर रहा है। हवाई पट्टी बना रहा है। चीन-पाकिस्तान से सटे हवाई अड्डों पर आधुनिक विमान तैनात कर रहा है।

चीन भारत के दुश्मन पाकिस्तान से दोस्ती निभाने और आधुनिक शस्त्र देने में लगा है तो हम भी चीन को आइना दिखाने के लिए ऐसा ही कर रहे हैं। चीन की ताइवान पर कुदृष्टि है, वह उस पर कब्जा करना चाहता है। ये जानते हुए हमने ताइवान को आधुनिक अस्त्र-शस्त्रों से लैस अपना लड़ाकू जहाज भेंट किया है।

अब तक चीन का रवैया युद्ध करना नहीं, युद्ध का हौवा खड़ा करके सामने के देश पर दबाव बनाकर लाभ उठाना रहा है। किंतु इस बार वह अपनी इस रणनीति में कामयाब नही हो पा रहा। चीन ने भारत सीमा पर सेना बढ़ाई तो भारत ने भी सीमा पर सैना तैनात कर दी। इतना ही नहीं हमने आधुनिक तोप और लड़ाकू विमान भी तैनात कर दिए हैं। चीन से बात करने के लिए सामने वाले का मजबूत होना और सीना तान कर सामने खड़ा होना जरूरी है। आज भारत इस हालत में है। उसने स्पष्ट भी कर दिया है कि भारत अपने हितों की रक्षा के लिये तैयार है। साथ ही ताइवान को लड़ाकू आधुनिक युद्ध पोत भेंट कर अपने इरादे भी स्पष्ट कर दिए हैं।

पूरा देश जानता है कि चीन हमारा दुश्मन है, कभी दोस्त नहीं हो सकता। इसके बावजूद सस्ते के लालच में हम चीन का बना सामान खरीदते हैं। हममें देश भक्ति सिर्फ सोशल मीडिया पर नजर आती है। फेसबुक पर नजर आती है, व्हाटसएप पर नजर आती है, इंस्ट्रागाम पर दिखाई देता है। व्यवहार में ऐसा नहीं है। चीन के सीमा पर सेना तैनात करने के बाद से चीनी सामान बहिष्कार का आंदोलन इस तरह चला था कि लगता था कि कोई भारतीय चीन का बना सामान नहीं खरीदेगा। किंतु हो इसके विपरीत रहा है। इस साल की पहली छमाही में भारत को चीन का निर्यात 56.53 अरब डॉलर का रहा। यह एक साल पहले के 57.51 अरब डॉलर से 0.9 फीसदी कम है। चीनी कस्टम्स द्वारा जारी आंकड़ों से यह जानकार मिली है। वहीं, चीन को भारत का निर्यात इस अवधि में कुल 9.49 अरब डॉलर रहा। यह एक साल पहले 9.57 अरब डॉलर रहा था। इस तरह साल 2023 की पहली छमाही में व्यापार घाटा एक साल पहले के 67.08 अरब डॉलर से घटकर 47.04 अरब डॉलर रह गया। पिछला साल भारत-चीन व्यापार के लिए बंपर ईयर रहा था। यह पिछले साल 135.98 अरब डॉलर के ऑल टाइम हाई पर पहुंच गया था। साल 2022 में कुल भारत-चीन व्यापार 8.4 फीसदी की बढ़त के साथ एक साल पहले के 125 अरब के आंकड़े को पार कर गया था। भारत चीन को कच्चा माल बेचने का काम करता है जबकि वहां से आयात में भारत ज्यादातर बन बनाए प्रोडक्ट खरीदता है।

चीन का दुनिया का व्यापार पांच प्रतिशत गिरा है। भारत से व्यापार में 0.9 फीसदी कम होना कोई अर्थ नहीं रखता। भारत द्वारा चीन से खरीद में कमी पांच प्रतिशत से ज्यादा हुई होती, तब माना जाता कि व्यापार में कमी आई है। व्यापारिक दृष्टि से भारत चीन पर काफी मात्रा में निर्भर है। भारत को चीन को झुकाने के लिए सामान का आयात कम करके शून्य पर लाना होगा। उस पर निर्भरता कम करनी होगी। चीन वैसे ही अंदरूनी आर्थिक मोर्चे पर संकट से है। हम चीन से निर्यात कम कर दें, तो उसके दिमाग सही हो जाएंगे। उसकी सारी हेकड़ी खत्म हो जाएगी। चीन की हेकड़ी निकालने के लिए जरूरी यह है कि भारत अपने को सभी क्षेत्र में आत्मनिर्भर ही नहीं करे बल्कि साथ ही चीन को कमजोर करने के लिए उससे व्यापार लगातार सीमित कर शून्य पर ले आए। जिस दिन ऐसा हो गया। उसी दिन चीन के दिमाग जमीन पर आ जायेगा।

भारतीय ज्ञान परंपरा....

नृसिंहपूर्वतापिन्युपनिषद् (भाग-5)

गतांक से आगे...

ऊर्ध्वरेता भगवान् नृसिंह के नेत्र अत्यन्त विकराल एवं भयंकर हैं। वे सबके लिए कल्याणकारी हैं। उनके कण्ठ में नील एवं उनके ऊर्ध्व भाग में लोहित वर्ण होने के कारण भक्त जन उनकी आराधना नीललोहित नाम से करते हैं। सर्वदेवस्वरूप भगवान् नृसिंह ही उमापति, पशुपति, पिनाकधारी (पिनाक नामक धनुष धारण करने वाले) एवं अमित द्युतिमान् (प्रकाशधारी) महेश्वर हैं।

भगवान् नृसिंह ही सभी विद्याओं एवं भूतों के अधिपति हैं। भगवान् नृसिंह ही ब्रह्माजी के स्वामी, ब्रह्म के अधीश्वर एवं यजुर्वेद के वाच्यार्थ हैं, उन्हें साम ही जानें। ऐसा जानने वाला अमरता को प्राप्त कर लेता है। यहाँ नृसिंह के स्वरूप और उनकी सामर्थ्य की अभिव्यक्ति हुई है, जो बड़ी रहस्यात्मकता से पूर्ण है। नृसिंह भगवान् को ऋत और सत्य कहा गया है, जो सृष्टि के आदिम घटक हैं-ऋतं च सत्यं सूर्याचन्द्रमसौ धाता यथा पूर्वमकल्पयत. इत्यादि (ऋ0 10.1901-3) मन्त्रों में इन्हीं घटकों से सृष्टि निर्माण की प्रक्रिया बताई गई है।

यहाँ नृसिंह के तीन नाम आए हैं कृष्णपिंगल, नीललोहित और द्युतिमान। ये पदार्थ की अभिव्यक्ति के क्रमिक स्वरूप को प्रकट करते हैं। पहला स्वरूप कृष्णपिंगल-कालाभूरा, जो अस्पष्टता को द्योतित करता है, दूसरा नीललोहित- नीला लाल, जो अल्प स्पष्टता का द्योतक है और तीसरा द्युतिमान् प्रकाशमय, जो पूर्ण स्पष्टता का द्योतक है। सृष्टि में पदार्थ रचना इसी क्रम से होने का यहाँ संकेत प्रतीत होता है।

महा यह पद मंत्रराज आनुष्टुभ के प्रथम पाद के उत्तरार्ध का आदि भाग है। र्वतो यह पद मंत्रराज आनुष्टुभ के द्वितीय पाद के उत्तरार्ध का आदि भाग है। घणं यह पद तृतीय पाद के उत्तरार्ध का आदि भाग है और नमा यह पद चतुर्थ पाद के उत्तरार्ध का आदि भाग है। यह सब साम ही है, इस प्रकार जानने वाला अमृतत्व को प्राप्त कर लेता है। साम ही सच्चिदानन्द स्वरूप परब्रह्म है। इस तरह जान लेने से इसी जीवन में अमृतत्व प्राप्त कर लेता है। इस साम को अंगों सहित जो जानता है, वह मुक्ति को प्राप्त कर लेता है।

विश्व सृजेता प्रजापतियों ने साममय मंत्र के द्वारा ही संपूर्ण विश्व की रचना की है। इस कारण वे विश्व स्त्रष्टा कहे गये हैं। उन्हीं से उत्पन्न होने वाला यह विश्व है, इस रहस्य को जानने वाले ब्रह्म लोक को प्राप्त होकर उसी में लीन हो जाते हैं। इसलिए अंगसहित इस साम को जानना चाहिए। इस प्रकार जानने वाला अमृतत्व प्राप्त कर लेता है। मंत्रराज आनुष्टुभ के प्रथम चरण का अन्तिम पद विष्णुम है।

क्रमशः...

शहीद राजगुरू के लिए सच हुई थी ज्योतिषी की भविष्यवाणी

अमृता गोस्वामी

भारत में ऐसे हजारों वीर सपूतों ने जन्म लिया जिन्होंने सिर्फ और सिर्फ भारत की आजादी के सपने देखे और उसके लिए ही जिए। भारत के ऐसे ही महान देशभक्तों में एक नाम है शिवराम हरि राजगुरु का जिन्होंने ब्रिटिश अत्याचारों, उनकी दासता उनके कुशासन से भारत माता की आजादी के लिए हंसते-हंसते अपने प्राणों की भी आहुति दे दी।

मैं दुनिया से चला जाऊँगा, परंतु मेरी मौत देश में एक नई क्रांति को जन्म देगी। मैं फिर आऊँगा और तब तक बार-बार आता रहूँगा, जब तक मेरा देश गुलामी की बेड़ियों से आजाद नहीं हो जाता। यह बलिदान व्यर्थ नहीं जाएगा, मेरी मौत से हजारों राजगुरु उठ खड़े होंगे, जो ब्रिटिश सरकार को भारत से उखाड़ फेंकेंगे। यह शब्द थे भारत की आजादी के लिए बलिदान देने वाले महान क्रांतिकारी शिवराम हरि राजगुरू के।

राजगुरू का जन्म 24 अगस्त 1908 को पुणे, महाराष्ट्र के खेड़ा गाँव (वर्तमान राजगुरु नगर) में एक ब्राम्हण परिवार में हुआ था। इनके पिता का नाम श्री हरि नारायण और माता का नाम पार्वती बाई था। यह आश्चर्यजनक है कि जन्म के समय राजगुरू के लिए किसी ज्योतिषी ने भविष्यवाणी करते हुए कहा कि आगे चलकर यह बच्चा कुछ ऐसा करेगा जिससे उसका नाम इतिहास के पन्नों में स्वर्ण अक्षरों से लिखा जाएगा, जो सच साबित हुआ। बात 1927 की है जब वाइसराय लार्ड इरविन ने भारत में वैधानिक सुधार के लिए साइमन कमीशन का गठन किया, इस कमीशन में अध्यक्ष से लेकर सारे सदस्य अंग्रेज थे। पूरे भारत में इसका जमकर विरोध हुआ। भारत में 'साइमन गो बैक' के नारे लगाए गए। 30 अक्टूबर 1928 में जब साइमन कमीशन के सात सदस्यों की टीम संवैधानिक सुधारों की समीक्षा एवं रिपोर्ट तैयार करने के लिए लाहौर पहुंची तो लाला लाजपत राय के नेतृत्व में भगतसिंह, सुखदेव, राजगुरू सहित कई क्रांतिकारियों ने मिलकर इसका जमकर विरोध किया जिससे वहां काफी भीड़ इक्ट्ठा हो गई। माहौल को बिगड़ता देखकर लाहौर के पुलिस अधीक्षक स्कॉट ने लाठीचार्ज का आदेश दे दिया और पुलिस उपअधीक्षक सैंडर्स लोगों पर टूट पड़ा। भगत सिंह और उनके साथी इस अत्याचार के खिलाफ आगे आए किन्तु लाला लाजपत राय ने उस समय उन्हें शांत रहने को कहा। प्रदर्शनकारियों पर लाठी चार्ज के साथ ही स्वयं स्कॉट ने लाठी से लाला लाजपत राय को निर्दयता से पीटा जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गए और 17 नवंबर 1928 को उनका निधन हो गया। लाला लाजपत राय की मौत से क्रांतिकारियों का जैसे खून खौल उठा।

चंद्रशेखर आजाद सहित भगत सिंह, राजगुरु, सुखदेव, जय गोपाल इत्यादि कई क्रांतिकारियो ने मिलकर फैसला किया कि इसका प्रतिशोध केवल खून के बदले खून से ही लिया जाएगा और फिर भगतसिंह, सुखदेव और राजगुरू ने मिलकर स्कॉट को मौत के घाट उतारने के लिए योजना बनायी। आज 24 अगस्त देश भक्त राजगुरू का जन्म दिवस है। भारत के वीर सपूत राजगुरू आज भले ही हमारे बीच नहीं हैं किन्तु भारत की स्वतंत्रता के लिए उनके बलिदान को देश कभी भुला नहीं सकता, देश के इतिहास में राजगुरू का नाम सदा अमर रहेगा।

मध्य प्रदेश में जीतने की क्या है अमित शाह की रणनीति?

समीर चौगांवकर

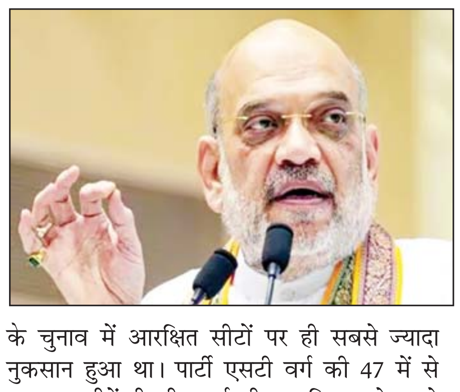

अपने निर्णयों से चौंकाने वाली मोदी शाह की जोड़ी ने एक बार फिर चौंकाने वाला निर्णय लिया। विधानसभा चुनाव से लगभग तीन महीने पहले ही मध्य प्रदेश और छत्तीसगढ़ विधानसभा चुनाव के लिए 21 उम्मीदवारों की पहली सूची जारी कर सबको चौंका दिया। असल में भाजपा ने हारी हुई सीटों पर चुनाव से तीन माह पहले ही 39 उम्मीदवारों की सूची जारी कर बताया है कि इन दो प्रदेश के विधानसभा चुनाव को लेकर केन्द्रीय नेतृत्व कितना गंभीर है। जिन 39 सीटों पर उम्मीदवार घोषित किए गए है, उनमें से अधिकांश उम्मीदवारों की भनक प्रदेश के नेताओं को नहीं थी। मोदी और शाह का संदेश मध्य प्रदेश के नेताओं को साफ है, टिकट दिलवाने के चक्कर मे नहीं पड़ना है, बल्कि पार्टी द्वारा तय किए उम्मीदवारों को जिताने के लिए संगठन और सरकार को पूरी ताकत लगाना है। भाजपा की पहली सूची से साफ है कि सिर्फ जिताने की क्षमता और योग्यता ही एकमात्र पैमाना है।

इसके अलावा पार्टी ने परिवारवाद, उम्रदराज नेताओं को घर बिठाने, दूसरे दल से आए नेताओं की तुलना में अपने कार्यकर्ताओं को महत्व देने, आरोपियों से परहेज करने जैसे अपने सिद्धांतों को फिलहाल दरी के नीचे दबा दिया है। मध्य प्रदेश में फिर से सरकार बनाने के लिए वह बड़े से बड़ा समझौता करने को तैयार है। जिन 39 सीटों पर उम्मीदवार घोषित किए गए हैं, उनमें से 13 अनुसूचित जनजाति (एसटी), आठ अनुसूचित जाति (एससी) और 18 सामान्य सीटें हैं। ये सभी पूर्व में हारी हुई सीटें हैं जहां भाजपा जीत सुनिश्चित करना चाहती है। गौरतलब है कि बीजेपी को 2018 के चुनाव में आरक्षित सीटों पर ही सबसे ज्यादा नुकसान हुआ था। पार्टी एसटी वर्ग की 47 में से मात्र 16 सीटें ही जीत पाई थी, जबकि उससे पहले 2013 में पार्टी के पास एक निर्दलीय समर्थक के साथ 32 सीटें थी। एससी वर्ग की 35 में से भी भाजपा के पास 28 सीटें थी, लेकिन 2018 के चुनाव में मात्र 18 सीटें ही मिल पाई थीं।

मध्य प्रदेश भाजपा ने पिछले चुनाव में हारी हुई जिन 39 सीटों पर उम्मीदवार उतारे हैं, उसमें 12 नए चेहरे हैं। जबकि पिछले चुनावों में हारे हुए 50त्न चेहरों पर दांव लगाया हैं। 14 टिकट उन नेताओं को मिले हैं, जो पिछली बार हारे थे। 39 सीटों में 5 सामान्य और 13 पिछड़ा वर्ग के उम्मीदवारों को मिली है। पहली लिस्ट के 39 कैंडिडेट्स में केवल 4 महिलाएं हैं। चंदेरी से उम्र की तय सीमा को नजरअंदाज कर 75 साल के जगन्नाथ सिंह रघुवंशी को भी मौका मिला है। चाचौड़ा से राजस्थान में पली बढ़ी और दिल्ली में इनकम टैक्स कमिश्नर की पत्नी प्रियंका मीणा को टिकट दिया है। प्रियंका मीणा के खिलाफ पूर्व विधायक ममता मीणा ने मैदान में उतरने के संकेत दिए है। जिला जज का पद छोड़ कर राजनीति के मैदान में उतरे प्रकाश उईके को पांढुर्णा से टिकट दिया गया है। आदिवासियों के बीच काम करने वाले प्रकाश उईके संघ से भी जुड़े हैं। इसी तरह जबलपुर मेडिकल कॉलेज में सहायक अधीक्षक रहे और संघ में भी सक्रिय डॉ. विजय आनंद मरावी ने सुबह नौकरी छोड़ी और शाम को बिछिया से टिकट मिल गया। टिकट पहले मिला और पार्टी की सदस्यता बाद में ग्रहण की। जिला पंचायत सदस्य सुशीला सिंह के बेटे और 2015 में जिला पंचायत सदस्य चुने गए धीरेन्द्र सिह को भाजपा ने बड़वारा से टिकट दिया है। वीरेंद्र सिंह लम्बरदार को बंडा सीट से मैदान में उतारा है। सागर के बंडा विधानसभा से प्रत्याशी बनाए गए वीरेंद्र सिंह लम्बरदार के पिता शिवराज सिंह लोधी 1977 में बंडा और 1985 में बड़ा मलहरा से विधायक और 2009 में दमोह से सांसद रह चुके हैं।

इसी तरह लांजी से टिकट पाने वाले राजकुमार कर्राहे पिछले दो विधानसभा चुनाव से दावेदार थे। पार्टी ने नजरअंदाज किया तो आप पार्टी में चले गए। पार्टी ने घर वापसी कराकर टिकट दिया है। अर्थात इस बार मध्य प्रदेश में भाजपा नेतृत्व टिकट देते समय न उम्र की सीमा देख रहा है और न परिवारवाद या विद्रोही नेता की बात कर रही है। उसे जहां जो ताकतवर लग रहा है उसे टिकट दे रही है।

रविवार को मध्यप्रदेश कार्यसमिति की बैठक में हिस्सा लेने ग्वालियर पहुंचे अमित शाह ने पार्टी के कोर ग्रुप के नेताओं के साथ बैठक की। इस बैठक में केजरीवाल की बढ़ती लोकप्रियता को सस्ता नशा बताकर उससे बचने की सलाह दी तो मोदी सरकार की योजनाओं का प्रचार करने के लिए भी कहा। अमित शाह ने प्रदेश के नेताओं से कहा है कि इस बार सभी उम्मीदवार पहले घोषित कर दिए जाएंगे। साथ में शाह ने संकेत दिए कि कई दिग्गज नेताओं के टिकट कट भी सकते हैं। ऐसे में कोई भी टिकट की गारंटी मानकर न चलें। शाह ने साफ कहा कि हर सीट पर 10 से ज्यादा दावेदार हैं लेकिन टिकट किसी एक को ही मिलेगा। शाह ने कहा कि बारात में दूल्हा कैसा भी हो उसकी बुराई नहीं करते उसी तरह टिकट जिसे मिला है उसकी बुराई न करके, उसको जिताने के लिए जुटना है। शाह ने ग्वालियर चंबल संभाग पर विशेष ध्यान देने के लिए कहा है क्योंकि पिछले चुनाव में ग्वालियर चंबल संभाग में भाजपा के बुरे प्रदर्शन के कारण भाजपा सत्ता से बाहर हो गई थी। इसलिए इस बार मध्य प्रदेश में अपनी जीत फिर से सुनिश्चित करने और जमीनी हकीकत पता करने के लिए चार राज्यों उत्तरप्रदेश, बिहार, गुजरात और महाराष्ट्र से चुने हुए 230 विधायकों को 230 विधानसभा सीटों की जमीनी हकीकत पता करने की जिम्मेदारी दी गयी है। पर्यवेक्षक बनाए गए दूसरे राज्यों के विधायक पता लगाएंगे कि जिस विधानसभा की जिम्मेदारी उन्हें मिली है, वहां के बीजेपी विधायक को लेकर वोटर, पार्टी पदाधिकारी और कार्यकर्ताओं का फीडबैक क्या है? इसके अलावा जिन सीटों पर विधायक नहीं हैं वहां कौन सा उम्मीदवार उतारा जा सकता है। यह सलाह भी दूसरे राज्यों से भेजे गए विधायक देंगे। पिछले 4 माह में अमित शाह ने पांचवी बार मध्य प्रदेश का दौरा किया है। अमित शाह प्रदेश के टिकट बंटवारे से लेकर, चुनाव प्रचार पर नजर और विपक्ष को जवाब देने की हर रणनीति खुद तय कर रहे हैं। अमित शाह के पूरे दखल के बाद मध्य प्रदेश के नेताओं में अजीब सी बैचेनी है। प्रदेश के मुख्यमंत्री, प्रदेश अध्यक्ष, प्रदेश संगठन महामंत्री के साथ प्रदेश के प्रभारी और चुनाव प्रभारी को भी इस बात की भनक नहीं लग रही है कि अमित शाह क्या निर्णय लेंगे?

हिन्द स्वराज्य

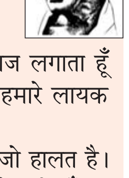

इंग्लैण्ड की हालत

प्रश्न- आप जो कहते हैं उस पर से तो मैं यही अंदाज लगाता हूँ कि इंग्लैण्ड में जो राज्य चलता है वह ठीक नहीं है और हमारे लायक नहीं है।

उत्तर- आपका यह खयाल सही है। इंग्लैण्ड में आज जो हालत है। वह सचमुच दयनीय- तरस खाने लायक है। मैं तो भगवान से यही माँगता हूँ कि हिन्दुस्तान की ऐसी हालत कभी न हो। जिसे आप पार्लियामेण्टों की माता कहते हैं, वह पार्लियामेण्ट तो बाँझ और वेश्या है। ये दोनों शब्द बहुत कड़े हैं, तो भी उस पर अच्छी तरह लागू होते हैं। मैंने उसे बाँझ कहा, क्योंकि अब तक उस पार्लियामेण्ट ने अपने-आप एक भी अच्छा काम नहीं किया। अगर उस पर जोरी-दबाव डालने वाला कोई न हो तो वह कुछ भी न करे, ऐसी उसकी कुदरती हालत है। और वह वेश्या है, क्योंकि जो मंत्रिमंडल उसे रखे उसके पास वह रहती है। आज उसका मालिक एस्क्विथ है, तो कल बालफर होगा और परसों कोई तीसरा।

प्रश्न- आपने मुझे सोच में डाल दिया। यह सब मुझे तुरन्त मान लेना चाहिए, ऐसा तो आप नहीं कहेंगे। आप बिलकुल निराले विचार मेरे मन में पैदा कर रहे हैं। मुझे उन्हें हजम करना होगा। अच्छा, अब वेश्या शब्द का विवेचन कीजिये।

उत्तर- मेरे विचारों को आप तुरन्त नहीं मान सकते, यह बात ठीक है। उसके बारे में आपको जो साहित्य पढ़ना चाहिए वह अप पढ़ेंगे, तो आपको कुछ खयाल आयेगा। पार्लियामेण्ट को मैंने बेसवा (वेश्या) कहा वह भी ठीक है। उसका कोई मालिक नहीं है। उसका कोई एक मालिक नहीं हो सकता। लेकिन मेरे कहने का मतलब इतना ही नहीं है। जब कोई उसका मालिक बनता है-जैसे प्रधानमंत्री- तब भी उसकी चाल एक सरीखी नहीं रहती। जैसे बुरे हाल बेसवा (वेश्या) के होते हैं, वैसे ही सदा पार्लियामेण्ट के होते हैं। प्रधानमंत्री को पार्लियामेण्ट की थोड़ी ही परवाह रहती है। वह तो अपनी सत्ता के मद में मस्त रहता है। अपना दल कैसे जीते इसी की लगन उसे रहती है। पार्लियामेण्ट सही काम कैसे करे, इसका वह बहुत कम विचार करता है। अपने दल को बलवान् बनान के लिए प्रधानमंत्री पार्लियामेण्ट से कैसे-कैसे काम करवाता है, इसकी मिसालें जितनी चाहिए उतनी मिल सकती हैं। यह सब सोचने लायक है।

क्रमशः ...

सोनिया-अखिलेश क्यों चाहते हैं मायावती का साथ

अजय सेतिया

चुनावी सर्वेक्षणों में नरेंद्र मोदी के 2024 में तीसरी बार प्रधान मंत्री बनने के रुझान निकल रहे हैं। इसके बावजूद इंडिया गठबंधन की बड़ी चुनौती के चलते भाजपा के भीतर सत्ता को बनाए रखने का जबर्दस्त मंथन चल रहा है। नरेंद्र मोदी के मन में भी डर पैदा हुआ है, इसलिए उन्होंने नौ साल में पहली बार एनडीए की सुध ली है। 2019 की तरह बहुत शोर मच रहा है कि 2024 में भाजपा की ज्यादा नहीं तो सौ सीटें घटेंगी। स्थिति एक दम 2018 वाली है, तब कांग्रेस मध्यप्रदेश, छत्तीसगढ़ और राजस्थान भाजपा से जीती थी। इस बार कांग्रेस हिमाचल और कर्नाटक भाजपा से जीत चुकी है, और उन तीनों राज्यों में चुनाव होने बाकी हैं। चुनावी सर्वे इन तीनों राज्यों में से किसी भी राज्य में भाजपा का पलड़ा भारी नहीं बता रहे। राजस्थान और मध्यप्रदेश में कड़ा मुकाबला बता रहे है और छत्तीसगढ़ में कांग्रेस का पलड़ा भारी है। मान लो इन तीनों राज्यों में भी कांग्रेस जीत जाती है, तो कांग्रेस के लिए स्थिति 2019 से कहीं बेहतर होगी।

कांग्रेस कार्यकर्ताओं का मनोबल बढ़ा हुआ है। इसके बावजूद लोकसभा चुनाव का सारा दारोमदार क्षेत्रीय पार्टियों पर है। भाजपा को अगर सौ नहीं, 50-55 सीटें भी घटती हैं, तो उसे सरकार बनाने के लिए सहयोगी दलों पर निर्भर रहना होगा। भाजपा अगर 50 सीटें हारने के बावजूद 250 सीटें जीत लेती है, तो सरकार उसी की बनेगी, क्योंकि उसके सहयोगी-दल 30-35 सीटें तो जीतेंगे ही और एनडीए को बीजेडी, वाईएसआर कांग्रेस का समर्थन भी मिल जाएगा। मान लो कांग्रेस की सीटें बढ़कर दोगुनी हो जाती है, तो भी इंडिया गठबंधन की सरकार नहीं बनती। लेकिन कांग्रेस का उद्देश्य क्षेत्रीय दलों के कंधों पर सवार होकर अपनी ताकत बढ़ाना है, ताकि उसकी तीसरी बार इतनी शर्मनाक हार न हो कि लोकसभा में विपक्ष के नेता का दर्जा भी न मिले। सिर्फ कांग्रेस नहीं, बल्कि 2024 का लोकसभा चुनाव गांधी परिवार के लिए जीवन मरण का सवाल बन गया है। सोनिया गांधी अपनी उम्र और बीमारी के कारण चुनावी राजनीति से बाहर होना चाहती है। लेकिन कांग्रेस के नेता उन्हें बाहर होने देना नहीं चाहते, क्योंकि उन्हें राहुल गांधी और प्रियंका पर वैसा भरोसा नहीं बन पा रहा, जैसा 1998 में सोनिया गांधी पर बना था। कांग्रेस के नेताओं का 1998 में सोनिया गांधी पर इतना भरोसा बन गया था कि सीताराम केसरी को हटाकर सोनिया को

अध्यक्ष बना दिया था।

इसलिए सोनिया गांधी पर दबाव है कि वह लोकसभा चुनाव जरूर लड़ें। लेकिन अगर वह चुनाव लड़ने को तैयार नहीं होती, तो मंथन यह चल रहा है कि फिर रायबरेली में कौन लड़े। क्या वहां प्रियंका गांधी को चुनाव लड़ने भेजा जाएगा। अगर प्रियंका रायबरेली से लड़ती हैं, तो अमेठी से कौन लड़ेगा। स्मृति ईरानी से हारने के बाद राहुल गांधी दुबारा अमेठी से नहीं लड़ना चाहते। इसलिए प्रदेश कांग्रेस के अध्यक्ष अजय राय ने जब यह बयान दिया कि राहुल गांधी अमेठी से ही चुनाव लड़ेंगे, तो अगले ही दिन उन्हें अपना बयान वापस लेना पड़ा। बयान बदल कर उन्होंने कहा कि अमेठी के कार्यकर्ता चाहते हैं कि राहुल गांधी वहां से चुनाव लड़ें।

अजय राय के बयान वापस लेने से साफ़ हो जाता है कि उन्हें गांधी परिवार के किसी सदस्य के बारे में बोलने से रोका गया है। परिवार में मंथन यह चल रहा है कि राहुल गांधी वायनाड के साथ साथ अमेठी के बजाए रायबरेली से लड़ें। जबकि अमेठी में स्मृति ईरानी के मुकाबले प्रियंका गांधी को मैदान में उतारा जाए। प्रियंका अमेठी में स्मृति ईरानी को राहुल से बेहतर मुकाबला दे सकती है।

वैसे भी 2014 और 2019 में अमेठी की बागडोर प्रियंका वाड्रा के ही संभाली हुई थी। गांधी परिवार के तीनों सदस्य बखूबी जानते हैं कि अगर उनमें से दो लोग उत्तर प्रदेश से चुनाव नहीं जीतते, तो उत्तर प्रदेश में कांग्रेस को कभी भी पुनर्जीवित नहीं किया जा सकेगा। प्रियंका गांधी के समर्थक आचार्य प्रमोद ने तो यहां तक कह दिया कि प्रियंका वाड्रा को मोदी के सामने वाराणसी से चुनाव लड़ाया जाए, तो देश में चुनाव मोदी बनाम प्रियंका हो जाएंगे। इंडिया गठबंधन को प्रधानमंत्री पद का उम्मीदवार घोषित करने की जरूरत ही नहीं पड़ेगी। कांग्रेस के भीतर ही कुछ लोग राहुल गांधी की काट में प्रियंका वाड्रा को लाना चाहते हैं। आचार्य प्रमोद उनमें से एक हैं।

जबकि परिवार के तीनों सदस्य जमीनी हकीकत जानते हैं। उन्हें पता है कि समाजवादी पार्टी और बसपा के समर्थन के बिना वे रायबरेली और अमेठी भी नहीं जीत सकते। पिछली बार सपा और बसपा ने सोनिया और राहुल दोनों को समर्थन दिया था। इसके बावजूद राहुल गांधी चुनाव हार गए थे। सोनिया गांधी की जीत का मार्जिन भी आधा रह गया था। सोनिया 2004 में ढाई लाख से, 2009 में पौने चार लाख से, 2014 में साढ़े तीन लाख से चुनाव जीती थी। लेकिन 2019 में सिर्फ 1 लाख 67 हजार के अंतर से जीती थी। रायबरेली में मार्जिन आधा रह जाना और अमेठी में चुनाव हारना गांधी परिवार के प्रति आकर्षण घटने के प्रमाण हैं। इसलिए उत्तर प्रदेश से गांधी परिवार की साख बचाने के लिए गठबंधन करना कांग्रेस की मजबूरी बन गया है। समाजवादी पार्टी के साथ तो कांग्रेस का गठबंधन लगभग हो गया है। अब तक के संकेत तो यही हैं कि मायावती दोनों गठबंधनों से दूरी बनाए हुए है। लेकिन कांग्रेस और समाजवादी पार्टी ने मायावती को भी गठबंधन में शामिल करने की कोशिश शुरू कर दी है।

2014 में भाजपा 80 में से 71 सीटें जीती, भाजपा की सहयोगी अपना दल ने भी दो सीटें जीत ली थी। कांग्रेस से सिर्फ सोनिया और राहुल ही जीते थे, बाकी पांच सीटें समाजवादी पार्टी जीती थी। तब 19.5 प्रतिशत मुस्लिम आबादी वाले उत्तर प्रदेश से एक भी मुस्लिम नहीं जीत पाया था, लेकिन 2019 में जब सपा-बसपा का गठबंधन हो गया तो भाजपा 71 से 62 पर आ गई, सपा भले पांच ही सीटें जीत पाई, लेकिन बसपा दस लोकसभा सीटें जीत गई थी। कांग्रेस से सिर्फ सोनिया गांधी जीती और अपना दल फिर दो सीटें जीत गया। हालांकि अखिलेश यादव और आजम खान के लोकसभा सीटों से इस्तीफों के बाद हुए उपचुनाव में वे दोनों सीटें भी भाजपा जीत गई। 2019 का नतीजा इस दृष्टि से ज्यादा महत्वपूर्ण हो जाता है कि सपा-बसपा गठबंधन के कारण मुस्लिम वोटों का बंटवारा नहीं हुआ और दोनों दलों के तीन तीन मुस्लिम उम्मीदवार जीत गए। अब अगर कांग्रेस, सपा और आरएलडी के साथ बसपा नहीं आती है, तो इंडिया गठबंधन को कोई फायदा नहीं होगा। त्रिकोणीय चुनाव में मुस्लिम वोटों का बंटवारा होगा और भाजपा को ही सीटें बढ़ेंगी, जैसे 2014 में एनडीए को 80 में से 73 सीटें मिल गईं थीं।

क्या राजस्थान में फिर वापस आएगी कांग्रेस? गहलोत ने बताया प्लान

अमित शर्मा

राजस्थान में हर विधानसभा चुनाव में सरकार बदल जाती है। लंबे समय से उसका यह ट्रैक रिकॉर्ड बना हुआ है। लेकिन कांग्रेस का दावा है कि इस बार वह इस इतिहास को पलट देगी। इसका सबसे बड़ा कारण यह है कि वह बिना किसी भेदभाव के राज्य के हर वर्ग तक पहुंच बनाने की कोशिश कर रही है। राज्य का कोई भी परिवार ऐसा नहीं है जो राज्य सरकार की किसी न किसी योजना का लाभार्थी न हो। सरकार ने हर वर्ग तक पहुंच बनाई है। ऐसे में अनुमान है कि राज्य का इतिहास पलट सकता है और अशोक गहलोत सरकार प्रो-इनकंबेंसी फैक्टर के सहारे सत्ता में वापसी कर सकती है। क्या राजस्थान की सत्ता में कांग्रेस वापसी कर सकती है? अमर उजाला के इस प्रश्न पर राजस्थान के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने कहा कि यह तय करना जनता का काम है कि सत्ता में किसे लाना है और किसे विपक्ष में रखना है। उनकी ओर से कोशिश केवल इतनी ही है कि राज्य के हर वर्ग तक कल्याणकारी योजनाओं का लाभ पहुंचाया जाए। राज्य का कोई भी वर्ग अपने आपको किसी आधार पर वंचित न महसूस करे और सबको आगे बढ़ने का अवसर प्राप्त हो। अशोक गहलोत सरकार के महंगाई राहत कैंपों में लोगों की खूब भीड़ उमड़ रही है। आर्थिक तौर पर कमजोर, विशेषकर ग्रामीण परिवार महंगाई की मार से स्वयं को बचाने के लिए महंगाई राहत कैंपों में अपने आपको रजिस्टर करा रहे हैं। मनरेगा के अंतर्गत हर परिवार को एक न्यूनतम आय सुनिश्चित कर सरकार सबको गरीबी और महंगाई की दो तरफा मार से बचाने का प्रयास कर रही है। चिरंजीवी स्वास्थ्य योजना के अंतर्गत किसी भी परिवार को 25 लाख रूपये तक के मुफ्त इलाज की सुविधा ने सबके ऊपर से इलाज के बोझ को उतार दिया है। जिस समय छोटी बीमारी भी आर्थिक तौर पर सक्षम परिवारों की भी कमर तोड़ देती है, राजस्थान में इस योजना के अंतर्गत गरीब परिवार के लोग भी कैंसर और हृदयरोगों के महंगे इलाज मुफ्त करा रहे हैं। क्या यह योजना राज्य सरकार की सेहत को स्वस्थ रखेगी? अशोक गहलोत ने कहा कि इस योजना को लांच करते समय उनके मन में केवल एक ही बात थी कि राजस्थान के किसी भी परिवार को इलाज के अभाव में परेशान न होना पड़े। उन्होंने कहा कि कोई परिवार आर्थिक तौर पर कितना भी मजबूत क्यों न हो, जब इलाज की बात आती है तो हर परिवार आर्थिक तौर पर दबाव महसूस करता है। यदि परिवार का कमाऊ सदस्य किसी बीमारी की चपेट में आ जाए तो पूरे परिवार का भविष्य खतरे में पड़ जाता है। ऐसे में लोगों को इस खतरे से बचाने का केवल एक ही उपाय था कि सबको मुफ्त इलाज की सुविधा मिले। राजस्थान के मुख्यमंत्री ने कहा कि केंद्र सरकार की योजना एक वर्ग विशेष तक सीमित है। लेकिन बीमारी में फंसने पर बड़ा वर्ग भी बहुत परेशान हो जाता है। इसीलिए उन्होंने हर वर्ग को मुफ्त इलाज देने की योजना शुरू की और इसे सफलतापूर्वक लागू किया। सीएम का दावा है कि अब इलाज के कारण कोई परिवार परेशान नहीं होने पाएगा। राज्य सरकार के करीबी लोगों का दावा है कि कांग्रेस को राज्य में एंटी इनकंबेंसी फैक्टर का नहीं, प्रो इनकंबेंसी फैक्टर का लाभ मिलने की संभावना है। इसका सबसे बड़ा कारण यह है कि चाहे अमीर हो या गरीब, राजस्थान का कोई एक भी परिवार ऐसा नहीं है जो राज्य सरकार की किसी न किसी योजना का लाभार्थी न हो। इस कारण सरकार के प्रति लोगों की सहानुभूति की लहर पैदा हो सकती है जिसका लाभ कांग्रेस को हो सकता है। अब तक का अनुमान यही है कि भाजपा पूरे चुनाव को मोदी के चेहरे पर लड़ेगी। ऐसे में राजस्थान में प्रधानमंत्री और मुख्यमंत्री के चेहरों के बीच लड़ाई देखने को मिल सकती है। भाजपा समर्थक मानते हैं कि परसेप्शन की लड़ाई में मोदी गहलोत पर भारी पड़ सकते हैं, लेकिन कांग्रेस का अनुमान है कि राज्य में किसे शासन करना है, इसे ध्यान में रखते हुए जनता अशोक गहलोत सरकार को वापस लाने के लिए वोट कर सकती है।

संसद की साल-दर-साल सिकुड़ रही भूमिका

राजेश बादल

लोकतंत्र की सर्वोच्च पंचायत में काम के घंटे घटते जा रहे हैं। लगातार अवरोध के चलते गंभीर विषयों पर चर्चा नहीं हो पा रही है। मानसून सत्र में सार्वजनिक महत्व के बीस विधेयकों को चुटकियों में पारित कर दिया गया। साठ-सत्तर साल पहले देश की इस प्रमुख संवैधानिक संस्था के लिए कम-से-कम सौ दिन काम करना जरूरी माना गया था। बाकायदा एक संसदीय समिति ने इसकी सिफारिश की थी। उसके बाद अनेक वर्षों तक उन सिफारिशों पर अमल हुआ। उस दौर के कई प्रधानमंत्रियों ने यह सुनिश्चित किया कि साल में तीन सत्र तो अनिवार्य रूप से हों और उनमें काम का शतक लगाया जाए। ध्यान देने की बात यह है कि उस दौर में देश की आबादी कम थी और चुनौतियां भी आज की तरह नहीं थीं। पर आज हालात बदले हुए हैं। राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर हिंदुस्तान की प्राथमिकताएं कई गुना विराट आकार में प्रस्तुत हैं, साक्षरता का प्रतिशत बढ़ा है तथा मुल्क की आवाज दुनिया भर में गंभीरता से सुनी जाने लगी है। ऐसे में देश के भीतर अपनी पंचायत में संवाद और चर्चा का अभाव खटकने वाला है। प्रसंग के तौर पर याद करना उचित होगा कि पचास के दशक में, जब संसद में लोकतांत्रिक विरोध और अवरोध बढ़ने लगा तो सभी दलों को यह भी चिंता हुई कि यदि संसद में गंभीर कामकाज नहीं हुआ तो यह देश का नुकसान है। आम नागरिक की गाढ़ी कमाई से प्राप्त पैसे का दुरुपयोग है। इसके बाद संसद की सामान्य कामकाज समिति से इस बारे में अपने सुझाव देने के लिए अनुरोध किया गया। इस समिति ने 1955 में पेश अपनी सिफारिशों में कहा कि संसद के तीन सत्र तो अनिवार्य हैं ही, आवश्यकता पड़े तो इनकी संख्या बढ़ाई जानी चाहिए। इसके अलावा सारे राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों को यह सुनिश्चित करना चाहिए कि साल में कम-से-कम सौ दिन संसद में पूर्णकालिक काम हो। इन सिफारिशों को पक्ष और प्रतिपक्ष ने सिर झुकाकर माना। शीघ्र ही सुधार दिखाई दिया और तीन सत्र तथा सौ दिन काम का रिकॉर्ड बन गया। पहली संसद ने जब कार्यकाल पूरा किया तो लोकसभा ने 677 और राज्यसभा ने 565 बैठकें कीं। इंदिरा गांधी को इस देश में कुछ लोग अधिनेत्री के रूप में देखते हैं। मगर क्या देश यह जानता है कि उनके कार्यकाल में 1971 से 1977 के बीच संसद ने रिकॉर्ड काम किया था। लोकसभा ने 613 बैठकें की थीं, यह आज भी एक रिकॉर्ड है। लेकिन उसमें भी उन्हें विपक्ष का सहयोग मिला था। इस नजरिये से 2017 का साल शर्मनाक रहा। उस साल केवल 57 बैठकें हुईं। इससे पहले यानी 2016 में अलबत्ता 70 दिन ही काम हो सका था। पिछले दशक का औसत 63 दिनों से भी कम का है। तात्पर्य यह कि लोकतंत्र की सर्वोच्च पंचायत की गरिमा बनाए रखने के लिए सदन की सभी बेंचों से प्रयास किए गए तभी संसद शान से काम कर पाई। याद दिला दूं कि संसद की एक दिन की कार्रवाई पर लगभग 15 करोड़ रुपए खर्च होते हैं और खेद है कि उसी संसद से 45 लाख करोड़ रुपए का सालाना बजट बिना किसी चर्चा के पास कर दिया जाता है। ध्यान देने की खास बात यह है कि सरकार सरकारी खजाने की मालिक नहीं है। सरकारी कोष की मालकिन संसद है और वही सरकार को इजाजत देती है कि वह धन को कैसे खर्च करे। इसलिए भी संसद का सम्मान जनप्रतिनिधियों की ओर से बेहद जरूरी है। एक जानकारी के मुताबिक एक संसद सदस्य पर करीब पांच कर्मचारी काम करते हैं। जबकि दुनिया का औसत केवल 3।76 कर्मचारियों का है। लोकतांत्रिक सुधारों की दिशा में काम करने वाली संस्था एसोसिएशन फॉर डेमोक्रेटिक रिफॉर्म्स ने हाल ही में अपनी रिपोर्ट जारी की। संस्था का मानना है कि लगभग एक दशक से संसद की भूमिका सिकुड़ती जा रही है। वह एक तरह से विधेयकों पर मुहर लगाने वाली संस्था बन कर रह गई है।

इंडिया गठबंधन के घटक एक दूसरे को झुकाने में लगे हैं

रमेश सर्राफ धमोरा

पिछले नौ वर्षों से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र में सत्तारुढ़ भाजपा नीत एनडीए गठबंधन को चुनौती देने के लिए कांग्रेस सहित देश के 26 विपक्षी दलों के नेताओं ने एक नए राजनीतिक गठबंधन बनाने की घोषणा की है। बेंगलुरु में आयोजित विपक्षी दलों की बैठक में शामिल हुए दलों ने कांग्रेस के नेतृत्व वाले यूपीए के स्थान पर इंडियन नेशनल डेवलपमेंट इंक्लूसिव अलायंस (इंडिया) के नाम पर एक नया गठबंधन बनाया है। विपक्ष के इंडिया गठबंधन के संयोजक की घोषणा अभी तक नहीं हो पाई है।

विपक्ष का कहना है कि उनका इंडिया गठबंधन पहले के यूपीए की तुलना में अधिक मजबूत है। इसमें ऐसे राजनीतिक दल भी शामिल हैं जो अभी तक आपस में एक दूसरे के विरोधी रहे हैं। कांग्रेस के धुर विरोधी रहे अरविंद केजरीवाल इंडिया गठबंधन में शामिल हैं। पश्चिम बंगाल में ममता बनर्जी के कट्टर विरोधी वामपंथी दल व कांग्रेस भी इंडिया गठबंधन में एक साथ शामिल हुए हैं। केरल में आमने-सामने चुनाव लड़ने वाली कांग्रेस व वामपंथी दल एकजुट नजर आ रहे हैं।

इंडिया गठबंधन में कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे, सोनिया गांधी, मराठा क्षत्रप शरद पवार, लालू प्रसाद यादव, नीतीश कुमार, ममता बनर्जी, उद्धव ठाकरे, अरविंद केजरीवाल, फारूक अब्दुल्ला, हेमंत सोरेन, एमके स्टालिन, सीताराम येचुरी, डी राजा, अखिलेश यादव, महबूबा मुफ्ती सहित बहुत से वरिष्ठ नेता शामिल हैं। इंडिया गठबंधन के पास अभी लोकसभा की कुल 142 सीटें हैं। मगर गठबंधन में शामिल 11 दलों का तो लोकसभा में एक भी सांसद नहीं हैं। इस गठबंधन में शामिल पार्टियों की अभी देश के 11 प्रांतों में सरकार चल रही है। जिनमें कांग्रेस की चार प्रदेशों कर्नाटका, राजस्थान, छत्तीसगढ़, हिमाचल प्रदेश में वहीं जनता दल (यूनाइटेड) व राष्ट्रीय जनता दल की बिहार में, तृणमूल कांग्रेस की पश्चिम बंगाल में, झारखंड मुक्ति मोर्चा की झाारखण्ड में, आम आदमी पार्टी की दिल्ली व पंजाब में, द्रविड़ मुनेत्र कषगम की तमिलनाडु मे, वामपंथी दलों की केरल में सरकार है।

इंडिया गठबंधन में भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस, अखिल

भारतीय तृणमूल कांग्रेस, द्रविड़ मुनेत्र कषगम, आम आदमी पार्टी (आप), जनता दल (यूनाइटेड), राष्ट्रीय जनता दल, झारखंड मुक्ति मोर्चा, राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (शरद पवार), शिवसेना (यूबीटी), समाजवादी पार्टी, राष्ट्रीय लोकदल, अपना दल (कमेरावादी), जम्मू-कश्मीर नेशनल कॉन्फ्रेंस, पीपुल्स डेमोक्रेटिक पार्टी, भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी (मार्क्सवादी), भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी (भाकपा), भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी (मार्क्सवादी लेनिनवादी), रिवोल्यूशनरी सोशलिस्ट पार्टी (आरएसपी), ऑल इंडिया फॉरवर्ड ब्लॉक, मरुमलार्ची द्रविड़ मुनेत्र कझगम (एमडीएमके), विदुथालाई चिरुथैगल कच्ची (वीसीके), कोंगुनाडु मक्कल देसिया काची (केएमडीके), मनिथानेय मक्कल काची (एमएमके), इंडियन यूनियन मुस्लिम लीग, केरल कांग्रेस (मणि), केरल कांग्रेस (जोसेफ) शामिल हैं।

इंडिया गठबंधन में शामिल कांग्रेस को छोड़ कर अन्य राजनीतिक दलों का अपने-अपने प्रदेशों में ही प्रभाव है। यदि इंडिया गठबंधन में शामिल सभी दल अपने पुराने मतभेद भुलाकर एकजुटता से चुनाव लड़ते हैं और आपसी समझदारी से सीटों का बंटवारा कर भाजपा के समक्ष एक ही उम्मीदवार चुनावी मैदान में उतारते हैं तो निश्चित रूप से भाजपा को कड़ी चुनौती दे पाएंगे। हालांकि इंडिया गठबंधन में 26 राजनीतिक दल तो शामिल हो गए हैं। लेकिन उनमें अभी भी चुनाव में सीट बंटवारे को लेकर संशय बरकरार है। आम आदमी पार्टी चाहती है कि दिल्ली व पंजाब को कांग्रेस उनके लिए छोड़ दे। बदले में अन्य प्रदेशों में आप कांग्रेस के खिलाफ प्रत्याशी नहीं उतारेगी। यही स्थिति पश्चिम बंगाल में है जहां ममता बनर्जी चाहती है कि कांग्रेस व वामपंथी दल उनके खिलाफ चलाए जा रहे अपने राजनीतिक अभियानों को रोककर उनका सहयोग करें ताकि भाजपा को हराया जा सके।

ममता बनर्जी का कहना है कि बंगाल में वैसे भी वामपंथी दलों व कांग्रेस का आधार समाप्त हो गया है। ऐसे में यदि वह तृणमूल कांग्रेस को सहयोग करते हैं तो पूरे बंगाल में विपक्षी दलों का प्रभाव बढ़ने से भाजपा का सफाया हो सकता है। पश्चिम बंगाल में 34 वर्षों तक लगातार वाम मोर्चे का शासन रहा था। वाम मोर्चे को हराकर ही ममता बनर्जी की तृणमूल कांग्रेस पार्टी बंगाल में सत्तारुढ़ हुई है। ऐसे में वामपंथी दलों को लगता है कि यदि उन्होंने पश्चिम बंगाल को ममता दीदी के हवाले कर दिया तो वहां उनका रहा सहा जनाधार भी समाप्त हो जाएगा। केरल में भी कांग्रेस व वामपंथी दल आमने-सामने चुनाव लड़ते हैं। मगर देश के अन्य प्रदेशों में मिलकर चुनाव लड़ते हैं। ममता बनर्जी व अरविंद केजरीवाल भी कांग्रेस से केरल की तरह ही सामंजस्य चाहते हैं। पटना में आयोजित हुयी 16 राजनीतिक दलों की मीटिंग से भाजपा में भी हलचल मच गई थी। इसी कारण बेंगलुरु मीटिंग के दिन ही भाजपा ने नई दिल्ली में एनडीए गठबंधन की बैठक का आयोजन किया और उसमें छोटे बड़े मिलाकर 38 दलों के नेताओं को शामिल किया था। इतना ही नहीं उस बैठक में पूरे समय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी भी मौजूद रहे थे। केंद्र में दूसरी बार सत्तारुढ़ होने के बाद भाजपा ने शायद पहली बार एनडीए गठबंधन की बैठक बुलाई थी। वह भी उस स्थिति में जब उनको लगने लगा कि विपक्षी दलों का गठबंधन राजनीतिक रूप से उनके गठबंधन से बड़ा होने जा रहा है। भाजपा ने एनडीए की बैठक में ऐसे दलों को भी शामिल किया जो हाल ही में एनडीए से जुड़े थे। एनडीए की बैठक में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सभी दलों के नेताओं की बातें सुनीं और उन पर गंभीरता पूर्वक विचार करने की बात भी कही। विपक्षी दलों के इंडिया गठबंधन में कांग्रेस सबसे बड़ी पार्टी है और उसका पूरे देश में प्रभाव भी है। ऐसे में कांग्रेस के नेता चाहेंगे कि इस गठबंधन की कमान कांग्रेस के हाथों में रहे। जिससे सभी दलों में समन्वय बनाकर आगे बढ़ा जा सके। वैसे भी इंडिया गठबंधन में शामिल अधिकांश राजनीतिक दल पहले से ही यूपीए में शामिल थे। जिसका नेतृत्व कांग्रेस पार्टी कर रही थी। हालाँकि अरविन्द केजरीवाल, ममता बनर्जी, नीतीश कुमार जैसे नेता नहीं चाहेंगे कि कांग्रेस को नए बने गठबंधन की कमान मिले।

पूर्वांचल में समय रहते सभी समीकरणों को साध रही है भाजपा

नीरज कुमार दुबे

पूर्वांचल में लोकसभा की 28 सीटों पर अपनी स्थिति मजबूत करने के लिए भाजपा लगातार प्रयास कर रही है। भाजपा की कोशिश है कि 2024 के लोकसभा चुनावों में अपने सहयोगियों की मदद से पूर्वांचल की हर सीट पर कमल खिला दिया जाये। इसके लिए पूर्वांचल को विकास की तमाम सौगातें देने के अलावा इस क्षेत्र को माफिया से मुक्त करा कर जनता को बड़ी राहत प्रदान की गयी है। लेकिन भाजपा जानती है कि इतने भर से काम नहीं चलने वाला इसीलिए जातिगत और राजनीतिक समीकरणों को साधने का काम भी तेजी से चल रहा है। इसके अलावा, रूठों को मनाने, छोड़ कर चले गये नेताओं/दलों को वापस लाने और असंतुष्टों को संतुष्ट करने की प्रक्रिया भी साथ-साथ चल रही है।

देखा जाये तो भाजपा के दो बड़े चेहरे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ पूर्वांचल से ही जनप्रतिनिधि हैं। प्रधानमंत्री वाराणसी के सांसद हैं तो मुख्यमंत्री योगी गोरखपुर शहर के विधायक हैं। योगी जितना गोरखपुर जाते हैं लगभग उतना ही वाराणसी भी जाते हैं और अभी हाल ही में प्रधानमंत्री मोदी ने भी एक दिन में ही वाराणसी और गोरखपुर का दौरा कर उत्तर प्रदेश को करोड़ों की सौगात भी दी थी। भाजपा में केंद्रीय स्तर पर नरेंद्र मोदी के उभार के बाद पूर्वांचल हालांकि भाजपा का गढ़ बन चुका है लेकिन इसके बावजूद भाजपा अति-आत्मविश्वास में नहीं रहना चाहती। भाजपा जानती है कि तीसरी बार भी दिल्ली की सत्ता का रास्ता यूपी से ही होकर जायेगा इसलिए क्षेत्रवार इस प्रदेश के लिए अलग-अलग रणनीति पर काम किया जा रहा है।

पूर्वांचल की बात करें तो पिछले लोकसभा चुनावों में भाजपा का इस क्षेत्र में अच्छा प्रदर्शन रहा था लेकिन पार्टी आजमगढ़ और गाजीपुर जैसी दो महत्वपूर्ण सीटों पर चुनाव नहीं जीत पाई थी। हालांकि बाद में उपचुनाव में आजमगढ़ सीट भाजपा के पास आ गयी थी। इसके अलावा 2022 के उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनावों में भी भाजपा को पूर्वांचल में आजमगढ़ और गाजीपुर जिलों में ही सर्वाधिक नुकसान उठाना पड़ा था इसलिए पार्टी का पूरा प्रयास है कि पूर्वांचल में सारी कमियों को समय रहते दुरुस्त कर लिया जाये। इसके लिए ओम प्रकाश राजभर को वापस एनडीए में लाया गया। फिर दारा सिंह चौहान की भाजपा में एंट्री कराई गयी। पूर्वांचल में प्रभाव रखने वाले अपना दल (सोनेलाल पटेल) और निषाद राज पार्टी के साथ भाजपा का गठबंधन पहले से ही है।

पूर्वांचल में राजभर समाज की अच्छी खासी आबादी है और इसमें ओम प्रकाश राजभर की अच्छी पकड़ है। उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनावों के समय जब हमने इस क्षेत्र का दौरा किया था तब पाया था कि राजभर

मतदाताओं का झुकाव किसी पार्टी की ओर नहीं बल्कि इस बात की ओर था कि ओम प्रकाश राजभर किसको वोट देने के लिए कहते हैं। लगभग ऐसा ही रुतबा निषाद राज पार्टी के अध्यक्ष संजय निषाद का उनके सजातीय लोगों के बीच देखने को मिला था। ओम प्रकाश राजभर ने लोकसभा चुनाव 2019 से ऐन पहले उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के खिलाफ मोर्चा खोलकर भाजपा गठबंधन से नाता तोड़ा था और 2022 का विधानसभा चुनाव उन्होंने समाजवादी पार्टी के साथ गठबंधन कर लड़ा था लेकिन चुनाव परिणाम के बाद से ही वह अखिलेश यादव पर हमलावर हो गये थे और तभी से यह संकेत दे रहे थे कि उनके लिए सभी विकल्प खुले हैं। राजभर की पार्टी ने पिछले साल जुलाई में राष्ट्रपति चुनाव में विपक्षी गठबंधन के प्रत्याशी यशवंत सिन्हा के बजाय राजग की उम्मीदवार द्रौपदी मुर्मू का समर्थन किया। अब एक साल बाद, सुभासपा राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन का हिस्सा बन चुकी है। देखा जाये तो सुहेलदेव भारतीय समाज पार्टी उत्तर प्रदेश के आठ जिलों की लगभग 10 लोकसभा सीटों और 40 विधानसभा सीटों के चुनाव परिणाम को प्रभावित कर सकती है।

वहीं उत्तर प्रदेश सरकार के पूर्व मंत्री और समाजवादी पार्टी से त्यागपत्र देने वाले दारा सिंह चौहान भी अब भाजपा में लौट आये हैं। घोसी (मऊ) विधानसभा क्षेत्र से समाजवादी पार्टी के विधायक रहे दारा सिंह चौहान के बारे में माना जा रहा है कि उन्हें लोकसभा चुनाव में भाजपा का उम्मीदवार बनाया जा सकता है। दारा सिंह चौहान ने 2022 के विधानसभा चुनाव के दौरान योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व वाली भाजपा सरकार में वन मंत्री से इस्तीफा देकर सपा की सदस्यता ग्रहण की थी और मऊ जिले की घोसी विधानसभा सीट से वह सपा के टिकट पर निर्वाचित हुए थे। तब दारा सिंह चौहान ने भाजपा सरकार पर पिछड़ों की उपेक्षा का आरोप लगाते हुए सपा के पक्ष में जमकर चुनाव प्रचार किया था लेकिन वहां अपेक्षित महत्व नहीं मिलने से फिर उन्होंने घर (भाजपा में) वापसी कर ली। दारा सिंह चौहान के साथ ही स्वामी प्रसाद मौर्य और धर्म पाल सैनी भी मंत्री पद से इस्तीफा देकर ऐन विधानसभा चुनावों के समय सपा में चले गये थे लेकिन इन तीन नेताओं में से सिर्फ दारा सिंह चौहान ही चुनाव जीत पाये थे बाकी दोनों नेता स्वामी प्रसाद मौर्य और धर्म पाल सैनी अपना चुनाव हार गये थे। दारा सिंह चौहान बसपा और सपा से राज्यसभा सदस्य भी रह चुके हैं और 2009 में वह घोसी लोकसभा सीट से बसपा उम्मीदवार के रूप में निर्वाचित हुए थे। 2017 के विधानसभा चुनाव से पहले उन्होंने भाजपा की सदस्यता ग्रहण कर ली थी और 2022 के विधानसभा चुनाव से पहले वह सपा में चले गये थे। माना जा रहा है कि बसपा में उनके साथी रहे ब्रजेश पाठक जोकि अब राज्य के उपमुख्यमंत्री हैं, वह दारा सिंह चौहान को भाजपा में फिर से शामिल कराने के प्रयास काफी समय से कर रहे थे क्योंकि घोसी में दारा सिंह चौहान का व्यापक प्रभाव है। वह बड़े ओबीसी नेता हैं और उनके आने से उत्तर प्रदेश में भाजपा को मजबूती मिलेगी। दारा सिंह चौहान ने भाजपा में शामिल होने के बाद कहा भी है कि 2024 में नरेन्द्र मोदी फिर प्रधानमंत्री बनेंगे। बहरहाल, ओम प्रकाश राजभर के भी भाजपा के साथ आ जाने के बाद उत्तर प्रदेश लगभग विपक्ष मुक्त हो चुका है क्योंकि समाजवादी पार्टी के गठबंधन में अब सिर्फ अपना दल का दूसरा गुट और राष्ट्रीय लोक दल ही बचे हैं। बसपा का संगठन और वोटबैंक अस्त-व्यस्त हो चुका है तो कांग्रेस के केंद्रीय नेता ही उत्तर प्रदेश से पलायन कर गये हैं।

महाभारत युद्ध के लिए ऐसे तैयार हुई थी दुर्योधन की विकल सेना फिर भी हुई हार

रात भर दोनों पक्षों के नेता और सब सेनाध्यक्ष युद्ध की तैयारियों में लगे रहे। सुबह होने पर दुर्योधन की आज्ञा से उसके पक्ष के राजा अपनी-अपनी सेना सहित संग्राम भूमि में जाने के लिए तैयार हो गए। स्नान करके सफेद वस्त्र धारण करने और हवन-पूजन आदि के बाद अस्त्र-शस्त्रों और कवच आदि से सज-धज कर स्वस्तिक वाचन करते हुए वे पांडवों पर चढ़ाई करने के लिए अपनी-अपनी सेना लेकर कुरुक्षेत्र की ओर द्रोणाचार्य के नेतृत्व में चल पड़े। सबसे पहले द्रोणाचार्य के मित्र राजा विंद और अनुविंद एवं कैकेय देश के राजा बाहीक ने आगे की ओर प्रस्थान किया। इनके पीछे अश्वत्थामा, भीष्म पितामह, जयद्रथ, शकुनि आदि दक्षिण, पश्चिम, पूर्व और उत्तर के प्रदेशों के नरेश आदि अपनी-अपनी सेनाओं के साथ अलग-अलग दल बना कर चल पड़े। इनके पीछे बड़ी-बड़ी सेनाओं से घिरे कृतवर्मा, त्रिगर्त नरेश और भाइयों तथा कौरव अतिरथियों से घिरे दुर्योधन, दुशासन और कर्ण आदि चल रहे थे। ''भूरिश्रवा, शल्य और कौशल राज इन सब ने भी कूच किया। अपनी-अपनी सेनाओं से घिरे धृतराष्ट्र के सभी पुत्र कवच धारण करके व्यवस्थापूर्वक कुरुक्षेत्र के पिछले आधे भाग में खड़े हो गए। दुर्योधन ने अपनी छावनी को इस तरह सजाया था कि बहुत होशियार नागरिकों को भी हस्तिनापुर और छावनी में कोई अंतर दिखाई नहीं पड़ रहा था। उसी प्रकार राजा युधिष्ठिर ने भी धृष्टद्युम्न, महाराज द्रुपद तथा राजा विराट आदि से अपने वीरों से सज्जित अपनी सेनाओं सहित रणभूमि को प्रस्थान करने की प्रार्थना की तथा धृष्टद्युम्र के नेतृत्व में अभिमन्यु और अन्य वीरों को रणभूमि में जाने को कहा। राजाओं के हाथियों, घोड़ों, पैदल सैनिकों, घुड़सवारों और रथियों-महारथियों को अच्छे-अच्छे भोजन देने का प्रबंध पहले से ही कर दिया था।

शूर्पणखा कैसे बन गई श्रीकृष्ण की पत्नी

दंडकारण्य की स्वामिनी शूर्पणखा ने भगवान श्रीराम के महत्वपूर्ण कार्य निशिचर हीन करहुं महि भुज उठाय प्रण कीन्ह, विनाशाय च दुष्कृतं आदि में बहुत सहायता की है।

जनमानस में शूर्पणखा की छवि राक्षसी होने, कामी होने, निर्ममता से नरसंहार करने की होने से वह घृणा की दृष्टि से देखी जाती है। करोड़ों जन्मों तक तपस्या करने के बाद भी ऋषि-मुनियों को भगवद् दर्शन लाभ नहीं हो पाते, परंतु इसने उनके दर्शन के साथ-साथ बातें भी कीं तथा श्रीराम ने उसकी लक्ष्मणजी से भी बात करवाकर भक्तिस्वरूपा आद्या शक्ति जगत जननी सीता माता के दर्शन भी करवा दिए। एक जिज्ञासा बनी रहती है कि आखिर शूर्पणखा ने ऐसा कौन सा पुण्य किया होगा जिससे उसे यह सौभाग्य प्राप्त हुआ। मनीषी व ज्ञानीजन हमेशा इसका चिंतन किया करते हैं।

आइए, शूर्पणखा के पूर्व जन्म का वृत्तांत जानें-

पूर्व जन्म में शूर्पणखा इन्द्रलोक की नयनतारा नामक अप्सरा थी। उर्वशी, रम्भा, मेनका, पूंजिकस्थला आदि प्रमुख अप्सराओं में इसकी गिनती थी। एक बार इन्द्र के दरबार में अप्सराओं का नृत्य चल रहा था। उस समय यह नयनतारा नृत्य करते समय भ्रूसंचालन अर्थात आंखों से इशारा भी कर रही थी। इसे देख इन्द्र विचलित हो गए और उसके ऊपर प्रसन्न हो गए।

तब से नयनतारा इन्द्र की प्रेयसी बन गई। तत्कालीन समय में पृथ्वी पर एक वज्रा नामक एक ऋषि घोर तपस्या कर रहे थे, तब नयनतारा पर प्रसन्न होने के कारण ऋषि की तपस्या भंग करने हेतु इन्द्र ने इसे ही पृथ्वी पर भेजा, परंतु वज्रा ऋषि की तपस्या भंग होने पर उन्होंने इसे राक्षसी होने का श्राप दे दिया। ऋषि से क्षमा-याचना करने पर वज्रा ऋषि ने उससे कहा कि राक्षस जन्म में ही तुझे प्रभु के दर्शन होंगे। तब वही अप्सरा देह त्याग के बाद शूर्पणखा राक्षसी बनी। उसने दृढ़ निश्चय कर लिया कि प्रभु के दर्शन होने पर वह उन्हें प्राप्त कर लेगी।

वही नयनतारा वाला मोहक रूप बनाकर ही शूर्पणखा श्रीराम प्रभु के पास गई, परंतु एक गलती कर बैठी। वह यह कि परब्रह्म प्रभु परमात्मा परात्पर परब्रह्म को पति रूप में पाने की इच्छा प्रकट कर दी-

तुम सम पुरुष न मो सम नारी।
यह संजोग विधि रचा विचारी।।
मम अनुरूप पुरुष जग माही।
देखेऊं खोजि लोक तिहुं नाहीं।
ताते अब लगि रहिऊं कुंवारी।
मनु माना कप्पु तुम्हहि निहारी।।

परब्रह्म को प्राप्त करने की एक प्रक्रिया होती है। भक्ति या वैराग्य के सहारे ही परब्रह्म को प्राप्त किया जा सकता है। शूर्पणखा भक्तिरूपा सीता माता और वैराग्यरूपी श्री लक्ष्मणजी के पास न जाकर सीधे ब्रह्म के पास चली गई। यह उसकी सबसे बड़ी गलती है। वह तो डायरेक्ट श्रीराम की पत्नी बनकर भक्ति को ही अलग कर देना चाहती थी। इसके अलावा वैराग्य का आश्रय लेती तो भी प्रभु को प्राप्त कर सकती थी, परंतु वैराग्य को भी नकारकर अर्थात वैराग्यरूपी श्री लक्ष्मणजी के पास भी न जाकर एवं अहंकार में आकर सीधे प्रभु के पास चली गई। उसमें अहंकार आ गया। वह कहती है- संपूर्ण संसार में मेरे समान कोई नारी नहीं। इसका अर्थ यह हुआ कि समस्त संसार में आपकी पत्नी बनने लायक मेरे समान कोई नारी नहीं है।

अहंकारी को प्रभु मिलन संभव ही नहीं हो सकता, फिर भी उचित प्रक्रिया का ज्ञान कराने के लिए उसे वैराग्यरूपी लक्ष्मण के पास भेजा गया ताकि उसे प्रभु मिलन की सही प्रक्रिया ज्ञात हो सके। शूर्पणखा जैसी गलतियां कई बार हम लोग भी करते हैं, जैसे प्रभु के मंदिर में जाने पर हम लोग जहां अगरबत्ती का खाली पैकेट, नारियल की पॉलिथीन, माचिस की तीली, दूध चढ़ाकर दूध का खाली पाउच मंदिर परिसर में डस्टबिन में न डालकर चाहे जहां फेंक देते हैं। चैनल गेट में ही अगरबत्ती लगा देते हैं, नियत स्थान को छोड़कर पेड़ी पर भी दीपक लगा देते हैं, या भगवान के पैर के पास या शिवजी की जलाधारी के ऊपर ही दीपक रख आते हैं, आदि-आदि...। इस प्रकार के 32 भागवतापराध होते हैं। मंदिरों में जाकर इन 32 अपराधों में से 1 भी अपराध यदि कोई करता है तो उस पर भगवान की कृपा तो नहीं होती है, अपितु वह ईश्वर का कोपभाजन अवश्य बन जाता है।

वैरागी लक्ष्मण ने सोचा कि राक्षसी को वैराग्य तो आ नहीं सकता, अत: उसे पुन: प्रभु के पास भेज दिया। तब प्रभु ने कहा कि मैं तो भक्ति के वश में हूं, तब शूर्पणखा भक्तिरूपा सीता माता के पास गई, परंतु वहां भी एक भागवतापराध कर बैठी। सोचा, प्रभु इस भक्ति के वश में हैं, अत: मैं इस भक्ति को ही खा जाऊं। भक्ति को ही नष्ट कर दूं, जबकि नियम यह है कि- श्रद्धा-भक्ति बढ़ाओ संतन की सेवा।

अत: लक्ष्मणजी ने क्रोध में आकर उसके नाक-कान काटकर अंग भंग कर दिया। तब शूर्पणखा के ज्ञान-चक्षु खुल गए और प्रभु के कार्य को पूरा कराने %विनाशाय च दुष्कृतम्% के लिए उनकी सहायिका बनकर प्रभु के हाथ से खर व दूषण, रावण, कुंभकर्ण, मेघनाद आदि निशाचरों को मरवा दिया और प्रभु प्राप्ति की उचित प्रक्रिया अपनाने के लिए पुष्करजी में चली गई और जल में खड़ी होकर भगवान शिव का ध्यान करने लगी। आइए, हम भी भगवान रुद्रेश्वर को प्रणाम करें-

ज्योतिमत्रिस्वरूपाय निर्मल ज्ञान चक्षुसे।
रुद्रेश्वराय शान्ताय ब्रह्मणे लिंग मूर्तये।।

श्रीकृष्ण की पत्नीं : दस हजार वर्ष बाद भगवान शिव ने शूर्पणखा को दर्शन दिए और वर प्रदान किया कि 28वें द्वापर युग में जब श्रीराम कृष्णावतार लेंगे, तब कुब्जा के रूप में तुम्हें कृष्ण से पति सुख की प्राप्ति होगी। तब श्रीकृष्ण तुम्हारी कूबड़ ठीक करके वही नयनतारा अप्सरा का मनमोहक रूप प्रदान करेंगे।

● पं. सुरेशचन्द्र ठाकुर

देवताओं के पुरोहित बृहस्पति करते हैं रक्षा

देवगुरु बृहस्पति पीत वर्ण के हैं। उनके सिर पर स्वर्ण मुकुट तथा गले में सुंदर माला है। वे पीत वस्त्र धारण करते हैं तथा कमल के आसन पर विराजमान हैं। उनके चार हाथों में क्रमश: दण्ड, रुद्राक्ष की माला, पात्र और वरदमुद्रा सुशोभित है।

महाभारत आदिपर्व के अनुसार, बृहस्पति महर्षि अंगिरा के पुत्र तथा देवताओं के पुरोहित हैं। ये अपने प्रकृष्ट ज्ञान से देवताओं को उनका यज्ञ भाग प्राप्त करा देते हैं। असुर यज्ञ में विघ्न डालकर देवताओं को भूखों मार देना चाहते हैं। ऐसी परिस्थितियों में देवगुरु बृहस्पति रक्षोघ्र मंत्रों का प्रयोग कर देवताओं की रक्षा करते हैं तथा दैत्यों को दूर भगा देते हैं।

इन्हें देवताओं का आचार्यत्व और ग्रहत्व कैसे प्राप्त हुआ, इसका वर्णन स्कन्दपुराण में प्राप्त होता है। बृहस्पति ने प्रभास तीर्थ में जाकर भगवान शंकर की कठोर तपस्या की। उनकी तपस्या से प्रसन्न होकर भगवान शंकर ने उन्हें देवगुरु का पद तथा ग्रहत्व प्राप्त करने का वर दिया। बृहस्पति प्रत्येक राशि पर एक-एक वर्ष रहते हैं। वक्र गति होने पर इसमें अंतर आ जाता है।

ऋग्वेद के अनुसार, बृहस्पति अत्यन्त सुंदर हैं। इनका आवास स्वर्ण निर्मित है। ये विश्व के लिए वरणीय हैं। ये अपने भक्तों पर प्रसन्न होकर उन्हें संपत्ति तथा बुद्धि से संपन्न कर देते हैं, उन्हें सन्मार्ग पर चलाते हैं और विपत्ति में उनकी रक्षा भी करते हैं। शरणागत वत्सलता का गुण इनमें कूट-कूट कर भरा हुआ है। देवगुरु बृहस्पति क वर्ण पीत है। इनका वाहन रथ है, जो सोने का बना है तथा अत्यन्त सुखकर और सूर्य के समान भास्कर है। असमें वायु के समान वेग वाले पीले रंग के आठ घोड़े जुते रहते हैं। ऋग्वेद के अनुसार, इनका आयुध स्वर्ण निर्मित दण्ड है। देवगुरु बृहस्पति की एक पत्नी का नाम शुभा और दूसरी का तारा है। शुभा से सात कन्याएं उत्पन्न हुईं- भानुमती, राका, अर्चिष्मती, महामती, महिष्मती, सिनीवाली और हविष्मती। तारा से सात पुत्र और एक कन्या उत्पन्न हुईं। उनकी तीसरी पत्नी ममता से भारद्वाज

और कच नामक दो पुत्र उत्पन्न हुए। बृहस्पति के अधिदेवता इंद्र और प्रत्यधि देवता ब्रह्मा हैं। बृहस्पति धनु और मीन राशि के स्वामी हैं। इनकी महादशा सोलह वर्ष की होती है। इनकी शांति के लिए प्रत्येक अमावस्या को तथा बृहस्पति वार को व्रत करना चाहिए और पीला पुखराज धारण करना चाहिए। ब्राह्मण को दान में पीला वस्त्र, सोना, हल्दी, घी, पीला अन्न, पुखराज, अश्व, पुस्तक, मधु, लवण, शर्करा, भूमि तथा छत्र देना चाहिए। इनकी पूजा के दौरान %ओम बृं बृहस्पतये नम:% मंत्र का जाप करें। गुरु बृहस्पति पूजा से विद्या, ज्ञान प्राप्ति के साथ बदकिस्मती भी दूर हो जाती है। वहीं ज्योतिष शास्त्र के अनुसार बृहस्पति पूजा से योग्य जीवनसाथी मिलता है। इन सभी सुखों और इच्छाओं को पाने लिए ही गुरुवार के दिन बृहस्पति पूजा को विशेष फलदायी माना जाता है। जिसमें बृहस्पति गुरु की विशेष पूजा सामग्रियों से पूजा और दान का खास महत्व है।

● शुभा दुबे

[भविष्यफल]

मेष

आज आपका दिन सामान्य रहेगा। कार्यालय में आपके अनुकूल वातावरण बनेगा। व्यस्तता बनी रहेगी। ऑफिस में सफलता मिलेगी। मित्र मण्डली का सहयोग होगा। रोग की अवस्था में भी आपका चलना फिरना काफी ज्यादा हो गया है, इस पर नियंत्रण रखें।

वृष

आज आपके विरोधी भी आपकी प्रशंसा करेंगे। शासन सत्ता पक्ष से निकटता व गठजोड़ का लाभ भी मिलेगा। ससुराल पक्ष से पर्याप्त मात्रा में धन हाथ लग सकता है। मान सम्मान में बढोतरी होगी। सांयकाल से लेकर रात्रिपर्यन्त सामाजिक एवं सांस्कृतिक कार्यक्रमों में भाग लेने के अवसर प्राप्त होंगे।

मिथुन

आज पारिवारिक व आर्थिक मामलों में सफलता मिलेगी। आजीविका के क्षेत्र में चल रहे नए प्रयास फलीभूत होंगे। अधीनस्थ कर्मचारियों का आदर व सहयोग भी पर्याप्त मिलेगा। सांयकाल के समय किसी झगड़े विवाद में न पड़ें। रात्रि में प्रिय अतिथियों के आने से खर्च बढ़ेगा।

कर्क

आज का दिन काफी रचनात्मक है। आज आपके स्वास्थ्य सुख पर ध्यान रखने की आवश्यकता है। धर्म के प्रति रूचि बढेगी। कोई समाचार सुनकर अकस्मात यात्रा पर जाना पड़ सकता है। झगड़े और विवाद से बचें। ऑफिस में अपने विचारों के मुताबिक माहौल बन जाएगा।

सिंह

आज का दिन पुत्र-पुत्री या कार्यक्षेत्र की चिंता तथा उनके कामों में व्यतीत होगा। दांपत्य जीवन में कई दिन से चला आ रहा गतिरोध समाप्त हो जाएगा। रिश्तेदारी में आज लेन-देन न करें संबंध खराब होने का खतरा है। धार्मिक क्षेत्रों की यात्रा और पुण्य कार्यों पर खर्चा हो सकता है।

कन्या

आज शाम तक कोई खास डील फाइनल होने की सम्भावना है। कड़वाहट को मिठास में बदलने की कला आपको सीखनी पड़ेगी। पंचम भाव दूषित होने के कारण संतान पक्ष से निराशा जनक समाचार मिल सकता है। शाम तक कोई रुका हुआ काम बनने की संभावना है।

तुला

आज का दिन संतोष और शांति का है। राजनीतिक क्षेत्र में किए गए प्रयासों में सफलता मिलेगी। शासन व सत्ता से गठजोड़ का लाभ मिल सकता है। नए अनुबंधों के द्वारा पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। रात्रि में कुछ अप्रिय व्यक्तियों से मिलने से अनावश्यक कष्ट का सामना करना पड़ सकता है।

वृश्चिक

आज आपका दिन मंगलकारी रहेगा। आज प्रतियोगिता में अशातीत सफलता का समाचार मिलने से मन में हर्ष होगा। मूल्यवान वस्तुओं को सम्भाल कर रखें। संतान की शिक्षा या किसी सांयकाल में कोई रुका कार्य पूरा होगा। रात्रि में मांगलिक कार्यों में सम्मिलित होने का सौभाग्य प्राप्त

धनु

आज आपका दिन बेहतर रहेगा।समाज में शुभ व्यय से आपकी कीर्ति बढ़ेगी। आजीविका के क्षेत्र में प्रगति होगी। राज्य-मान-प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। संतान के दायित्व की पूर्ति हो सकती है। यात्रा, देशाटन की स्थिति सुखद व लाभदायक रहेगी।

मकर

आज आपका दिन सामान्य रहेगा।भौतिक विकास का योग अच्छा है। आमदनी के नए स्रोत बनेंगे। वाणी की सौम्यता आपको सम्मान दिलाएगी। शिक्षा, प्रतियोगिता में विशेष सफलता मिलेगा। सूर्य के कारण अधिक भागदौड़ और नेत्र विकार होने की संभावना है। शत्रु परास्त होंगे।

कुंभ

आज आपका दिन अनूकूल रहेगा। अधूरे काम निपट जाएंगे, महत्वपूर्ण चर्चाएं होंगी। रोजगार व्यापार के क्षेत्र में जारी प्रयासों में अकल्पनीय सफलता प्राप्त होगी। संतान पक्ष से भी संतोषजनक सुखद समाचार मिलेगा। दोपहर बाद किसी कानूनी विवाद या मुकदमों में जीत आपके लिए खुशी का कारण बन सकती है।

मीन

आज आपके चारों ओर सुखद वातावरण रहेगा। घर परिवार के सभी सदस्यों की खुशियां बढ़ेगी। कई दिनों से चली आ रही लेन-देन की कोई बड़ी समस्या हल हो सकती है। पर्याप्त मात्रा में धन हाथ में आ जाने का सुख मिलेगा। यात्रा का प्रसंग प्रबल होकर स्थगित होगा।

सूर्य को कैसे अर्पित करें जल, होते हैं कई फायदे

हर व्यक्ति इस प्रयास में रहता है कि वह सुबह उठने के बाद अपने नित्य कर्मों से निवृत होकर स्नान करके प्रभु के दर्शन करने के लिए मंदिर अवश्य जाए। आपने अक्सर देखा होगा कि लोग स्नान करने के बाद अपने घरों की छतों पर या फिर मंदिर के अहाते में सूर्य भगवान को जल देते हैं। हमारे धर्मग्रंथों में सूर्य को देवता माना गया है। वैसे भी कहा जाता है कि सृष्टि पर जीवित देवता में सिर्फ दो ही दिखाई देते हैं—एक हैं सूर्य और दूसरे हैं चन्द्रमा—इन दोनों की पूजा का अपना-अपना महत्त्व है। शास्त्रों में कहा गया है कि सूर्य की पूजा करने से भाग्योदय होता है। हिंदू धर्म में सूर्य को देवता की तरह पूजा जाता है। ज्यादातर लोग सुबह पूजा पाठ करने के बाद सूर्य को जल चढ़ाते हैं। सूर्य को जल देने से भाग्योदय होता है और मान सम्मान में वृद्धि होती है। इसके अलावा यदि विवाह में देर हो रही है तो नियमित सूर्य को जल देने से शीघ्र ही अच्छे रिश्ते आते हैं। लेकिन सूर्य को जल चढ़ाने का सही तरीका क्या यह बहुत ही कम लोग जानते हैं।

ताँबे के पात्र से करें जल अर्पित

पुराणों और धार्मिक मान्यताओं के अनुसार, सूर्य देवता को हमेशा ताँबे के पात्र से ही जल अर्पित करना चाहिए। साथ ही सूर्य को जल हमेशा प्रात:काल जल्दी स्नान आदि करने के बाद चढ़ाना चाहिए। कई लोग सूर्य को दोपहर तक जल अर्पित करते हैं, यह सही नहीं है। धर्माचार्यों का कहना है कि सूर्य को जल प्रात: 11 बजे तक अर्पित करना सही रहता है, तभी इसका फायदा मिलता है।

पूर्व दिशा की ओर हो मुख

सूर्य को जल देते समय ऊं आदित्य नम: मंत्र या ऊं घृणि सूर्याय नम: मंत्र का जाप करना चाहिए। ध्यान रहे सूर्य को जल देते समय आपका मुख पूर्व दिशा की ओर हो। जल में रोली या फिर लाल चंदन का प्रयोग करें। इसके अलावा लाल फूल भी सूर्य देव को अर्पित करना शुभ माना जाता है।

इस मंत्र का करें जाप

सूर्य को जल चढ़ाने के साथ ऊँ नमो भगवते श्री सूर्याय क्षी तेजसे नम: ऊँ खेचराय नम: मंत्र का जाप करने से बल, बुद्धि, विद्या और दिव्यता प्राप्त होगी। इसके अलावा रोजाना सूर्य को जल चढ़ाने से सूर्य देव का प्रभाव शरीर में भी बढ़ता है। इससे आप में ऊर्जा की वृद्धि होती है।

होती है आत्मशुद्धि

धार्मिक मान्यता है कि प्रतिदिन सूर्य को जल देने से आत्म शुद्धि और बल की प्राप्ति होती है। साथ ही समाज में मान सम्मान बढ़ता है।

जब नारद मुनि की वजह से मुसीबत में आए काशी नरेश तो...

लंका विजय के बाद जब श्रीराम अयोध्या लौट आए, तब वशिष्ठ ने जी उनके राज्याभिषेक की तैयारी करने के विषय में आदेश दिए। सब तैयारियां जोर-शोर से पूर्ण उत्साह उमंग के साथ होने लगीं। आसपास और दूरदराज के क्षेत्रों में राजाओं को निमंत्रण भेजे जाने लगे।

काशी नरेश भी निमंत्रण पाकर राज्याभिषेक में उपस्थित होने के लिए चल पड़े। काशी नरेश भी राम के बड़े भक्त थे। जब वह अयोध्या के निकट पहुंचे तब उन्हें नारद जी मिले, उन्होंने उन्हें नमन किया। नारद जी ने कहा, ''हे नरेश! आप हमारी एक बात मानो।''

काशी नरेश बोले, ''नारद जी आप आदेश तो करें।''

तब नारद जी कहने लगे, ''जब आप श्री राम के राज्याभिषेक में उपस्थित हों, तब सभी को यथा योग्य कहें, किन्तु विश्वामित्र जी को नमन न करें।

नरेश आश्चर्य से बोले, ''ऐसा क्यों?''

यह आप को बाद में पता चल जाएगा। कह कर नारद जी 'नारायण-नारायण' का जाप करते हुए अंतर्ध्यान हो गए। काशी नरेश राज्याभिषेक के शुभ अवसर पर जाकर अपने स्थान पर आसीन हो गए। परिचय की औपचारिकता के अवसर पर काशी नरेश का भी परिचय दिया गया। काशी नरेश ने सभी को यथायोग्य कहा किन्तु ऋषि-मुनियों की पंक्ति में अपने आसन पर आसीन विश्वामित्र जी को उन्होंने सादर नमन नहीं किया।

यह देख कर विश्वामित्र जी को क्रोध आना स्वाभाविक था, किन्तु उन्होंने उस समय कार्यक्रम में खलल डालना उचित न समझा और शांत बैठे रहे।

श्री राम के राज्याभिषेक का शुभ कार्य सम्पन्न हुआ। सब उन्हें यथायोग्य बधाइयां देते हुए अपने-अपने स्थानों से नमन करने लगे। तब उचित अवसर पाकर विश्वामित्र जी ने श्री राम से अपने मन का क्षोभ व्यक्त कर दिया। श्री राम ने इसे मर्यादा का उल्लंघन मानते हुए कहा, ''ऋषि संध्या से पहले पहले मैं काशी नरेश को इसका दंड अवश्य

दूंगा। आप निश्चिंत रहें।''

जब काशी नरेश को बीच रास्ते में यह बात ज्ञात हुई तो वह डर गए और सोचने लगे कि अब श्री राम के क्रोध से कैसे बचें। यह सोचते-सोचते उनके मन में मां अंजनी का ध्यान हो आया। वह भागे-भागे उनके पास गए। अपना उद्देश्य सुनाया और बोले, ''मां अब तो आप ही मेरी रक्षा कर सकती हैं, कुछ कीजिए।''

मां अंजनी ने उन्हें आश्वासन देकर निर्भय कर दिया। जैसे ही हनुमान मां अंजनी के पास आए, माता ने तुरंत ही अपने राम भक्त वीर पुत्र से सारी घटना बतला कर कहा कि इसमें काशी नरेश का कोई दोष नहीं है। यह सब करा-धरा नारद मुनि का है। अब दो मुनियों के बीच में काशी नरेश फंसे हुए हैं। उनकी रक्षा करो मेरा यह आदेश है। मैं काशी नरेश को अभय दान भी दे चुकी हूं।

अब हनुमान जी अपनी माता की बात कैसे टालते, उनके मस्तिष्क में एक युक्ति आई। उन्होंने काशी नरेश से कहा आप निश्चिंत होकर पवित्र नदी में जाकर राम नाम का जाप करते रहिए। काशी नरेश ने ऐसा ही किया। उधर श्री राम क्रोध में भरे हुए काशी नरेश को खोजते-खोजते उनके पास जा पहुंचे।

उन्होंने काशी नरेश को नदी में राम नाम का जप करते देखा। उन्हें देखते ही क्रोध से भरे श्री राम ने तीर संधान करके जैसे ही उनकी इहलीला समाप्त करनी चाही, तभी हनुमान जी सामने आकर खड़े हो गए।

श्री राम ने यह देखा तो बोले, ''हनुमान यह क्या है?''

तब हनुमान जी बोले, ''जो आपका नाम जप रहा है उस पर मैं कैसे तीर संधान करने दूंगा। भगवान, मैं अपने प्रभु का नाम लेने वाले की रक्षा का प्रण ले चुका हूं। कृपया आप इन्हें क्षमा करें। इसमें इनका दोष नहीं है। इस सब का कारण तो नारद मुनि जी हैं।''

जब श्री राम ने यह सुना तो काशी नरेश को क्षमा कर दिया और वीर हनुमान जी से बोले, ''वास्तव में हनुमान तुम अत्यंत बुद्धिमान हो।'' तब हनुमान जी बोले, ''प्रभु यह सब तो आप ही की प्रभुताई है।''

-यतींद्रनाथ गौड़

उपमुख्यमंत्री सिंहदेव को टक्कर देने मैदान में उतरे खाद्य मंत्री के करीबी

■ अंबिकापुर सीट से किया आवेदन

अंबिकापुर। कांग्रेस से विधानसभा टिकट के लिए आवेदन के अंतिम दिन अंबिकापुर विधानसभा से सौ से अधिक दावेदारों ने अपना आवेदन ब्लॉक कांग्रेस कमेटी के समक्ष पेश किया। विधानसभा क्षेत्रों में वर्तमान विधायकों के साथ ही कई प्रभावशाली लोगों ने नामांकन किया है।

अंबिकापुर प्रदेश के डिप्टी सीएम टीएस सिंहदेव का गृहक्षेत्र है। यहां कल तक सिर्फ एक आवेदन टीएस सिंहदेव का जमा था, जिन्होंने आवेदन के पहले दिन 17 अगस्त को अपना आवेदन जमा कराया था। वहीं, प्रदेश के खाद्य मंत्री अमरजीत भगत के विधानसभा क्षेत्र सीतापुर से भगत सहित 15 आवेदकों ने आवेदन जमा किया है। सूरजपुर जिले की अनारक्षित प्रेमनगर विधानसभा सीट से 43, प्रतापपुर से 31 एवं अनारक्षित भटगांव सीट से 28 कांग्रेसियों ने टिकट के लिए अपना आवेदन दिया है।

वर्तमान विधायकों के साथ प्रभावशाली लोगों ने किया नामांकन

अविभाजित सरगुजा, सूरजपुर एवं बलरामपुर जिलों को मिलाकर आठ विधानसभा क्षेत्रों में वर्तमान विधायकों के साथ ही कई प्रभावशाली लोगों ने नामांकन किया है। अंबिकापुर विधानसभा में डिप्टी सीएम टीएस सिंहदेव का नाम सोमवार तक सिंगल था। वहीं, अंतिम दिन खाद्य आयोग के अध्यक्ष गुरूप्रीत सिंह बाबरा ने टिकट के लिए आवेदन ब्लाक अध्यक्ष के समक्ष जमा किया। इसके बाद एक-एक कर आवेदन जमा करने का सिलसिला शाम पांच बजे तक चलता रहा। अंबिकापुर से कुल 100 से ज्यादा आवेदन जमा हुए हैं, जिनकी छंटनी देर रात तक चलती रही। जिन लोगों ने आवेदन किया है, उनमें कांग्रेस ब्लाक अध्यक्ष हेमंत सिन्हा सहित नगर निगम के पार्षद, जिला व ब्लाक पदाधिकारी भी शामिल हैं।

सीतापुर क्षेत्र से 18 आवेदन

प्रदेश के खाद्य मंत्री अमरजीत भगत के सीतापुर विधानसभा क्षेत्र से 18 लोगों ने टिकट के लिए आवेदन दिया है। अजजा(एसटी) वर्ग के लिए आरक्षित सीतापुर सीट से मंत्री अमरजीत भगत, फूलसाय लकड़ा, राजेश मिंज, शांति पैकरा, हेमंती प्रजापति सहित 18 कांग्रेस नेताओं ने प्रत्याशी बनाने के लिए आवेदन ब्लॉक कांग्रेस कार्यालयों में जमा कर दिया है। सीतापुर विधानसभा क्षेत्र में आजादी के बाद से आज तक भाजपा अपनी जीत का खाता नहीं खोल सकी है, तीन चुनावों में निर्दलीय व अन्य को जरूर जीत मिली है। इस सीट से अमरजीत भगत चौथी बार विधायक हैं।

लुंड्रा में आए 8 आवेदन

सरगुजा जिले के लुंड्रा विधानसभा क्षेत्र से वर्तमान विधायक एवं सीजीएमएससी के अध्यक्ष डॉ. प्रीतम राम सहित जिपं अध्यक्ष मधु सिंह, गंगाराम पैकरा, पौलुष कुजुर प्रमुख हैं। लुंड्रा कांग्रेस की परंपरागत सीट

मानी जाती है। यहां से भाजपा ने अंबिकापुर के पूर्व महापौर प्रबोध मिंज को प्रत्याशी घोषित किया है।

प्रेमनगर सीट से आए 43 आवेदन

सूरजपुर जिले की अनारक्षित प्रेमनगर सीट से वर्तमान विधायक खेलसाय सिंह के साथ 41 दावेदारां ने अपना आवेदन सूरजपुर ब्लाक कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष को सौंपा है। इनमें राज्य अजजा आयोग अध्यक्ष भानू प्रताप सिंह, नरेश राजवाड़े, शशि सिंह के साथ कई बड़े कांग्रेस नेताओं ने आवेदन ब्लॉक अध्यक्षों को सौंपा है। खेलसाय सिंह इस सीट से लगातार दूसरी बार विधायक बने हैं।

भटगांव से आए 28 आवेदन

अनारक्षित भटगांव सीट में दो बार के विधायक पारस नाथ राजवाड़े के साथ कुल 28 लोगों ने कांग्रेस की टिकट के लिए आवेदन प्रस्तुत किया है। इनमें श्रम आयोग अध्यक्ष शफी अहमद, भैयाथान जनपद उपाध्यक्ष अखिलेश प्रताप सिंह, भगवती राजवाड़े, सुभाष गोयल, श्यामलाल जायसवाल सहित अन्य कांग्रेस नेता शामिल हैं। इनमें से अधिकांश भटगांव क्षेत्र में लंबे समय से सक्रिय हैं।

प्रतापपुर सीट से आए 31 आवेदन

अजजा वर्ग के लिए आरक्षित प्रतापपुर सीट से कांग्रेस की टिकट के लिए 31 आवेदन आए हैं। इनमें पूर्व मंत्री व वर्तमान विधायक डॉ. प्रेमसाय सिंह के साथ राज्य अजजा आयोग अध्यक्ष भानू प्रताप सिंह, विद्यासागर सिंह, शिवभजन मराबी सहित अन्य दावेदार शामिल हैं।

रामानुजगंज से आए 10 आवेदन

बलरामपुर जिले के रामानुजगंज विधानसभा क्षेत्र से विधायक बृहस्पति सिंह, अंबिकापुर के महापौर डा.अजय तिर्की के अलावे सुनील कन्हरे, गोविंद राम, शिवभरोश लकड़ा, सुनील सूर्यवंशी, प्रभात बेला मरकाम, नंदलाल सिंह सहित 10 आवेदन आए हैं।

सामरी में 34 आवेदन

सामरी विधानसभा क्षेत्र में संसदीय सचिव चिंतामणी महाराज सहित 34 आवेदन आए हैं। इनमें पूर्व विधायक महेश्वर पैकरा, विजय पैकरा, लालसाय मिंज, दिनेश कुजूर, जिपं सदस्य प्रभात बेला मरकाम, डॉ.शिवमंगल पैकरा, डोमनिक एक्का व दयासागर के नाम शामिल है।

पोस्टर विवाद और बदली तस्वीर

अंबिकापुर में एक ही दिन 100 से अधिक नेताओं द्वारा दावेदारी की शुरूआत पोस्टर विवाद के बाद शुरू हुई। डिप्टी सीएम टीएस सिंहदेव की अंबिकापुर सीट से सिंहदेव के अलावा किसी ने आवेदन नहीं किया था। एक दिन पूर्व ही खाद्यमंत्री के अत्यंत करीबी व राज्य खाद्य आयोग अध्यक्ष गुरूप्रीत सिंह बाबरा ने ऐलान किया कि वे अंबिकापुर से प्रत्याशी बनने के लिए आवेदन करेंगे। इसके बाद मुख्यमंत्री के भेंट-मुलाकात के लिए लगाए गए कई होर्डिंग्स व पोस्टरों में गुरूप्रीत सिंह बाबरा के चेहरे पर कागज चिपका हुआ नजर आया। बाबरा ने यह भी आरोप लगाया कि अंबिकापुर से उनकी दावेदारी के ऐलान के कारण यह हुआ है। बाबरा ने आवेदन जमा किया और फिर पूरे दिन आवेदकों की फार्म जमा करने के लिए लाइन लग गई।

ब्लॉक से पांच नाम, जिले से तीन नाम भेजे जाएंगे

कांग्रेस के प्रत्याशी चयन के लिए जमा आवेदनों की छंटनी ब्लाकों में की जाएगी। इनमें से पांच नाम जिला कांग्रेस कमेटी को भेजे जाएंगे। जिला कांग्रेस कमेटी तीन नामों को पैनल राज्य कांग्रेस कमेटी को प्रेषित करेगी।

इतने दावेदारों में कैसे बनेगा तीन से पांच नामों का पैनल ?

रायपुर। कांग्रेस में चुनाव लडने़ वालों की कतार लग गई है। हालांकि नियमों के तहत वे ब्लाक व जिला स्तर पर आवेदन लगा रहे हैं लेकिन जब प्रक्रिया आगे बढ़ेगी तो नाम की छंटनी हो जायेगी। जिला से प्रदेश ईकाई को जब नाम जायेगा तब तीन से पांच लोगों के नाम का पैनल भेजा जायेगा और यहीं पेंच उलझेगा कि आखिर कैसे नाम तय करेंगे? चुनाव समिति के सदस्यों की मानें तो उम्मीदवार चयन में पहली प्राथमिकता जीतने की क्षमता है। उसके बाद जातिगत समीकरण को ध्यान में रखा जाएगा। लेकिन हर दावेदार जीत का दावा भी कर रहे हैं। नाराजगी यदि बढ़ी तो पार्टी को अनुशासन का डंडा दिखाना पड़ सकता है।

कांग्रेस ही पहली सूची सितंबर के दूसरे सप्ताह तक आ सकती है। इसके लिए जिला कांग्रेस कमेटी से 30 अगस्त तक पैनल मंगाया गया है। वैसे तो प्रदेश के हर सीट पर लंबी सूची है यदि बात हम राजधानी के चारों सीट की ही करें तो रायपुर शहर की चार विधानसभा सीटों के लिए कांग्रेस से 92 दावेदारों ने दावा ठोक दिया है। रायपुर दक्षिण विधानसभा सीट से सबसे ज्यादा 36 दावेदार सामने आए हैं। ऐसे ही रायपुर उत्तर से 33, रायपुर पश्चिम से 14 और रायपुर ग्रामीण से 9 दावेदारों ने आवेदन दिया है। आवेदन जमा करने वालों में विधायक, पूर्व विधायक, महापौर, निगम-मंडल के पदाधिकारी, निगम के सदस्य और युवक कांग्रेस के नेता शामिल हैं।

संक्षिप्त समाचार

ईडी के छापे के विरोध में उतरे युवक कांग्रेसी

रायपुर। छत्तीसगढ़ में ईडी के छापे का युवक कांग्रेसियों ने विरोध शुरू कर दिया है। मुख्यमंत्री के राजनीतिक सलाहकार विनोद वर्मा के यहां ईडी का छापा पडने़ पर युवा कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष आकाश शर्मा, विनोद तिवारी नेतृत्व में कार्यकर्ताओं ने घर के बाहर विरोध प्रदर्शन पर बैठ गए हैं। वहीं भिलाई में सीएम के ओएसडी आशीष वर्मा के घर के बाहर भी समर्थकों और कांग्रेस कार्यकर्ताओं की भीड़ उमड़ी हुई है। ढोल नगाड़ों के साथ कार्यकर्ता ईडी के छापे का विरोध कर रहे और पीएम, ईडी मुर्दाबाद के नारे लगा रहे ? बताया जा रहा है कि ईडी के अधिकारियों ने ओएसडी आशीष वर्मा के घर प्रिंटर और फोटोकॉपियर मंगाया है। उनकी संपत्ति और दस्तावेजों की छानबीन कर रहे हैं। इधर ईडी के पुजारी पार्क स्थित दफ्तर की भी सुरक्षा बढ़ा दी गई है। यहां भी महादेव आनलाइन सट्टे से जुड़े तीन से चार लोगों को हिरासत में रखा है। दफ्तर की सुरक्षा में बीएसएफ की एक टुकड़ी बुलवाई गई है।

जिला निर्वाचन कार्यालय और छत्तीसगढ़ चेंबर ऑफ़ कॉमर्स के बीच एमओयू

रायपुर। आगामी विधानसभा निर्वाचन में रायपुर ज़िले की सभी सात विधानसभाओं में मतदान प्रतिशत बढ़ाने के लिए ज़िला प्रशासन द्वारा विशेष प्रयास किए जा रहे है । आज ज़िला निर्वाचन कार्यालय और रायपुर चेंबर ऑफ़ कॉमर्स के बीच मतदाता जागरूकता के लिए एमओयू सम्पादित हुआ। इस एमओयू के द्वारा छत्तीसगढ़ चेंबर ऑफ़ कॉमर्स अपने सभी व्यापारी सदस्यों, उनके संस्थानों-दुकानों में काम लेने वाले लोगों, श्रमिकों और उनके परिजनों को आगामी चुनाव में मतदान के लिए प्रेरित करेंगे। छत्तीसगढ़ चेंबर ऑफ़ कॉमर्स मतदाता जागरूकता अभियान चलाएगा । चेम्बर 18 आयु वर्ष से अधिक के सभी लोगों का नाम मतदाता सूची में दर्ज करवाने, विलोपन एवं संशोधन के काम में भी आवश्यक सहयोग देगा । चेंबर ऑफ़ कॉमर्स के सभी सदस्य मतदान दिवस के दिन उनके संस्थान में कार्य करने वाले सभी कर्मचारियों को वोट देने के लिए अवकाश प्रदान करेंगे। इसके साथ ही व्यवसायिक प्रतिष्ठानों के माध्यम से लोगो को विवेकपूर्ण, नैतिक तथा शत-प्रतिशत मतदान करने की अपील तथा जागरूकता लाने के कार्यक्रमों में आवश्यक सहयोग करेगा। चेम्बर ऑफ़ कॉमर्स शहर की आवासीय कालोनियों में मतदाता जागरूकता के लिए स्वीप कोर टीम को कार्यक्रम आयोजित करने में आवश्यक सहयोग भी प्रदान करेगा।

छत्तीसगढ़ी राजभाषा मंच के संरक्षक शुक्ला की घोषणा पत्र समिति से मुलाकात

रायपुर। छत्तीसगढ़ी राजभाषा मंच के संरक्षक और मोर चिन्हारी छत्तीसगढ़ी मंच के प्रांतीय संरक्षक नंद किशोर शुक्ला ने आज भाजपा प्रदेश घोषणा पत्र समिति से मिलकर छत्तीसगढ़ की मातृभाषाओं से संबंधित विभिन्न उपयोगी सुझाव दिया। समिति ने श्री शुक्ला की बातों को ध्यानपूर्वक सुना और उन सुझावों को यथा संभव घोषणा पत्र में शामिल करने की बात की। समिति ने श्री शुक्ला द्वारा मातृभाषाओं के विकास एवं प्रचार-प्रसार हेतु लगातार दिये जा रहे योगदान की प्रशंसा करते हुए श्री शुक्ला का अभिनंदन भी किया। इस अवसर घोषणा पत्र समिति के सह संयोजक द्वय अमर अग्रवाल और शिवरतन शर्मा, सदस्य चंद्रशेखर साहू, पंकज झा समेत पार्टी के पदाधिकारीगण उपस्थित थे।

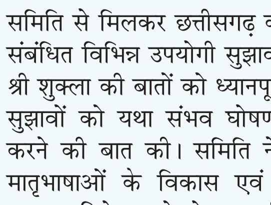

हाईप्रोफाइल सीट मरवाही विधानसभा पर भाजपा ने उतारा प्रत्याशी

गौरेला पेंड्रा मरवाही। बिलासपुर संभाग में कुल 24 विधानसभा सीटें हैं। इन सीटों में एक है मरवाही विधानसभा सीट। जो कि एक हाई प्रोफाइल सीट है। दरअसल, इस सीट से पूर्व सीएम अजीत जोगी विधायक थे। साल 2020 में अजीत जोगी के निधन के बाद जेसीसीजे ने इस सीट से किसी को उम्मीदवार नहीं बनाया। 2020 में हुए उपचुनाव में मरवाही विधानसभा से कांग्रेस के के। के धुव्र ने जीत हासिल की। केके ध्रुव ने भाजपा के गंभीर सिंह को 38 हजार 132 वोटों से हराया था। इस हार को भाजपा भूली नहीं। इस बार बीजेपी ने इसका तोड़ निकाला है। इस बार इस सीट से बीजेपी ने प्रणव कुमार मरपच्ची को उम्मीदवार घोषित कर दिया है।

जातिगत समीकरण- ये सीट अनुसूचित जनजातिवर्ग के लिए आरक्षित है। यहां अनुसूचित जनजाति के लोग 57.09 फीसद हैं। अनुसूचित जाति के 6.18 फीसद लोग रहते हैं। वहीं, ओबीसी वर्ग की संख्या यहां 15 फीसद है। साथ ही इस क्षेत्र में सामान्य वर्ग की आबादी 21.73 फीसद है। यहां अनुसूचित जनजाति वर्ग के लोग अधिक होने से इस जाति का दबदबा अधिक है। यही कारण है कि भाजपा ने यहां से प्रणव कुमार मरपच्ची को उम्मीदवार घोषित किया है। प्रणव फिलहाल भाजपा अनुसूचित जनजाति मोर्चा के जिला अध्यक्ष भी हैं। भाजपा ने मरवाही से प्रणव कुमार मरपच्ची को मरवाही विधानसभा का प्रत्याशी घोषित किया है। प्रणव कुमार मरपच्ची वर्तमान में भाजपा अनुसूचित जनजाति मोर्चा के जिला अध्यक्ष हैं। मरपच्ची दूसरी बार ग्राम पंचायत धरहर के सरपंच भी चुने गए हैं। ये मरवाही के ग्राम पंचायत धरहर के निवासी हैं। प्रणव कुमार भूतपूर्व सैनिक हैं। साल 1997 से 2014 तक उन्होंने भारतीय सेना में अपनी सेवाएं दी है।

वर्तमान विधायक- मरवाही के विधायक केके ध्रुव के पिता का नाम कृष्ण कुमार ध्रुव है। कोरबा में इनका जन्म हुई। डॉ ध्रुव को जनसेवा की इच्छा राजनीति में लेकर आई। पहली बार प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र लेमरू जिला कोरबा में ये पदस्थ हुए। साल 1998 से फरवरी 2001 तक यहीं काम किया। इसके बाद मरवाही में बतौर डॉक्टर अपनी सेवाएं दे चुके हैं। साल 2004 से ब्लॉक मेडिकल ऑफिसर के पद पर काम करते रहे। जब नौकरी छोड़ राजनीति करने का फैसला लिया तो कांग्रेस ने इन्हें टिकट दिया। फिलहाल ये मरवाही से विधायक हैं।

मतदाताओं की संख्या- मरवाही विधानसभा क्षेत्र में कुल मतदाता संख्या 193224 है। यहां पुरुष मतदाता ओं की संख्या 95001 है। जबकि इस सीट पर महिला मतदाता 98219 हैं। यहां पुरुष के मुकाबले महिला मतदाताओं की संख्या अधिक है।

क्षेत्र के मुद्दे और समस्याएं- मरवाही विधानसभा सीट एक हाईप्रोफाइल सीट है। हालांकि इस क्षेत्र में समस्याएं बहुत है। यहां आए दिन भालू और हाथी का तांडव देखने को मिलता है। वन्यजीव और मानव संघर्ष तो यहां आम है। इस क्षेत्र को भालू के क्षेत्र से भी जाना जाता है। यहां सफेद भालू भी पाए जाते हैं। पिछले कुछ सालों से यहां हाथियों का भी तांडव देखने को मिल रहा है। स्वास्थ्य व्यवस्था यहां बदहाल है। अस्पताल सिर्फ रेफर सेंटर के तौर पर ही काम कर रही है। भ्रष्टाचार का मुद्दा भी यहां गंभीर है। अधिकतर लोग यहां भ्रष्टाचार से परेशान है। शासकीय योजनाए तो यहां लागू है, पर किसी को भी उन योजनाओं का लाभ नहीं मिल रहा है।

2018 चुनाव और 2020 उपचुनाव की तस्वीर- साल 2018 में हुए विधानसभा चुनाव में यहां अजीत जोगी ने जीत हासिल की थी। हालांकि साल 2020 में उनका निधन हो गया। इसके बाद साल 2022 में यहां उपचुनाव हुआ। जेसीसीजे ने यहां से कोई प्रत्याशी नहीं उतारा।चुनाव में बीजेपी को हराकर कांग्रेस ने बाजी मार ली। कांग्रेस प्रत्याशी के के धुव्र ने भाजपा के गंभीर सिंह को 38 हजार 132 वोटों हरा दिया। उपचुनाव में कांग्रेस को 83372 वोट मिले थे। वहीं भाजपा को 45240 वोट मिले थे।

विनिंग फैक्टर- इस क्षेत्र में अनुसूचित जनजाति के लोग अधिक रहते हैं। यही कारण है कि इस बार बीजेपी ने इसी जाति से अपना प्रत्याशी मैदान में उतारा है। इस सीट पर अनुसूचित जनजाति के लोग ही विनिंग फैक्टर हैं। ये समाज ही यहां प्रत्याशियों के भाग्य का फैसला करता है।

कांकेर सीट से भाजपा के प्रत्याशी घोषित होने के बाद कांग्रेस ने मंगवाए आवेदन

कांकेर। कांकेर विधानसभा में भाजपा द्वारा प्रत्याशी को लेकर अपना पत्ता खेलने के बाद से जिले के तीनों विधानसभा में चुनावी सरगर्मी बढ़ गई है। अब कांग्रेस ने तीनों विधानसभा कांकेर, भानुप्रतापपुर और अंतागढ़ से टिकट के उम्मीदवारों से आवेदन मंगवाए गए हैं। प्रथम चरण में तीनों विधानसभा के सभी ब्लॉक अध्यक्षों को 22 अगस्त तक आवेदन सौंपना था। इसमें कुल 58 आवेदन प्राप्त हुए हैं। टिकट की दौड़ में वर्तमान विधायक से लेकर जिला पंचायत अध्यक्ष, जनपद अध्यक्ष, जनपद सदस्य, सरपंच के अलावा सरकारी अधिकारी कर्मचारी भी शामिल हैं। कांग्रेस की जिलाध्यक्ष के अलावा चारामा ब्लॉक अध्यक्ष ने भी दावेदारी पेश की है।

विधानसभा कांकेर में 21 नेताओं ने की दावेदारी

कांकेर विधानसभा सीट के लिए वर्तमान विधायक शिशुपाल शोरी के साथ 18 दावेदारों ने दावेदारी किया है, जिसमें विभिन्न बोर्ड के अलावा पंचायत प्रतिनिधि भी शामिल हैं। दावेदारी करने वालो में वर्तमान विधायक शिशुपाल शोरी, पूर्व विधायक शिशुपाल शोरी, पर्यटन बोर्ड के सदस्य नरेश ठाकुर, अजजा आयोग के सदस्य नितिन पोटाई, जिला पंचायत सदस्य नरोत्तम पडौटी, नरहरपुर जनपद पंचायत अध्यक्ष संजूलता नेताम, नरहरपुर जनपद पंचायत की पूर्व अध्यक्ष कौशिल्या शोरी, राजेश भास्कर, रमाशंकर दर्रो, नरोत्तम पडौटी, मिलाप सिंह मंडावी, रमेश गौतम, गोमती सलाम, चंद्रकांत ध्रुवा, शेखर सलाम, कमल ध्रुवा, रामचंद्र नेताम, सरजू शोरी, आदित्य कोमरे, संग्राम नेताम और महंत कुमार नरेटी ने शामिल हैं।

विधानसभा भानुप्रतापपुर से 28 दावेदार

विधानसभा कांकेर के लिए वर्तमान विधायक सावित्री मनोज मंडावी के साथ 19 दावेदारों ने दावेदारी किया है। दावेदारी करने वालो में वर्तमान विधायक सावित्री मंडावी, पूर्व मंत्री गंगा पोटाई, ब्लॉक कांग्रेस कमेटी चारामा अध्यक्ष ठाकुर राम कश्यप, विजय ठाकुर, जिला पंचायत अध्यक्ष हेमंत ध्रुव, जिला पंचायत सदस्य नवली मीना मंडावी, राजेंद्र सलाम, ललित नारायण गोटी, ललित नरेटी, वीरेंद्र कुमार गोटी, अरूण शोरी, अमिता उयके, जीवधर कावड़े, खम्मन लाल मरकाम, किशोर कुमार नेताम, कुबेल कुमार ठाकुर, सोनाराम तेता, अमर सिंह कचलाम, दामेश्वर दर्रो, सोंप सिंह कोमरे, धनीराम ध्रुव, तुषार ठाकुर, नागेश कोमरा, ममता ठाकुर, प्रमोद कोमरे, चेतन मरकाम, अंजली ठाकुर ने दावेदारी किया है।

विधानसभा अंतागढ़ से 11 दावेदार

वर्तमान विधायक अनूप नाग के साथ 11 दावेदारों ने दावेदारी की है। दावेदारी करने वालो में वर्तमान विधायक अनूप नाग, योजना आयोग की सदस्य कांति नाग, कांग्रेस जिलाध्यक्ष सुभद्रा सलाम, रतिराम दुग्गा, अंतागढ़ जनपद अध्यक्ष बद्रीनाथ गावड़े, रूप सिंह पोटाई , सुखीराम उसेंडी, कोयलीबेड़ा जनपद अध्यक्ष देवली नुरेटी, सुनीता ध्रुव, जगदेव कड़ियाम मंडागांव सरपंच, वन विभाग नारायणपुर में पदस्थ एसडीओ देवलाल दुग्गा शामिल हैं।

छत्तीसगढ़ ईडी पर छिड़ी रार: बीजेपी-कांग्रेस में जुबानी जंग

रायपुर। छत्तीसगढ़ में आज बुधवार को प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने फिर से छापेमारी की है। रायपुर में सीएम भूपेश के राजनीतिक सलाहकार विनोद वर्मा के देवेंद्र नगर स्थित निवास पर दबिश दी। इसके बाद सीएम के ओएसडी आशीष वर्मा और मनीष बंछोर के भिलाई-3 स्थित निवास पर भी छापेमारी की। वहीं सीएम के पारिवारिक मित्र और कारोबारी विजय भाटिया के घर भी जांच पड़ताल चल रही है। अब इस मामले में प्रदेश की सियासत गरमाई हुई है। बीजेपी और कांग्रेस में जुबानी जंग छिड़ी हुई है। इस कार्रवाई के विरोध में युका ने रायपुर में विनोद वर्मा के घर पर विरोध प्रदर्शन किया। केंद्र सरकार के खिलाफ जमकर नारेबाजी।

मामले में शाम को प्रदेश कांग्रेस संचार विभाग के अध्यक्ष सुशील आनंद शुक्ला ने प्रेस कॉन्फ्रेंस लेकर बीजेपी पर जमकर बरसे। उन्होंने कहा कि क्ष्छ्क्क छत्तीसगढ़ में राजनीतिक रूप से छत्तीसगढ़ सरकार और सीएम भूपेश बघेल का मुकाबला नहीं कर पा रही है, तो श्वष्ठ को आगे कर रही है। कांग्रेस की राजनीतिक गतिविधियों को बाधित करने के लिए आज श्वष्ठ की छापेमारी की गई। हमारे इस सारे आरोपों का तथ्य है। सीएम के राजनीतिक सलाहकार विनोद वर्मा के घर श्वष्ठ ने छापा मारा। वर्मा कांग्रेस कमेटी में बूथ मैनेजमेंट का काम देखते हैं। पूरे प्रदेश में चुनावी गतिविधियां चल रही हैं। बहुजन समाज पार्टी ने अपने कुछ प्रत्याशियों की घोषणा कर दी है। बीजेपी ने भी अपने कि प्रत्याशियों की घोषणा कर दी है। कांग्रेस में भी प्रत्याशियों की चयन प्रक्रिया चल रही है। ऐसे समय में कांग्रेस पार्टी के राजनीतिक कार्यक्रमों में बांधा पहुंचाने के लिए विनोद वर्मा के घर में ईडी का छापा मारा गया है।

उन्होंने कहा कि वर्मा कांग्रेस के बूथ कार्यक्रमों को देखते हैं। आज सीएम भूपेश बघेल अपना जन्मदिन मना रहे हैं। मुख्यमंत्री के जन्मदिन पर प्रदेश में अनेक आयोजन किया जा रहे हैं। उनके जन्मदिन पर लोग बधाई देते हैं। सीएम के दोनों ओएसडी उनके जन्मदिन का कार्यक्रम देखते हैं। आज भी पाटन में बड़ा कार्यक्रम आयोजित किया गया है।

लोरमी में धर्मजीत सिंह का काट नहीं खोज पाई कोई भी पार्टी

मुंगेली। जिले की लोरमी विधानसभा सीट से कई कद्दावर विधायक चुनकर आये हैं। पहले इस सीट को कांग्रेस का गढ़ माना जाता था। लेकिन समय समय पर कभी कांग्रेस तो कभी बीजेपी के प्रत्याशी इस सीट से विधायक चुने गए। धर्मजीत सिंह नें 4 बार विधायक का चुनाव जीतकर इस सीट पर नया कीर्तिमान बनाया। वर्तमान में लोरमी विधानसभा सीट से धरमजीत सिंह ही विधायक है। धरमजीत सिंह हालांकि 2018 के चुनाव में जेसीसीजे से चुनकर आये थे, लेकिन पार्टी से निष्कासन के बाद कुछ ही दिन पहले उन्होंने भाजपा का दामन थाम लिया है।

मतदाताओं की संख्या- लोरमी विधानसभा क्षेत्र में कुल मतदाताओं की संख्या 194511 है। जिसमें पुरुष मतदाताओं कती संख्या 99747 है। जबकि महिला मतदाताओं की संख्या 94761 है। वहीं इस सीट पर 3 ट्रांसजेंडर मतदाता भी हैं।

जातीय समीकरण-लोरमी विधानसभा के जातिगत समीकरण पर नजर डालें, तो इस सीट में आदिवासी और सामान्य वर्ग का दबदबा है। लोरमी विधानसभा क्षेत्र में सबसे ज्यादा वोटर एससी वर्ग के हैं। जिनकी संख्या 52 से 54 हजार के बीच है। वहीं साहू समाज के लगभग 32 से 34 हजार वोटर हैं। इसके अलावा लगभग 18 हजार आदिवासी भी निवास करते हैं। सामान्य वर्ग के लगभग 42 से 45 हजार वोटर है, वहीं बाकी अन्य वर्ग के हैं।

लोरमी विधानसभा सीट में पहली बार चुनाव हुआ 1957 में हुआ। छत्तीसगढ़ राज्य गठन के बाद से अब तक 4 चुनाव हुए हैं। जिनमें से सिर्फ एक बार भाजपा को इस सीट पर जीत मिली, बाकि सभी चुनाव में धर्मजीत सिंह ने जीत दर्ज की। चाहे वो जिस भी पार्टी से चुनाव लड़े हो। कांग्रेस उम्मीद्वार धर्मजीत सिंह 1998 में धर्मजीत सिंह पहली बार इस सीट से भाजपा के मुनीराम साहू को हराकर विधायक बनें। इसके बाद 2003 में धर्मजीत सिंह ने कांग्रेस की टिकट पर चुनाव लड़ा और भाजपा के मुनीराम साहू के हरा दिया। 2008 में कांग्रेस से फिर एक बार सीटिंग एमएलए धर्मजीत सिंह ने भाजपा के जवाहर साहू को हराकर तीसरी बाद विधायक चुने गए। लेकिन 2013 में धर्मजीत सिंह को भाजपा के तोखन साहू से हार मिली। 3 बार के विधायक रहे धर्मजीत सिंह ने 2016 में जेसीसीजे में शामिल हो गये। धर्मजीत सिंह ने 2018 के विधानसभा चुनाव में जेसीसीजे पार्टी के चुनाव चिन्ह पर चुनाव लड़ा और भाजपा के तोखन साहू को हराकर चौथी बार विधायक चुने गए।

मुद्दे और समस्याएं- लोरमी विधानसभा प्राकृतिक की गोद में बसा है। यह क्षेत्र पर्यटन के नजरिए से समृद्ध है। लेकिन पर्यटन को लेकर क्षेत्र में आज तक कोई काम नहीं हो पाया है। यहां प्रदेश का सबसे पहला टाईगर रिजर्व मौजूद है, जिसे अचानकमार टाईगर रिजर्व कहा जाता है। इसके वनांचल में राष्ट्रपति के दत्तक पुत्र माने जाने वाले बैगा आदिवासी बड़ी संख्या में निवास करते हैं, जो विकास की मुख्यधारा से आज भी कोसो दूर हैं। अचानकमार टाइगर रिजर्व के कोर एरिया में बसे 25 गांवों को विस्थापन के लिए चुना गया था। जिसमे से 6 गांवों का विस्थापन 2010 में कर दिया गया। लेकिन 19 गांवों के सैकड़ों लोग 13 साल बाद भी विस्थापन की राह तांक रहे हैं। विस्थापन नहीं होने से इन्हे शासकीय योजानाओं का लाभ नहीं मिल रहा। उद्योग धंधा नहीं होने से क्षेत्र में बेरोजगारी सबसे बड़ी समस्या बनकर उभरी है। वहीं क्षेत्र की खराब सड़कें, पानी और बिजली की समस्या बरसों से जस की तस बनी हुई है। जिले का राजीव गांधी जलाशय भी इसी क्षेत्र में है। इसके बावजूद इलाका कई बार सूखे की मार झेल चुका है।

2018 चुनाव में लोरमी सीट के नतीजे- विधानसभा चुनाव 2018 में धर्मजीत सिंह ने जेसीसीजे की ओर से चुनाव लड़ा। धर्मजीत सिंह ने भाजपा के तोखन साहू को 2600 वोटों के अंतर से हरा दिया। इस चुनाव में जेसीसीजे से धर्मजीत सिंह को 67742 वोट मिले। वहीं भाजपा प्रत्यशी तोखन राम साहू को 42189 वोट मिले थे। वहीं तीसरे स्थान पर कांग्रेस के शत्रुघ्न लाल चंद्राकर को 16669 वोट ही मिला था।

सफल लैंडिंग अमृत काल की अमृत वर्षा: मंडाविया

पीएम नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत का वह स्वर्ण काल है जिसकी प्रतीक्षा भारत कर रहा था

रायपुर। भारत के चंद्रयान-3 की सफलतापूर्वक चांद पर लैंडिंग का प्रसारण भाजपा कार्यालय में देखा गया। जैसे ही चंद्रयान-3 चांद पर उतरा, वैसे ही हर्ष का सागर हिलोरे मारने लगा। केंद्रीय मंत्री एवं छत्तीसगढ़ भाजपा के चुनाव सह प्रभारी मनसुख मंडाविया ने कहा कि अमृत काल में अमृत वर्षा की तरह हमारा यह चंद्रयान मिशन सारी दुनिया के सामने आया है। भारत फिर से विश्व गुरु के पद पर अधिष्ठित हुआ है। वैज्ञानिक जगत में भारत सिरमौर बन गया है। यह प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत का वह स्वर्ण काल है जिसकी प्रतीक्षा भारत कर रहा था।

उन्होंने आगे कहा कि हमारे विज्ञान और तकनीकी के सामने आज सारी दुनिया बौनी नजर आ रही है। हमारे वैज्ञानिकों ने वो कर दिखाया, जो आज तक विकसित देशों के वैज्ञानिक नहीं कर सके। भारत ने चंद्रमा के दक्षिणी ध्रुव पर तिरंगा लहरा दिया। आज सारा देश खुशी से झूम रहा है। हमारे वैज्ञानिक दुनिया के सर्वश्रेष्ठ अंतरिक्ष विज्ञानी के रूप में प्रतिष्ठापित हुए हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आत्मनिर्भर भारत की जिस अवधारणा पर काम किया है और कर रहे हैं, यह सफलता उसका प्रतिबिंब है।

प्रदेश भाजपा अध्यक्ष अरुण साव ने कहा कि हमारे वैज्ञानिक विश्व में सर्वश्रेष्ठ हैं। हमारा इसरो अंतरिक्ष विज्ञान का सबसे बड़ा केंद्र है। आज सारी दुनिया ने भारत और उसके अनुसंधान संस्थान इसरो का लोहा मान लिया है। हमारे वैज्ञानिक कभी हार नहीं मानते। पिछली विफलता ने हमें दुखी अवश्य किया था लेकिन हम हताश नहीं हुए। क्योंकि हमारा नेतृत्व हार को जीत में बदलने का मंत्र देता है। हम आपदा में अवसर तलाशते हैं। उन्होंने आगे कहा कि पिछली विफलता जब चंद्रयान-2 की अंतिम समय में तकनीकी दिक्कत से हमारे सामने आई, तब हमारे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने वैज्ञानिकों का मनोबल बढ़ाया। जिसका सार्थक परिणाम सामने आया है कि आज हम स्पेस टेक्नोलॉजी के सबसे चमकदार सितारे बन चुके हैं। आज भारत के मुकाबले कोई भी नहीं है। जब नेतृत्व सक्षम हो तो उससे वैज्ञानिकों को संबल मिलता है। हमारे वैज्ञानिकों में कभी कोई कमी नहीं रही। लेकिन भारत के राजनीतिक नेतृत्व में वैज्ञानिकों को दुनिया का सिरमौर बनाने का माद्दा नहीं था। आज सक्षम नेतृत्व है और हमारे सक्षम वैज्ञानिक दुनिया के सामने एक मिसाल पेश कर चुके हैं।

प्रदेश भाजपा सह प्रभारी नितिन नबीन ने कहा कि आज इसरो ने जो सफलता अर्जित की है, वह आने वाले समय में भारत को और अधिक मजबूत बनाने की प्रेरणा दे रही है। हमारे वैज्ञानिक चंद्रमा पर जीत दर्ज करने के बाद अब दुनिया को अंतरिक्ष की जो जानकारी देंगे, वह भारत ही कर सकता था और भारत ने कर दिया।

भाजपा प्रदेश संगठन महामंत्री पवन साय ने इसरो के वैज्ञानिकों को बधाई देते हुए कहा कि उन्होंने देश की 140 करोड़ जनता का सीना गर्व से चौड़ा कर दिया है। भारत का मस्तक और ऊंचा हुआ है। भविष्य में हमारे वैज्ञानिक ऐसी ही उपलब्धियां अर्जित करते रहेंगे, जिन्हें देखकर दुनिया दांतों तले उंगली दबा लेगी। इस अवसर पर प्रदेश भाजपा महामंत्री द्वय ओपी चौधरी, विजय शर्मा, भाजपा मीडिया समिति संयोजक रसिक परमार, घोषणा पत्र समिति सदस्य पंकज झा, मीतुल कोठारी सहित बड़ी संख्या में नेता व कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

रक्षाबंधन के बाद भाजपा की 32 प्रत्याशियों की दूसरी सूची होगी जारी

रायपुर। विधानसभा चुनाव में भाजपा ने 21 प्रत्याशी घोषित करके बढ़त बनाने की कोशिश की है। अब भाजपा प्रत्याशियों की दूसरी सूची रक्षाबंधन के बाद आने की चर्चा है। इसे लेकर प्रदेश प्रभारी सहित आला नेताओं की प्रदेश कार्यालय कुशाभाऊ ठाकरे परिसर में मंथन किया। बताया जा रहा है कि दूसरी सूची में 32 प्रत्याशियों की घोषणा हो सकती है। इसमें बस्तर, बिलासपुर संभाग की पांच, सरगुजा की सात, रायपुर संभाग की छह और दुर्ग संभाग की दस सीट हैं। इस सूची में मंत्रियों की विधानसभा सीट पर उम्मीदवार घोषित किए जाएंगे।

भाजपा के उच्च पदस्थ सूत्रों की मानें तो दूसरी सूची में उन नेताओं के नाम भी शामिल होंगे, जिन्होंने पिछले दिनों पार्टी में प्रवेश किया है। सतनामी समाज के धर्मगुरु बाबा बालदास ने भाजपा प्रवेश किया है। उनके बेटे गुरु खुशवंत साहेब ने आरंग विधानसभा सीट से भाजपा के टिकट के लिए दावेदारी की है। वहीं, बुधवार को नौकरी से इस्तीफा देकर राजनीति में आए आइएएस नीलकंठ टेकाम पार्टी की सदस्यता लेंगे। टेकाम कांकेर या कोंडागांव की किसी सीट से दावेदारी कर रहे हैं।

आइएएस नीलकंठ टेकाम ने वीआरएस के लिए आवेदन दिया था, लेकिन सरकार ने स्वीकार नहीं किया। इसके बाद उन्होंने इस्तीफा देकर राजनीति में आने का निर्णय लिया। टेकाम लोकतंत्र की नर्सरी कहे जाने वाली छात्र संघ चुनाव में हिस्सा लेकर कालेज का प्रतिनिधित्व कर चुके हैं। वह अविभाजित मध्यप्रदेश में खंडवा महिला कॉलेज में प्रोफेसर थे। बाद में डिप्टी कलेक्टर चयनित होकर बस्तर का नाम गौरवान्वित किया। जगदलपुर एसडीएम के पद पर थे। 2008 में आइएएस कैडर आवंटित होने के बाद वह कोंडागांव के कलेक्टर भी रहे।

पूर्व आईएएस टेकाम का भाजपा प्रवेश

रायपुर । विधानसभा चुनाव को लेकर प्रदेश में सरगर्मी तेज है। ऐसे में लगातार पार्टियों में प्रवेश करने का सिलसिला चल रहा है। कोंडागांव जिले के पूर्व कलेक्टर नीलकंठ टेकाम भाजपा में शामिल हो गए हैं। छत्तीसगढ़ के 2008 बैच के ङ्कस् ऑफिसर नीलकंठ टेकाम को छत्तीसगढ़ बीजेपी प्रदेश प्रभारी ओम माथुर ने केशकाल में भाजपा की सदस्यता दिलाई। नीलकंठ टेकाम के वीआरएस के आवेदन पर केंद्र सरकार ने 17 अगस्त 2023 को मंजूरी दे दी थी। टेकाम केशकाल या कोंडागांव से विधानसभा चुनाव लड़ सकते हैं। कांकेर के अंतागढ़ के सरईपारा निवासी टेकाम की इलाके में काफी सक्रियता है। पूर्व आइएएस ओपी चौधरी के बाद टेकाम दूसरे ङ्कस् हैं, जिन्होंने भाजपा की सदस्यता के लिए नौकरी से वीआरएस लिया है।

बीजेपी उन्हें केशकाल से टिकट दे सकती है। टेकाम ने पहले वीआरएस के लिए आवेदन भी दिया था। कांकेर जिले के अंतागढ़ सरईपारा निवासी टेकाम की स्कूली शिक्षा भी कांकेर से ही हुई है। उन्होंने शासकीय गवर्मेंट कॉलेज से समाजशास्त्र से एमए किया है। यहां के वो छात्रसंघ अध्यक्ष भी रह चुके हैं।

कोंडागांव में कलेक्टर रहते हुए उन्होंने नीति आयोग के आकांक्षी जिलों में कोंडागांव को नंबर वन बनाया। वे साल 2028 में रिटायर होंगे। साल 2008 में उन्हें आईआएएस अवॉर्ड भी मिल चुका है। वर्ष 1994 में उन्होंने एमपीपीएससी निकालकर एसटी वर्ग में टॉपर बने। वे ज्यादातर बस्तर संभाग में ही पदस्थ रहे। जगदलपुर में करीब 6 साल तक एसडीएम से लेकर अपर कलेक्टर के रूप में सेवाएं दी। जगदलपुर नगर निगम का कमिश्नर भी रह चुके हैं। दंतेवाड़ा जिला पंचायत सीईओ की जिम्मेदारी भी संभाल चुके हैं। अविभाजित मध्यप्रदेश में उन्होंने चुनाव लड़ने के लिए इस्तीफा दे दिया था उस समय वो बड़वानी जिले में एसडीएम के पद पर कार्यरत थे। निर्दलीय उम्मीदवार अपना नामांकन भी दाखिल कर दिया था, लेकिन सरकार ने उनका इस्तीफा स्वीकार नहीं किया। उनका नामांकन वापस कराया गया। इसके बाद उन्होंने फिर से नौकरी ज्वाइनिंग कर ली।

आईएएस ओपी चौधरी ने भी पिछले साल लड़ा था चुनाव

इससे पहले 2005 बैच के आईएएस ओपी चौधरी ने भी पिछले विधानसभा चुनाव में इस्तीफा देकर खरसिया से चुनाव लड़ा था, लेकिन वो जीत नहीं पाए। इसके बाद से वो राजनीति में सक्रिय रहे। वर्तमान में वो छत्तीसगढ़ बीजेपी के प्रदेश महामंत्री की जिम्मेदारी देख रहे हैं। सूत्रों के अनुसार बीजेपी उन्हें चंद्रपुर विधानसभा सीट से टिकट दे सकती है।

बस्तर में 12 सीटों पर फोकस

भाजपा प्रदेश प्रभारी ओम माथुर ने केशकाल में आयोजित कार्यकर्ता सम्मेलन में कहा कि बस्तर विजय का विजन हमारे पास है और बस्तरवासियों के सपने को पूरा करने हमारे पास एक मजबूत कार्य योजना है। बस्तर के विजय के लिए हमारे प्रत्येक कार्यकर्ता तन्मयता से जुटे हुए हैं। हम सबको प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को और मजबूत करना है। पूर्व कलेक्टर नीलकंठ टेकाम ने बीजेपी के विजय अभियान में जुड़ने का संकल्प लिया है। हम सब उनका स्वागत करते हैं बस्तर में 12 के 12 का लक्ष्य हमारा है जिससे पूरा करने सभी एक लक्ष्य के साथ जुट जाएं।

जिला निर्वाचन कार्यालय और छत्तीसगढ़ चेंबर ऑफ़ कॉमर्स के बीच एमओयू

रायपुर। आगामी विधानसभा निर्वाचन में रायपुर ज़िले की सभी सात विधानसभाओं में मतदान प्रतिशत बढ़ाने के लिए ज़िला प्रशासन द्वारा विशेष प्रयास किए जा रहे है। आज ज़िला निर्वाचन कार्यालय और रायपुर चेंबर ऑफ़ कॉमर्स के बीच मतदाता जागरूकता के लिए एमओयू सम्पादित हुआ।इस एमओयू के द्वारा छत्तीसगढ़ चेंबर ऑफ़ कॉमर्स अपने सभी व्यापारी सदस्यों, उनके संस्थानों-दुकानों में काम लेने वाले लोगों, श्रमिकों और उनके परिजनों को आगामी चुनाव में मतदान के लिए प्रेरित करेंगे। छत्तीसगढ़ चेंबर ऑफ़ कॉमर्स मतदाता जागरूकता अभियान चलाएगा चेम्बर 18 आयु वर्ष से अधिक के सभी लोगों का नाम मतदाता सूची में दर्ज करवाने, विलोपन एवं संशोधन के काम में भी आवश्यक सहयोग देगा। चेंबर ऑफ़ कॉमर्स के सभी सदस्य मतदान दिवस के दिन उनके संस्थान में कार्य करने वाले सभी कर्मचारियों को वोट देने के लिए अवकाश प्रदान करेंगे।

डॉक्टर्स व पैरामेडिकल स्टाफ पर एस्मा लगाकर दादागिरी कर रही है: चंद्राकर

रायपुर। भारतीय जनता पार्टी के मुख्य प्रदेश प्रवक्ता व पूर्व स्वास्थ्य मंत्री अजय चंद्राकर ने कहा है कि आंदोलनरत स्वास्थ्य कर्मचारियों पर एस्मा लागू करने के बजाए उप मुख्यमंत्री व स्वास्थ्य मंत्री टी.एस. सिंहदेव को खुद पर एस्मा लागू करके अपने पद से इस्तीफा दे देना चाहिए। जिस कांग्रेस ने अपने जन घोषणा पत्र में बड़े-बड़े वादे किए थे, उस कांग्रेस की सरकार अपने वादे पूरे नहीं कर पाई, इसके लिए घोषणा पत्र के रचनाकार उप मुख्यमंत्री सिंहदेव को अपनी नैतिक जिम्मेदारी स्वीकार करनी चाहिए।

भाजपा के मुख्य प्रदेश प्रवक्ता व पूर्व मंत्री श्री चंद्राकर ने बुधवार को एकात्म परिसर स्थित भाजपा कार्यालय में पत्रकारों से चर्चा के दौरान कहा कि आज पूरा छत्तीसगढ़ मौत के मुहाने पर खड़ा है। पहले जूडो की हड़ताल से स्वास्थ सेवा पटरी से उतर गई थी अब 5200 उप स्वास्थ्य केंद्र, 650 प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र, जिला अस्पताल, मेडिकल कॉलेज के 40,000 डॉक्टर से लेकर नर्सिंग संवर्ग, ग्रामीण स्वास्थ्य संयोजक आज हड़ताल पर है। प्रदेश की कांग्रेस सरकार ने अपने जन घोषणा पत्र में वो सारी बातें कही हैं जिनकी मांग डॉक्टर्स से लेकर पेरामेडिकल स्टाफ और स्वास्थ्य विभाग के विभिन्न संगठन कर रहे हैं। लेकिन उनकी मांगे पूरा करने के बजाय प्रदेश सरकार आंदोलनरत डॉक्टर्स व पेरामेडिकल स्टाफ पर एस्मा लगाकर दादागिरी कर रही है। यह सरकार %एस्मा सरकार% है। कांग्रेस के नेताओं ने बेसुधी में जन घोषणा पत्र में बड़ी-बड़ी बातें तो लिख दीं और यह लिखने वाले स्वास्थ्य मंत्री सिंहदेव खुद हैं। अब उन्हें वादा पूरा नहीं कर पाने की नैतिक जिम्मेदारी लेकर अपने पद से अलग हो जाना चाहिए।

छह महीने की बकाया राशि रहने पर भी मिलेगा हाफ बिजली बिल योजना का लाभ

रायपुर । राज्य शासन ने अपनी लोकप्रिय हाफ बिजली बिल योजना का विस्तार करते हुए उपभोक्ताओं को और बड़ी राहत दी है। अब इस योजना का लाभ उन उपभोक्ताओं को भी मिलेगा, जिनका बिजली बिल छह माह से बकाया है। पहले इस योजना का लाभ लेने के लिए पात्रता सीमा दो महीने थी। ऊर्जा विभाग ने इस संबंध में आदेश जारी कर दिया और कंपनी के बिलिंग सॉफ्टवेयर में ज़रूरी संशोधन कर दिए गए हैं।मुख्यमंत्री श्री भूपेश बघेल एवं उपमुख्यमंत्री श्री टीएस सिंहदेव ने प्रदेश के लगभग 49 लाख घरेलू और बीपीएल उपभोक्ताओं को इसकी सौगात दी है। छत्तीसगढ़ स्टेट पॉवर डिस्ट्रीब्यूशन कंपनी लिमिटेड के सभी घरेलू उपभोक्ताओं द्वारा प्रति माह खपत की गई 400 यूनिट तक की बिजली पर प्रभावशील विद्युत की दरों के आधार पर आकलित बिल की राशि का आधी राशि देनी होती है। फरवरी 2019 से लागू इस योजना का लाभ 42.82 लाख उपभोक्ताओं को मिल रहा है। जिसमें अब तक 3900 करोड़ रूपए से अधिक राशि की छूट प्रदान की जा चुकी है।

पहले उपभोक्ताओं को लगातार दो महीने तक बिजली बिल जमा नहीं करने पर तीसरे महीने में हाफ बिजली बिल योजना का लाभ नहीं मिल पाता था। अब इसकी सीमा छह महीने कर दी गई है।

छत्तीसगढ़/राजधानी
प्रमुख समाचार

कांग्रेस राज आदिवासी समाज के लिये स्वर्णिमकाल : बैज

रायपुर। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज ने कहा कि कांग्रेस राज आदिवासी समाज के लिये स्वर्णिम है। पिछले पांच साल में आदिवासी समाज के उत्थान के लिये मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के नेतृत्व में अनेको महत्वपूर्ण योजनाएं बनाकर उनका प्रभावी क्रियान्वयन करवाया गया है जिससे आदिवासी समाज के लोगों के जीवन स्तर पर व्यापक परिवर्तन आया है। कांग्रेस सरकार ने पांच साल में आदिवासी वर्ग के शिक्षा, रोजगार, स्वास्थ्य के एवं कानूनी अधिकार के लिये अनेको कार्य किया। कांग्रेस सरकार ने आदिवासियों से किए वादों को पूरा किया। चार साल में आदिवासी वर्ग के हित के लिए अनेक जनकल्याणकारी योजना बनाई गई। आदिवासियों के शिक्षा, स्वास्थ्य, रोजगार, जल, जंगल, जमीन, उनके कानूनी अधिकारों के लिए काम किया गया है। विश्व आदिवासी दिवस के दिन 9 अगस्त को सार्वजनिक अवकाश, राष्ट्रीय आदिवासी नृत्य महोत्सव का आयोजन सहित अनेक जनकल्याणकारी योजना बनाकर आदिवासी वर्ग को आर्थिक रूप से मजबूत सक्षम बनाने के लिए काम किया गया। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल की सरकार ने आदिवासी वर्ग के चहुंमुखी विकास के लिए रोजगार मूलक योजनाएं बनाई। बस्तर क्षेत्र में आदिवासी के वर्ग शिक्षा के लिए 300 से अधिक बंद स्कूलों को खोला गया। नक्सलवाद को खत्म करने के लिए विश्वास, विकास और सुरक्षा के नीतियों के तहत काम किया गया।

पशुओं को सड़कों पर आने से रोकने 28 अगस्त से 3 सितम्बर तक चलेगा विशेष अभियान

रायपुर। मुख्य सचिव श्री अमिताभ जैन ने राज्य के सभी जिलों के कलेक्टरों को निर्देश दिए हैं कि सड़कों पर मवेशियों से होने वाली दुर्घटनाओं को रोकने के लिए 28 अगस्त से 3 सितम्बर तक विशेष अभियान चलाकर जरूरी कार्यवाही करें। उन्होंने कलेक्टरों से कहा है कि वे सड़कों पर पहुंचकर आकस्मिक निरीक्षण करें। मुख्य सचिव ने कलेक्टरों से कहा है कि सड़कों पर पशु होने की शिकायत करने एवं निराकरण के लिए हर जिले में आम जनता, यात्रियों एवं मीडिया के लिए एक टोल फ्री नम्बर अनिवार्य रूप से स्थापित करें और इसकी जानकारी लोगों को होर्डिंग्स, साइन बोर्ड और अन्य संसाधनों के माध्यम से दी जाए। मुख्य सचिव ने आज यहां मंत्रालय महानदी भवन से माननीय उच्च न्यायालय के आदेश के परिपालन में सड़कों पर पशुओं के कारण हो रही दुर्घटनाओं को रोकने के संबंध में आवश्यक कार्यवाही सुनिश्चित करने निर्देश दिए। सरगुजा एवं बिलासपुर संभागायुक्त और गौरेला-पेण्ड्रा-मरवाही, कोरबा, मुंगेली, जांजगीर-चांपा, सक्ती, रायगढ़, सारंगढ़-बिलाईगढ़, सरगुजा, जशपुर, कोरिया, मनेन्द्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर, बलरामपुर, बिलासपुर और सूरजपुर के कलेक्टरों से वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए सड़कों से पशुओं को हटाएं जाने की व्यवस्था की समीक्षा की। उल्लेखनीय है कि मुख्य सचिव ने कल रायपुर, बस्तर और दुर्ग के संभागायुक्तों एवं इन संभागों के कलेक्टरों से पशुओं के सड़कों पर आने से रोकने के लिए की गई तमाम व्यवस्थाओं की समीक्षा की थी।

साव है मोदी शाह की कठपुतली : ठाकुर

रायपुर। प्रदेश कांग्रेस प्रवक्ता धनंजय सिंह ठाकुर ने कहा कि कांग्रेस पार्टी में आंतरिक लोकतंत्र है यहां सभी को अपनी इच्छा व्यक्त करने का दावेदारी करने का अधिकार है और असहमति का पूरा सम्मान है। प्रदेश के सभी ब्लाक संगठनों में विधानसभा प्रत्याशी बनने मुख्यमंत्री भूपेश बघेल से लेकर आम कार्यकर्ताओ ने आवेदन किया है यही लोकतंत्र की खूबसूरती है। प्रदेश कांग्रेस प्रवक्ता धनंजय सिंह ठाकुर ने कहा कि विधानसभा में दावेदारी करने भाजपा के नेता और कार्यकर्ता आवेदन लेकर गली-गली भटक रहे हैं। मंडल से लेकर जिला संगठन और प्रदेश संगठन कार्यालय में आवेदन लेने कोई तैयार नहीं है। आवेदन पत्र को देखकर भाजपा के पदाधिकारी मुंह चुराने लग जाते हैं चेहरा छुपाने लग जाते हैं। भाजपा में लोकतंत्र नाम की चीज नहीं है। वहाँ कार्यकर्ताओ का इच्छा व्यक्त करना असहमति प्रकट करना गुनाह माना जाता है। भाजपा में तानाशाही है वहाँ मोदी और शाह के आगे किसी की नहीं चलती है। मोदी, शाह कार्यकर्ताओं की नही सुनते सीधा तुगलकी फरमान जारी करते है। जेपी नड्डा, रमन सिंह हो या अरुण साव सब नाम मात्र के पदाधिकारी हैं। असल में ये सब मोदी और शाह के हाथों की कठपुतली है ये वही करेंगे जो मोदी और शाह चाहेंगे। अभी मोदी और शाह ने जो 21 प्रत्याशियों की सूची जारी की है।

मुख्य न्यायाधीश ने रायगढ़ और सक्ती न्यायालय का किया निरीक्षण

रायपुर। छत्तीसगढ़ उच्च न्यायालय, बिलासपुर के मुख्य न्यायाधीश श्री रमेश सिन्हा हाईकोर्ट के मामलों की सुनवाई पश्चात् 22 अगस्त 2023 को औचक निरीक्षण हेतु रायगढ़ पहुंचे। रायगढ़ जाते समय उनके द्वारा सक्ती न्यायालय का भी निरीक्षण किया गया। उल्लेखनीय है कि सक्ती में अतिरिक्त जिला एवं सत्र न्यायाधीश व व्यवहार न्यायाधीशों के न्यायालय हैं। निरीक्षण के समय न्यायालयों में प्रकरणों की सुनवाई चल रही थी तथा कर्मचारी कार्य कर रहे थे। सक्ती न्यायालय में पार्किंग व्यवस्था अत्यन्त खराब पायी गयी। अधिवक्ताओं के बैठने हेतु कोई उचित व्यवस्था नहीं थी। न्यायालय के बरामदे में फर्नीचर जीर्ण-शीर्ण हालत में व अस्त-व्यस्त रखे हुये थे। बरामदे में बिजली के तार भी खुली हालत में अव्यवस्थित तरीके से दिखाई दे रहे थे। न्यायालय में साफ-सफाई भी नही थी। बरामदे में रखी कियोस्क मशीन बंद थी तथा उसमें धूल लगी हुयी थी। न्यायालय की अधोसंरचना न्यायालय की गरिमा के अनुरूप नहीं थी। उक्त अव्यवस्था को देखकर मुख्य न्यायाधीश ने नाराजगी जाहिर की तथा सुधार हेतु आवश्यक दिशा-निर्देश दिये। मुख्य न्यायाधीश ने अधिवक्ताओं से भी मुलाकात की तथा उनसे उनकी समस्याएं जानी। इसके उपरांत मुख्य न्यायाधीश द्वारा जिला न्यायालय रायगढ़ का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के समय न्यायिक अधिकारी न्यायालयों में पीठासीन थे तथा प्रकरणों की सुनवाई चल रही थी। उन्होंने जिला न्यायालय के लगभग समस्त कक्षों का निरीक्षण किया। रिकार्ड रूम में प्रकरणों को उचित व्यवस्थित रूप से रखने हेतु जिला एवं सत्र न्यायाधीश, रायगढ़ को निर्देशित किया गया।

आदिवासी क्षेत्र में जाकर धर्मांतरण की बात कहना वांछनीय: गुप्ता

रायपुर। भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश प्रवक्ता केदारनाथ गुप्ता ने भाजपा प्रदेश प्रवक्ता श्री गुप्ता ने बुधवार को एकात्म परिसर स्थित भाजपा कार्यालय में प्रेस ब्रीफिंग में पत्रकारों से चर्चा के दौरान कांग्रेस के अल्पसंख्यक विभाग के प्रदेश अध्यक्ष द्वारा कांकेर में दिए गए इस बयान पर कड़ा ऐतराज जताया कि कोई भी वयस्क धर्मांतरण कर सकता है। श्री गुप्ता ने कहा कि कानूनन यह बात मानी जा सकती है, लेकिन क्या किसी राजनीतिक दल का किसी आदिवासी क्षेत्र में जाकर धर्मांतरण की बात कहना वांछनीय है? जहाँ आदिवासी क्षेत्रों में धर्मांतरण को लेकर आदिवासी समाज उद्वेलित है, प्रताड़ित है, अपनी संस्कृति व परम्परा की रक्षा करने के लिए प्रयासरत है, वहाँ दुर्भाग्य यह है कि सरकार उनको संरक्षण नहीं दे रही है। क्या आदिवासी संस्कृति और परम्पराओं को सहेजने का दायित्व सरकार का नहीं है? जिस भाव और रीति-नीति से बस्तर के आदिवासी अपना जीवनयापन कर रहे हैं, क्या धर्मांतरण की आड़ में आदिवासियों की संस्कृति, आस्था और परम्पराओं पर आक्रमण करना उचित है और क्या प्रदेश की कांग्रेस सरकार इस बात से सहमत है? आज बस्तर में शवों के अंतिम संस्कार को लेकर आदिवासियों में ही रार मची हुई है धर्मान्तिरण के कारण प्रशासनिक अधिकारियों ने इसे लेकर वर्ग संघर्ष के हालात पैदा होने के खतरे से प्रदेश सरकार को आगाह तक किया था कि बस्तर धधक रहा है, परंतु कांग्रेस और उसकी प्रदेश सरकार को इसकी रत्तीभर फिक्र नहीं है।

भूपेश सरकार में महिलाएं त्रस्त: श्रीनिवासन

■ **महिला मोर्चा की राष्ट्रीय अध्यक्ष की प्रेस वार्ता**

रायपुर। भारतीय जनता पार्टी महिला मोर्चा की राष्ट्रीय अध्यक्ष वानथी श्रीनिवासन ने कहा है कि भाजपा महिला मोर्चा की सभी पदाधिकारी-कार्यकर्ता आगामी विधानसभा चुनाव में कांग्रेस को सत्ता से उखाड़ फेंकने के लिए कमर कस चुकी हैं। श्रीमती श्रीनिवासन ने कहा कि आगामी विधानसभा चुनाव के मद्देनजर शक्ति केन्द्रों तक जाकर हर एक महिला से संपर्क किया जाएगा और उनको केन्द्रीय योजनाओं के बारे में बताया जाएगा। इस दौरान छत्तीसगढ़ व देशभर में एक करोड़ महिलाओं से सम्पर्क करने का लक्ष्य तय किया गया है। सितंबर के महीने से विभिन्न जनसंपर्क अभियान एवं युवती सम्मेलनों के तहत छत्तीसगढ़ की हर विधानसभा के विभिन्न वर्गों की महिलाओं से भाजपा महिला मोर्चा संपर्क साधेगा।

भाजपा महिला मोर्चा की राष्ट्रीय अध्यक्ष श्रीमती श्रीनिवासन ने बुधवार को एकात्म परिसर स्थित भाजपा कार्यालय में पत्रकारों से चर्चा करते हुए कहा कि भारत आविष्कारों एवं टेक्नोलॉजी में क्षेत्र में नयी ऊंचाइयों को छू रहा है। महिला सशक्तिकरण और महिलाओं की उन्नति के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार द्वारा चलाई जा रही योजनाओं की विस्तार से चर्चा करते हुए श्रीमती श्रीनिवासन ने कहा कि महिला मोर्चा की सभी कार्यकर्ता प्रधानमंत्री श्री मोदी के नेतृत्व में महिलाओं के विकास एवं सशक्तिकरण के लिए जो भी कार्य हुए हैं, उनको गांव एवं शहर, हर स्तर पर महिलाओं तक पहुँचाएंगीं। सर्वाइकल कैंसर से बचने के लिए केंद्र सरकार द्वारा देश में युवा महिलाओं को सर्वाइकल कैंसर वैक्सीन ट्रीटमेंट देने की शुरुआत की है जिसमें छत्तीसगढ़ राज्य को भी चुना गया है जिससे छत्तीसगढ़ की महिलाओं मे इस बीमारी से बचने के लिए एक बहुत ही सशक्त पहल है। मुद्रा योजना के तहत महिलाओं को उद्यम शुरू करने एवं देश में नए महिला उद्यमी बनने में सहायता मिल रही है।

भाजपा महिला मोर्चा की राष्ट्रीय अध्यक्ष श्रीमती श्रीनिवासन ने कहा कि भाजपा महिला मोर्चा केंद्र से चल रही 15 प्रमुख महिलाकेंद्रित योजनाओं को भी छत्तीसगढ़ की जनता तक पहुँचाएगा।

उप मुख्यमंत्री सिंहदेव राज्य के 25 आयुष संस्थाओं को देंगे पुरस्कार

रायपुर। उप मुख्यमंत्री तथा स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री श्री टी.एस. सिंहदेव 24 अगस्त को स्वच्छता को बढ़ावा देने और संक्रमण की रोकथाम के लिए उत्कृष्ट कार्य करने वाले राज्य के 25 आयुष संस्थाओं को पुरस्कृत करेंगे। राष्ट्रीय आयुष मिशन के अंतर्गत केन्द्रीय आयुष मंत्रालय के दिशा-निर्देशानुसार आयुष संस्थाओं में स्वच्छता को बढ़ावा देने और संक्रमण की रोकथाम के साथ गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सुविधाएं मुहैया कराने के लिए प्रदेश में कायाकल्प-आयुष का क्रियान्वयन किया जा रहा है। छत्तीसगढ़ ऐसा करने वाला देश का पहला राज्य है।

रायपुर के वीआईपी चौक के पास स्थित होटल बेबीलोन कैपिटॉल में सवेरे 11 बजे से आयोजित कायाकल्प-आयुष पुरस्कार समारोह में संसदीय सचिव श्री विनोद सेवनलाल चन्द्राकर और श्री विकास उपाध्याय, छत्तीसगढ़ गृह निर्माण मंडल के अध्यक्ष श्री कुलदीप जुनेजा, रायपुर नगर निगम के सभापति श्री प्रमोद दुबे, रायपुर जिला पंचायत की अध्यक्ष श्रीमती डोमेश्वरी वर्मा और केन्द्रीय आयुष मंत्रालय की संयुक्त सचिव श्रीमती कविता गर्ग भी शामिल होंगी। समारोह में एनएबीएच के फैकल्टी डॉ. किरण पंडित 'आयुष संस्थाओं में गुणवत्ता उन्नयन का महत्व एवं संभावनाएं' विषय पर व्याख्यान देंगे।कायाकल्प-आयुष के माध्यम से राज्य की आयुष संस्थाओं में उच्च सेवा गुणवत्ता मानकों के पालन के लिए उनके बीच स्वस्थ एवं पारदर्शी प्रतियोगिता कराकर स्वच्छता, संक्रमण नियंत्रण तथा स्वास्थ्य सेवाओं की गुणवत्ता में सुधार के लिए प्रेरित किया गया है। इनके चार चरणों में मूल्यांकन के बाद उत्कृष्ट पाए गए राज्य की 25 आयुष संस्थाओं को पुरस्कार के लिए चयनित किया गया है। मरीजों को बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं प्रदान करने राज्य शासन के आयुष विभाग द्वारा यहां की आयुष संस्थाओं को विभिन्न गुणवत्ता मानकों एनएबीएच, एनक्यूएएस सर्टिफिकेशन इत्यादि मानकीकरण के लिए प्रोत्साहित भी किया जा रहा है।

आर.एन.आई.रजि. क्र. CHHHIN/2021/80529, स्वत्वाधिकारी, मुद्रक एवं प्रकाशक- शशांक शर्मा द्वारा मिशन मीडिया प्रा. लि., प्रेस कॉम्प्लेक्स, रजबंधा मैदान, रायपुर (छ.ग.) 492001 से मुद्रित एवं 29/1110, सेवती स्मृति, आजाद चौक, रायपुर (छ.ग.) 492001 से प्रकाशित। संपादक-शशांक शर्मा, मो. 94255-20531.